

Daily सच के हक में...

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi



Taapsee Pannu Buys Rs. 4.33...

राजदूत हैं। एनडीए के 31 और 20

दूसरे दलों के हैं, जिसमें 3 कांग्रेस

बड़े देशों, खासकर संयुक्त राष्ट्र

सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के

सदस्य देशों का दौरा करेगा। वहां

ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान

प्रायोजित आतंकवाद पर भारत का

रुख रखेगा। डेलिगेशन के 23 या 24

मई को भारत से रवाना होने की बात

कही जा रही है। इस डेलिगेशन में

झारखंड के दो सांसदों को शामिल किया गया है। इसमें झारखंड मुक्ति

मोर्चा से डॉ.सरफराज अहमद और भाजपा से डॉ. निशिकांत दुबे शामिल

हैं। दनिया के बड़े देशों, खासकर

दौरा करने वाले लोगों को 7 ग्रुपों में बांटा गया है। हर ग्रुप में एक सांसद को लीडर बनाया गया है। प्रत्येक ग्रुप 8 से 9 सदस्य हैं। इनमें 6-7 सांसद,

सीनियर लीडर (पूर्व मंत्री) और राजदूत शामिल हैं। सभी डेलिगेशन में कम से कम एक मुस्लिम प्रतिनिधि को रखा गया है। चाहे वह राजनेता हो या राजदूत। कांग्रेस सांसद शशि थरूर को अमेरिका सहित ५ देश जाने वाले

डेलिगेशन की कमान सौंपी गई है।

देशभर के कुल 104 स्टेशनों के नए

पाकिस्तान में मारा गया

लश्कर आतंकी सैफुल्लाह

NEW DELHI: लश्कर-ए-तैयबा

और जमात का आतंकवादी रजुल्लाह

निजामनी उर्फ अबु सैफुल्लाह मारा

गया है। सैफल्लाह को पाकिस्तान के

सिंध में मतली फलकारा चौक के पास

अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी।

सैफुल्लाह को कब गोली मारी गई

कर रहा था। वह नेपाल में विनोद

कुमार के नाम से काम करता था।

उसने नेपाली महिला नगमा बानू से

शादी की थी सैफुल्लाह भारत में

आतंकियों की घुसपैट और आर्थिक

मदद जुटाने जैसे गंभीर अपराधों को

अंजाम दे रहा था।

इसकी जानकारी नही है। सैफुल्लाह

नेपाल में लश्कर के मॉड्यूल पर काम

ढांचे का उद्घाटन करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यएनएससी) के सदस्य देशों का

नेता भी हैं। यह डेलिगेशन दुनिया के

चांदी

8,895

Ranchi ● Monday, 19 May 2025 ● Year: 03 ● Issue: 123 ● Ranchi Edition ● Page: 12 ● Price: ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

अचानक बदला मौसम, तेज हवाओं के साथ जमकर हुई बारिश

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम) PHOTON NEWS RANCHI: रविवार को मौसम विभाग के पूर्वार्नुमान के अनुसार, **O** BRIEF NEWS राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में दोपहर के बाद मौसम का तेवर अचानक बदल गया। झारखंड के दो सांसद आंधी और मेघ गर्जन के साथ रांची सहित पाक को करेंगे बेनकाब अन्य इलाकों में जमकर बारिश हुई। सुबह से तेज धूप के साथ उमस वाली गर्मी लग RANCHI: केंद्र सरकार ने विदेश रही थी। रांची में हवा की रफ्तार काफी तेज जाने वाले सांसदों के प्रतिनिधिमंडल रही। लगभग हर दिशा से हवा की वजह से की घोषणा कर दी। इसमें 59 सांसद आधे घंटे से अधिक समय तक बारिश हुई। शामिल हैं। इनमें 51 नेता और 8

> बाधित हो गई, जिससे लोगों को दिक्कतें हुई। रांची में आंधी की वजह से कई छोटे-बड़े पेड़ के गिरने की भी खबरें हैं। हालांकि इसमें किसी तरह की जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। बारिश इतनी तेज थी कि चार पहिया वाहन

चालकों को कुछ देर के लिए सड़क किनारे

जहां-तहां वाहनों को रोकना पड़ा।

इसके बाद मौसम साफ हो गया। बारिश के

बारिश शुरू होते ही बिजली की आपूर्ति भी

बाद रांची का मौसम सुहाना हो गया है।

राजधानी में आधे घंटे तक हुई वर्षा के कारण लोगों को झेलनी पड़ी परेशानी, गर्मी से मिली राहत कहीं छप्पर उड़ गए, तो कहीं पार्किंग में खड़ी गाड़ियों पर गिर गए पेड़, घंटों बाधित रही बिजली



आंधी-तूफान के साथ हुई वर्षा ने मचाई तबाही

मौसम विभाग के पूवानुर्मान के मुताबिक कोडरमा और हजारीबाग में भी बारिश हुई। गुमला, लोहरदगा, रामगढ जैसे जिले में बारिश होने की बात कही गई है। राज्य के अलग-अलग जिले में कहीं-कहीं लगभग घंटे भर बारिश हुई। इस बारिश ने तबाही मचा कर रख दी। कहीं छप्पर

उड़ गए तो कहीं पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में पेड़ गिर गए। जानकारी के मताबिक, दो दिनों में आंधी और बारिश के बीच हुआ वज्रपात जानलेवा साबित हुआ है। इसकी वजह से हजारीबाग के चलकुशा में एक, रांची के रातू में एक, पलामू के हुसैनाबाद में एक, बोकारो के चंद्रपुरा घटियारी में एक, पेटरवार में एक बच्ची, जामताडा में एक और गिरिडीह में दो की मौत हो गई। गिरा पारा, कहीं-कहीं पड़े ओले बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई है। कोडरमा में

तेज ओलावृष्टि के साथ-साथ तेज हवाएं भी चलीं। दोपहर से हुई बारिश ने लोगों को ठंडक महसूस कराई। हालांकि इस बीच कई स्थानों पर वज्रपात होने की भी खबर भी सामने आई है, लेकिन गनीमत रही कि इससे जान माल को अब तक

ज्यादा नुकसान होने की खबर सामने नहीं आई है। कोडरमा में ओले गिरने 🔻 से मौसम तेजी से बदलता दिखा। आज यहां दोपहर को 40 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

सेना बोली- पाक की जिन

चौकियों से भी गोलियां चलीं

हमने उन्हें मिट्टी में मिलाया

दर्दनाक : तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में हुआ हादसा

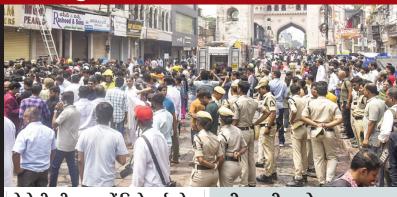
चारमीनार के पास बिल्डिंग में लगी भीषण आग, 17 लोगों की गई जान

AGENCY HYDERABAD:

रविवार की सुबह तेलंगाना की राजधानी

22 मई को अमृत भारत रेलवे हैदराबाद में चारमीनार के पास गुलजार हाउस की एक बिल्डिंग में भयंकर आग स्टेशन का पीएम करेंगे उद्घाटन लग गई। हादसे में 17 लोगों की मौत हो NADIYA : अमृत भारत परियोजना चुकी है, जिनमें दो परिवारों के 8 बच्चे भी के तहत देश के 104 रेलवे स्टेशनों के शामिल हैं। घटना के समय इमारत में 30 आधुनिकीकरण का काम चल रहा है। से ज्यादा लोग मौजूद थे। इनमें से 15 से इनमें पश्चिम बंगाल के नदिया जिला ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया। फायर स्थित कल्याणी घोष पाड़ा स्टेशन भी ब्रिगेड की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। शामिल है। रेलवे के अनुसार, इस आग बुझाने के लिए दमकलकर्मियों को 2 स्टेशन के आधुनिकीकरण का काम लगभग पूरा होने वाला है। इस स्टेशन घंटे मशक्कत करनी पड़ी। आग लगने की की सभी नई सेवाओं का आधिकारिक वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। कछ उद्घाटन २२ मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मतकों की पहचान अभिषेक मोदी, आरूषी मोदी वर्चुअल तरीके से दिल्ली से जैन .शीतल जैन, समित्रा जैन, प्रथम मोदी, उद्घाटन करेंगे। रेलवे के सियालदह राजेंद्र कुमार, हषार्ली गुप्ता, मुन्नीबाई, डिविजन के सूत्रों के मुताबिक अमत प्रियाणी और इराज के रूप में हुई है। गंभीर भारत परियोजना के तहत कल्याणी रूप से झुलसे लोगों को हैदराबाद के घोष पाड़ा स्टेशन परिसर को फिर से सजाया गया है। स्टेशन की मुख्य यशोदा हॉस्पिटल, डीआरडीओ हॉस्पिटल इमारत के ढांचे को बेहतर बनाया गया और उस्मानिया हॉस्पिटल में इलाज चल है। साथ ही आधुनिक विश्राम कक्ष, रहा है। हादसे के शिकार लोग ज्वेलर्स के शेड, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, जुड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान से संबंधित दो पेयजल आपर्ति आदि की व्यवस्था की परिवारों के लोग हैं। गई है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 मई को एक साथ

- हादसे के समय बिल्डिंग में 30 से अधिक लोग थे मौजूद, 15 लोगों को किया गया रेस्क्यू
- मृतकों में दो परिवारों के 8 बंच्चे भी शामिल
- फायर ब्रिगेड की 11 गाड़ियों के कर्मियों की 2 घंटे की मशक्कत से बुझी
- शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की कही जा रही बात
- बिल्डिंग में थी सिर्फ एक संकरी सीढ़ी, बाहर नहीं और दम घुटने से हुई मौत



बेहोशी की हालत में मिले कई लोग

फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट का कहना है कि सुबह 6:16 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसकें बाद टीमं मौके पर पहुंची और बचाव लोग बेहोशी की हालत

में मिले और करीब 10

लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक, बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर ज्वेलरी की दुकानें थीं और ऊपर कें फ्लोर पर लोग रहते थे। आग दकानों में लगी और ऊपर तक फैल गई।

मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैंदराबाद में आग लगने की घटना में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रत्येक, मृतक के निकट संबंधी को प्रधानमंत्री राष्ट्राय राहत काष स २ लाख रूपय तथ को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की

नहीं की गई है। यह समझौता आगे कार्रवाई की धमकी दी थी। चिनाब के पानी को रोकने के लिए रणबीर नहर

को बढाकर १२० किलोमीटर लंबा किया जाएगा

पहलगाम हमले के बाद भारत ने भारत-पाक जल समझौता (इंडस वाटर ट्रीटी) रोक दिया है। अब भारत सरकार चिनाब नदी के पानी का पूरा इस्तेमाल करने की तैयारी में है। सरकार की योजना है कि रणबीर नहर को बढाकर 120 किलोमीटर लंबा किया जाएगा। इससे खेतों को ज्यादा पानी मिलेगा और बिजली भी बनाई जाएगी। साथ ही कदुआ, रावी

AGENCY NEW DELHI:

रविवार को पाकिस्तान के

लेकर भारतीय सेना ने एक नया

बताया गया कि 10 मई को

पाकिस्तान की जिन चौकियों से

सीजफायर का उल्लंघन हुआ था.

उन्हें जवाबी कार्रवाई में मिट्टी में

डीजीएमओ स्तर की बातचीत नहीं

हो पाई। सेना ने बताया कि 12 मई

को दोनों देशों की बातचीत में जो

सीजफायर पर सहमति बनी थी,

उसकी कोई आखिरी तारीख तय

ऑपरेशन सिंदूर को

और परगवाल नहरों की सफाई भी शुरू हो गई है। अब तक भारत इस पानी का थोड़ा ही इस्तेमाल कर रहा था. लेकिन अब इसका फायदा और ज्यादा उढाया जाएगा। इधर, कटरा से संगलदान तक के रेल ट्रैक की नई सुरक्षा जांच पूरी हो गई है। अब कुछ संवेदनशील इलाकों में ज्यादा सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस जवान तैनात किए जा रहे हैं।

• 10 मई को पाकिस्तान

था उल्लंघन

• डीजीएमओ स्तर की

नहीं हो पाई बातचीत

भी जारी रहेगा। इधर, डीजीएमओ

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने

राहुल गांधी के विदेश मंत्री पर

लगाए आरोपों पर कहा कि

ऑपरेशन शुरू होने के बाद हमने

पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि

हम आतंक के अड्डों पर हमला

करेंगे। पाकिस्तान ने बातचीत से

इनकार कर दिया और जवाबी

ने सीजफायर का किया

जेएससीए चुनाव : अजय का जमशेदपुर के उद्योगपति एसके बेहरा से था मुकाबला

शाहदेव टीम ने सभी 15 सीटों पर जमाया कब्जा

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को हुए झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) के चुनाव में अजय नाथ शाहदेव के नेतृत्व वाली 'द टीम' ने शानदार जीत हासिल की है। चुनाव में अध्यक्ष पद से लेकर सभी 15 सीटों पर अजय नाथ शाहदेव गृट ने विजय का परचम लहराया। इस चुनाव में अजय नाथ शाहदेव का मुकाबला जमशेदपर के उद्योगपति एसके बेहराँ से था।

लेकिन, कड़े मुकाबले के बीच 'द टीम' ने एकतरफा जीत दर्ज की। अजय नाथ शाहदेव ने अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की, जबिक उपाध्यक्ष पद पर संजय पांडे. सचिव पद पर जाने–माने क्रिकेटर सौरभ तिवारी और सह-सचिव पद पर अनुभवी खिलाड़ी शाहबाज नदीम विजयी रहे। कोषाध्यक्ष पद पर अमिताभ घोष ने जीत दर्ज की।



अमिताभ चौधरी का सपना करेंगे साकार

अजय नाथ शाहदेव ने जीत के बाद कहा कि वे अमिताभ चौधरी के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनके नेतृत्व में 'द टीम' ने संगठन की बारिकियों को न केवल समझा है, बल्कि आँगे बेहतर क्रिकेट व्यवस्था और पारदर्शिता के लिए ठोस कार्य करने की योजना भी बनाई है।

कमेटी पर डनका कब्जा

कमेटी मेंबर के रूप में संजय जैन, रमेश कुमार, मिहिर प्रीतेश तोपनो. परवेज खान और रत्नेश कुमार सिंह ने जीत दर्ज की। जिला कमेंटी मेंबर श्रेणी में वीरेंद्र पाठक, श्रीराम पुरी, राघवेंद्र नारायण सिंह और उत्तर क्रूमार बिस्वास ने बाजी मारी। वहीं स्कूल एंड क्लब रिप्रेजेंटेटिव के रूप में उमा महेश्वर राव विजयी हुए। चुनाव परिणाम घोषित होते ही जेएँससीए स्टेडियम परिसर में विजयी गुट के समर्थकों ने जमकर आतिशबाँजी की और एक-दूसरे को मिटाइयां खिलाकर खुँशी का इजहार किया।

चिंताजनक हालात भौतिक विकास की तमाम गतिविधियों पर सवालिया निशान

आज भी गंभीर खाद्य संकट से जूझ रहे दुनिया के करोड़ों लोग

आज के हाईटेक दौर में विकास के रास्ते पर तेज गति से दुनिया के आगे बढ़ने के तमाम दावे किए जाते हैं। बेशक कई क्षेत्रों में ऐसा हो भी रहा है। तकनीक आधुनिक समस्याओं के हल में बड़ी मदद कर रही है, लेकिन अगर कहीं भी मानव जीवन खाद्य संकट की गंभीर स्थिति का सामना कर रहा है, तो इससे विकास के दावों पर एक सवाल या निशान भी खड़ा हो जाता है। विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन की हालिया रिपोर्ट में या खुलासा हुआ है कि दुनिया में 29.5 करोड़ लोग आज भी ऐसे हालात में जी रहे हैं, जहां उनके लिए एक वक्त का खाना भी जुटा पाना मुश्किल है। यह संकट मानवीय इतिहास के एक नाजुक दौर की ओर संकेत करता है, जिसमें दुनिया का सबसे कमजोर तबका संघर्ष, बढ़ती महंगाई, जलवायु परिवर्तन और जबरन विस्थापन जैसे हालात में उलझा हुआ है। इन सब कारकों ने पहले से ही नाजुक स्थिति को बद से बदतर बना दिया है। वैश्विक खाद्य संकट रिपोर्ट २०२५ के अनुसार, २०२४ का वर्ष दुनिया के संकटग्रस्त और निर्धेन समुदायों के लिए

किसी दुःस्वप्न से कम नहीं रहा।

संघर्ष, बढ़ती महंगाई और जलवायु परिवर्तन की मार से कराह रहा सबसे कमजोर तबका वर्ल्ड के 53 देशों में 29.5 करोड़ वासियों के लिए एक वक्त की रोटी जुटाना भी मुश्किल



2023 के मुकाबले व कृषि 2024 में खाद्य संगठन की असुरक्षा का तथ्यों का सामना करने वालों की बढ़ी विस्तार से हुआ खुलासा शिकार

विश्व खाद्य वुछ देशों में पांच साल से कम उम्र के नई रिपोर्ट में 3.8 करोड़ बच्चे गंभीर कुपोषण के हैं

रिपोर्ट बताती है कि जब से 2016 में इस तरह के आंकड़े इकट्ठे किए जाने

शुरू हुए हैं, यह अब तक का सबसे भयावह आंकड़ा है। 26 गंभीर संकटग्रस्त क्षेत्रों में पांच साल से कम उम्र के 3.8 करोड़ बच्चे गंभीर रूप से कुपोषण का शिकार पाए गए। गाजा, माली, सुडान और यमन जैसे इलाकों में हालात बेहद भयावह बन चुके हैं।

सुडान में औपचारिक रूप से भुखमरी की पृष्टि सूडान में तो अकाल घोषित हो चुका है। यह 2020 के बाद पहली बार है जब दुनिया के किसी

हिस्से में औपचारिक रूप से अकाल की पुष्टि हुई है। सूडान में तो हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि वहां औपचारिक रूप से भुखमरी की पुष्टि की जा चुकी है। गाजा, हैती, माली और दक्षिण सुडान जैसे क्षेत्रों में भी स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है।

स्थिति और बिगड़ी

53 देशों में अनुमानित 29.5 करोड़ लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे हैं। यह २०२३ के मुकाबले १.३७ करोड़ अधिक हैं। यह स्थिति दशातीं है कि हालात में सुधार की बजाय और गिरावट आई है। जिन देशों में एक अनुमानित आबादी का मूल्यांकन किया गया, उनमें से 22.6 फीसदी लोग गंभीर खाद्य संकट का सामना कर रहे थे। यह लगातार पांचवां वर्ष है जब यह आंकड़ा 20 फीसदी से ऊपर बना हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024 में करीब 19 लाख लोग ऐसे हैं, जो भुखमरी के चरम स्तर पर पहुंच

रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार को कारण बतओ नोटिस जारी RANCHI: राज्य सरकार ने रिम्स के

निदेशक डॉक्टर राजकुमार को विभिन्न प्रकार की अनियमितताओं के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कारण बताओ नोटिस में रिम्स के लिए मिले ६९१ करोड़ रुपये वापस करना, वित्तीय अनियमितता, वित्तीय कुप्रबंधन सहित अन्य मामला शामिल है।

प्लांट बेस्ड फाइटो-बायोटिक से बिना दवा और सर्जरी के अब हर बीमारी का समाधान संभव



(Phytobiotic Specialist & Food Science Expert)

आज के दौर में जब लोग एलोपैथिक दवाओं से थक चके हैं और हर कोई एक प्राकृतिक, साइड इफेक्ट फ्री समाधान की तलाश में हैं– तब एक नाम तेजी से लोगों की उम्मीद बन चुका है- डॉ. पिंकी। इन्होंने Plant-Based Phyto-Biotic Supplement और वैज्ञानिक डाइट सिस्टम के जरिए हेल्थकेयर की दुनिया में क्रांति ला दी है। कई असंभव लगने वाली बीमारियों में आश्चर्यजनक सफलता : डॉ. पिंकी ने

सिर्फ डायबिटीज, बीपी, थायरॉइड, कोलेस्ट्रॉल, यूरिक एसिड, कब्ज, गैस, एसिडिटी, पीसीओडी/पीसीएस, हार्मोनल असंतुलन, महिलाओं और पुरुषों की निजी समस्याओं पर ही नहीं, बल्कि कैसर, ब्रेन ट्यूमर, HIV, हार्ट डिजीज, लिवर सिरोसिस, किडनी फेलियर जैसे गंभीर रोगों में भी शानदार परिणाम दिए है– बिना किसी एलोपैथिक दवा या सर्जरी के।

सिर्फ यहीं नहीं..

OWeight Loss (6-15 किलो तक बिना थकान या कमजोरी के)

Weight Gain (कमजोर शरीर को प्राकृतिक तरीके से फिट बनाना) OSkin Issues (झाइयां, पिंपल्स, पिगमेंटेशन आदि)

OHair Fall & Baldness (झड़ते बाल, गंजापन, डैंड्रफ आदि) इन सभी में 100% नैचुरल परिणाम दिए

क्यों लाखों लोग इन पर भरोसा कर

रहे हैं? आज भारत और विदेशों में मिलाकर 2 लाख लोग डॉ. पिंकी के क्लाइंट बन चुके हैं, जो उनके phyto-biotic science और डाइट प्लान से स्वस्थ हो चुके हैं।

इनका कहना है:-

जहां दवा नहीं चली, वहां डॉ. पिंकी की सलाह और सप्लीमेंट ने कमाल कर दिया। न ऑपरेशन, न साइड इफेक्ट बस सच्चा समाधान।

फाइटो-बायोटिक क्या है?

यह एक पौधों से बना 100% प्राकृतिक सप्लिमेंट है। आंतों की सफाई और इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। शरीर को अंदर से डिटॉक्स करके हर अंग की सक्रिय करता है। हर उम्र और हर रोगों के लिए सुरक्षित और असरदार।

अब आपकी बारी है :-

अगर आप थक चुके हैं बार-बार दवाएं बदल-बदल कर। अगर आप स्वस्थे रहना चाहते हैं, लेकिन प्राकृतिक तरीके से। अगर आप शरीर को अंदर से ठीक करना चाहते हैं।

अब समय है ... प्रकृति को डॉ. पिंकी के साथ अपना सच्चा साथी बनाने का। प्राकृतिक समाधान | आधुनिक विज्ञान | भरोसेमंद परिणाम

advt

आंटो चालक की पत्थर से कूचकर हत्या

पलामू जिले के पड़वा थाना क्षेत्र के पाटन मोड के पास अमानत नदी से रविवार सुबह एक युवक का शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के निमिया गांव निवासी राजन मेहता के पुत्र रंजीत कुमार (30) के रूप में की गई है। शव का पोस्टमार्टम एमएमसीएच में दोपहर एक बजे किया गया।

मृतक की पत्नी नीलम देवी के अनुसार रंजीत शनिवार दोपहर टेंपो लेकर घर से निकला था। लेकिन रात तक घर नहीं लौटा। देर रात तक खोजबीन के बावजूद जब उसका कुछ पता नहीं चला, तो रविवार सुबह छह बजे सूचना मिली कि रंजीत का ऑटो पाटन मोड़ के पास खड़ा है और उसका शव अमानत नदी के किनारे झाड़ियों में पड़ा है।



पोस्टमॉर्टम हाउस में जुटे मृतक के परिजन व अन्य

• फोटोन न्यूज

ग्रामीणों और परिजनों ने पड़वा थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।

अस्पताल पुलिस चौकी के एएसआई सुशीला टीयू, पुलिस जवान महेंद्र कुमार और विकास कुमार ने शव का इंक्वेस्ट कर घटना की जानकारी मिलते ही पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराई।

नीलम देवी ने आशंका जताई है कि यह हत्या जमीन विवाद में की गई। उन्होंने बताया कि उनके ससुर राजन मेहता का पूर्वडीहा गांव के एक व्यक्ति से वर्षों से जमीनी विवाद चल रहा था। जो अक्सर उनके परिवार को जान से मारने की धमकी देता था। नीलम देवी का कहना है कि उसके पति की हत्या में उसी व्यक्ति का हाथ हो

पलामू जिले की अमानत नदी से मिला शव शिवम फैक्ट्री के बाहर से लाश बरामद

AGENCY KODERMA:

पुलिस ने चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवम आयरन फैक्ट्री के बाहर महतो आरा-जौंगी मार्ग पर रविवार की सबह एक शव बरामद

शव की फिलहाल शिनाख्त नहीं हो पाई है। मिली जानकारी के अनुसार महतो आरा जौंगी मार्ग पर अहले सुबह जब गांव के लोग गुजर रहे थे, तो सड़क किनारे एक अधजले व्यक्ति का शव दिखाई दिया। इसके बाद वहां ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। घटना की सूचना मिलने पर चंदवारा थाना प्रभारी धनेश्वर कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल में जुट गए।

शव को देखकर यह प्रतीत होता है कि उक्त व्यक्ति शनिवार रात ही किसी फैक्ट्री में कार्य के दौरान दुर्घटना का शिकार हुआ है।



शव के पास जुटी लोगों की भीड़

का नंबर प्लेट पाया गया। इसमें

मुख्यालय डीएसपी रतिभान सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू कर दी। इस दौरान घटनास्थल पर शव के पास से एक मोबाइल और एक बाइक

(जेएच 12 एम 4934) अंकित था। इसकी जांच पड़ताल करने पर पाया गया कि वह चंदवारा थाना क्षेत्र के भोंडो गांव निवासी अजय साव (25) के बाइक का है। इसके पश्चात डीएसपी और चंदवारा पुलिस उक्त व्यक्ति के घर

रात करीब 11:30 बजे घायल अवस्था में अपने घर पहुंचा था। जिसे एक निजी वाहन के मदद से झुमरीतिलैया के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके पश्चात डीएसपी उक्त अस्पताल पहुंचे और घायल से घटना की जानकारी ली। मामले की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि जांच पड़ताल की जा

पहुंची। जहां पूछताछ में यह बातें

सामने आईं कि अजय साव बीती

सर्वप्रथम उक्त शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। जिससे यह स्पष्ट हो सके कि यह दुर्घटना है या उक्त व्यक्ति की हत्या हुई है। मृत व्यक्ति को देखने से यह स्पष्ट होता है कि उसकी गला दबाकर हत्या की गई है। पुलिस फिलहाल आसपास के सीसीटीवी फटेज को खंगाल

अभिषेक माइकल खलखो (24) नहाने कें क्रम में डूब गया। जल प्रपात से निकाल कर उसे तोरपा स्थित रेफरल अस्पताल लाया गया, पर उसकी गंभीर स्थिति को देखते हए उसे सदर अस्पताल खंटी रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलने पर रिम्स के कई विशेषज्ञ चिकित्सक खुंटी पहुंचे और अत्यंत गंभीर स्थिति में उसे रिम्स ले गये। अभिषेक माइकल रिम्म में मेडिकल की पढ़ाई कर रहा था। जानकारी के अनसार रविवार को रिम्स के 26 मेडिकल स्टूडेंट पिकनिक मनाने पेरवांघाघ आये थे। वहां सभी छात्र नदी में नहाने चले गये। नहाने के क्रम में अभिषेक माइकल खलखो,

पेरवांघाध जलप्रपात में डूबे रिम्स के चार छात्र तीन सुरक्षित KHUNTI: जिले के प्रसिद्ध

कीर्तिबर्द्धन मुंडा, जासुआ टोप्पो तथा अजय मोदी नदी के गहरे पानी में डूबने लगे। उनके दोस्तों ने उन्हें किसी तरह पानी से निकाला। गंभीर स्थिति में अभिषेक माइकल खलखो को रेफरल अस्पताल लाया गया। जहां प्रथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल और बाद में रिम्स

BRIEF NEWS

अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ की कमेटी बनी



GHATSILA: झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ की अनुमंडलस्तरीय बैठक रविवार को धरमबहाल पंचायत सचिवालय में हुई। जिला अध्यक्ष महावीर महतो की अध्यक्षता में हुई बैठक में महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज सिन्हा भी शामिल हुए। इस दौरान घाटशिला अनुमंडल कमेटी का गठन किया गया, जिसमें महासंघ का अनुमंडल अध्यक्ष कमल किशोर मंडल को मनोनीत किया गया, जबकि कार्यकारिणी अध्यक्ष किशन राय, उपाध्यक्ष धरम् उरांव, सुराई हेम्ब्रम व जगदीश भकत, मंत्री नेहरू प्रसाद धाड़ा व मंगल टुडू को बनाया गया। इसके साथ ही विभिन्न पदों पर अनुमंडल के विभिन्न प्रखंडों के कर्मचारियों को मनोनीत किया गया है। उन्होंने कहा कि 13 एवं 14 जुलाई को जमशेदपुर के सिदगोडा स्थित टाउन हॉल में कर्मचारी महासंघ का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन होगा। 14 जुलाई को ही प्रदेश कमेटी का गठन

मऊभंडार में तीन दिवसीय इज्तिमा का समापन



GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिलास्तरीय तीन दिवसीय इज्तिमा का रविवार को मऊभंडार मस्जिद में समापन हुआ। समापन के अवसर पर देश-विदेश की तरक्की, अमन-चैन और आपसी सौहार्द बनाए रखने की दुआ की गई। इस आयोजन में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए मुस्लिम समदाय के लोगों तथा अकबरीन (धार्मिक विद्वानों) ने भाग लिया। मस्जिद के इमाम एम रहमान ने बताया कि इस इज्तिमा का मुख्य उद्देश्य मुस्लिम समाज को धार्मिक रूप से जागरूक करना और पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देना था। उन्होंने कहा कि शांति, आपसी सद्भाव और जरूरतमंद, मजलूम, दबे-कुचले वर्गों की सेवा ही इस आयोजन का मल संदेश था। इज्तिमा के समापन पर मऊभंडार मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद सुलेमान, सचिव मोहम्मद नसीम, मोहम्मद अली, अशरफ अली, मोहम्मद रियाज, जाबिर अली, मोहम्मद रफीक, इमरान खान आदि भी मौजूद थें।

फुटबॉल दुर्नामेंट में सीताडांगा बना विजेता



GHATSILA: घाटशिला प्रखंड अंतर्गत बनकटी पंचायत काकडीशोड़ में मिलन संघ क्लब द्वारा एकदिवसीय फ्लड लाइट फुटबॉल टूर्नामेंट कराया गया। इसमें कुल 24 टीमों ने भाग लिया था। फाइनल ट्नामेंट में पेनाल्टी शूट से सीताडांगा विजेता और एमएससी काकडीशोड उपविजेता बना। मुख्य अतिथि मंत्री रामदास सोरेन ने विजेता को ट्राफी के साथ 15 हजार और उपविजेता को 10 हजार रुपये दिए। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत, कालीपद गोराई, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष दुर्गा चरण मुर्मू, काजल डॉन, बाबूलाल मुर्मू, वकील हेंब्रम आदि भी उपस्थित थे।

बुजुर्गों के लिए 22 से नि:शुल्क योग शिविर

JAMSHEDPUR: स्वस्ति ऑनलाइन योग की ओर से वरिष्ठ नागरिकों के लिए 22 मई से 10 जून तक निःशुल्क ऑनलाइन योग शिविर होगा। शिबिर में बुजुर्गों को प्राणायाम, ध्यान व अलग-अलग आसन सिखाए जाएंगे। योग शिक्षक रमेन कोले ने बताया कि इसका उद्देश्य बरिष्ठ नागरिकों को अकेलेपन से बचाना तथा उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करना है। यह शिविर शाम को 4.30 से 5.30 बजे तक होगा। शिविर में शामिल होने के लिए 9234503706 पर संपर्क कर सकते हैं।

छह मवेशियों से लदी वैन जब्त

SERAIKELA: जिले की कपाली ओपी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए डोबो रोड से छह मवेशियों से लदी एक बोलेरो मालवाहक वाहन को जब्त किया। पुलिस के अनुसार, वाहन में अवैध रूप से गौवंश को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा था। पुलिस की टीम जैसे ही मौके पर पहुंची, वाहन चालक और उसका सहयोगी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए वाहन को जब्त कर लिया और उसमें लंदे सभी छह मवेशियों को सुरक्षित निकालकर नजदीकी गौशाला में भेज दिया। यह मामला शनिवार देर रात की है। कपाली ओपी प्रभारी ने रविवार को बताया कि मामले में अज्ञात गौ तस्करों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

पत्नी ने पति को टांगी से काटकर मार डाला शौचालय की टंकी में डाल दिया था शव

दुर्गंध फैलने से घटना के तीन दिन बाद मामला हुआ उजागर

AGENCY PALAMU:

पलाम जिले के पांकी थाना क्षेत्र के केकरगढ़ पंचायत अंतर्गत गरिहारा गांव में एक पत्नी ने पति की टांगी से मारकर हत्या कर दी। साथ ही साक्ष्य छुपाने के लिए शव को शौचालय के सोख्ता गड्ढे में दफना दिया। घटना का उदभेदन तीन दिन बाद हुआ। सूचना मिलने पर पांकी पुलिस मौके पर पहुंची है और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए एमआरएमसीएच में भेज दिया है। मृतक की पहचान बुधन उरांव के रूप में हुई है। बताया जाता है कि बुधन और उसकी पत्नी ललिता देवी के बीच तीन दिन पूर्व गुरुवार की रात्रि मारपीट हुई। बुधन ने पत्नी की पिटाई कर कई जगह दांतों से काट दिया था। बचाव के दौरान महिला ने पति को



बाहर निकाला गया शव

ढकेल दिया। इससे वह जमीन पर गिर पड़ा। इसी बीच टांगी से प्रहार कर जान ले ली। शव को छिपाने के लिए शौचालय के बने सोख्ता गड्ढे में दफना दिया। सूचना के बाद पांकी थाना पुलिस ने क्षत विक्षत शव बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जिस जगह पर बुधन को दफनाया गया था, वहां से बदबू आने लगी थी। आसपास के लोगों ने जब उसे महसूस किया तो उसकी पत्नी से जानकारी लेने की कोशिश की पहले तो महिला ने मामले को दबाने का प्रयास किया लेकिन बाद में उसने हत्या की पूरी जानकारी दे दी। इधर घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला से जब पूछताछ की तो उसने अपना गुनाह कबुल किया बाद में सोखता की खुदाई कर बुधन का शव बाहर निकाला। महिला ने बताया कि नशे की हालत में बुधन हैवान बन गया था। मारपीट करते हुए कई जगह पर दांतों से काट दिया

छात्र की आकाशीय बिजली गिरने से मौत

JAMSHEDPUR: कोवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत चाकड़ी गांव निवासी

कुणाल सरदार शनिवार रात आकाशीय बिजली

चपेट में आने से मौत हो गई। बताया जाता है कि खाना खाने के बाद कुणाल घर के अंदर सोया हुआ था। रात को बारिश शुरू हुई और उसी दौरान आकाशीय बिजली सीधे उसके घर पर गिरी। बिजली की तीव्रता इतनी अधिक थी कि घर के अंदर मौजूद कुणाल गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन आनन-फानन में उसे हाता के तारा सेवा सदन अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन वहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने कुणाल को मृत घोषित कर दिया। इस दुखद हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा

छऊ हमारी सास्कृतिक धरोहर का अद्भुत प्रतीक : जोबा माझी



कार्यक्रम में छऊ नृत्य करते कलाकार

CHAKRADHARPUR : वैशाखी मेला के अवसर पर चक्रधरपुर प्रखंड के गोपीनाथपुर गांव में आयोजित दो दिवसीय छऊ नृत्य कार्यक्रम का समापन रविवार को हो गया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि सांसद जोबा मांझी थीं। इस दौरान गांव के ऊपर टोला व नीचे टोला की छऊ मंडली ने मानभूम एवं खरसावां शैली में नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। नृत्य मंडली ने तिरंगे के साथ नृत्य प्रस्तुत कर लोगों में देशभक्ति का जोश भरा। इस मौके पर दर्शकों को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि छऊ हमारी सांस्कृतिक धरोहर का अद्भृत प्रतीक है। छऊ को विकसित एवं संरक्षित रखने के लिए सामृहिक प्रयास की आवश्यकता है। सांसद ने कहा कि वैशाखी मेला के आयोजन से हम गांवों में सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि वर्षों से वैशाखी मेला व छऊ का आयोजन होता आ रहा है। सांसद ने कलाकारों

सड़क दुर्घटना में एक बच्ची की गई जान, सात लोग घायल

AGENCY LOHARDAGA: शादी समारोह से लौट रही बराती

गाडी सेन्हा कब्रिस्तान के समीप सड़क दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हो गयी। इसमें एक बच्ची की इलाज के क्रम में मौत हो गयी। जबकि सात लोग घायल हो गये। घटना सेन्हा थाना क्षेत्र के सेन्हा कब्रिस्तान के समीप मध्यरात्रि की है। स्कार्पियो (जे एच 01 डी डी 6651)बरात से लौट रही थी। चालक की आंख लगने के कारण सड़क दुर्घटना हुई। बताया जाता है. कि पसो थाना क्षेत्र के लरंगो से शादी समारोह से बराती लौट रहे थे। इसी क्रम में सेन्हा कब्रिस्तान के समीप एन एच 143 ए पथ के किनारे स्कॉर्पियो अनियंत्रित हो कर विशाल बरगद पेड़ में जा टकरायी, जिससे गाड़ी में सवार महिला पुरुष और बच्चे घायल हो गये। सभी घायलों को



घटनास्थल पर जुटी लोगों की भीड़ ग्रामीणों के सहयोग से इलाज के लिये सदर अस्पताल लोहरदगा पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के पश्चात घायल को रिम्स रांची रेफर किया गया। जबिक इलाज के दौरान एक बच्ची की मौत हो गई। वही घायल और मतक का पहचान निगनी निवासी शंकर साह् उर्फ मास्टर का पुत्र एवं बहु सहित परिवार का अन्य सात लोग के रूप में किया गया। जबकि • फोटोन न्यूज

एक बच्ची की मौत इलाज के दौरान हो गई जिसका पहचान दुल्हे के फुफेरी बहन पालकोट डहु डांड निवासी के रूप में किया गया। बताया जाता है कि लोहरदगा थाना क्षेत्र के निगनी निवासी लखन साह का छोटे भाई का विवाह में परिजन आये हुए थे। सभी लोग लोहरदगा के निगनी से गुमला जिला के लरंगो के लिए बरात गये हुए थे। बरात से लौटने के क्रम में यह हादसा हुई है।

लोहरदगा जिले के सेन्हा क्षेत्र में शनिवार की रात हुई दुर्घटना चारधाम यात्रा पर निकली बस दुर्घटनाग्रस्त, 5 गंभीर



अस्पताल पहुंचे घायल यात्री व दुर्घटनाग्रस्त बस

RAMGARH : उत्तराखंड में चार धाम की यात्रा करने विशाखापट्टनम से निकली यात्री बस रामगढ जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर कोठार ओवर ब्रिज के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। एक ट्रेलर की लापरवाही के कारण बस के सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में बस पर पहुंची रामगढ़ थाना पुलिस ने सभी यात्रियों को सवार पांच यात्रियों को गंभीर चोटें लगी हैं। इसके

आई है। गंभीर रूप से घायल सभी पांच यात्रियों को तत्काल इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया है। इसके अलावा जिन यात्रियों को हल्की चोटें आई हैं, उनका इलाज रामगढ़ सदर अस्पताल में किया जा रहा है। घटनास्थल पर राहत पहुंचाई। क्षतिग्रस्त बस को सड़क के किनारे अलावा लगभग 50 अन्य यात्रियों को हल्के चोटें किया और यात्रियों का इलाज कराया।

रामगढ़, हजारीबाग और रांची जिले के बंद घरों से लाखों की संपत्ति उड़ाने वाले गैंग का हुआ पर्दाफाश

जुए में हारे लोगों ने बनाया चोर गिरोह, छह किए गए गिरफ्तार

AGENCY RAMGARH: रामगढ़, हजारीबाग और रांची

जिले के बंद घरों से लाखों की संपत्ति उड़ाने वाले चोर गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। रामगढ़ पुलिस ने चोर गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार कर कई कांडों का उद्भेदन कर दिया। रविवार को रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि चोर गिरोह के आतंक को खत्म करने के लिए पुलिस कई महीनों से लगी हुई थी। छह सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद आम जनता को राहत मिलेगी। एसपी ने बताया कि रामगढ़ जिले में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के उद्भेदन के लिए एसआईटी गठित की गई थी। एसआईटी ने यह स्पष्ट किया कि ऑनलाइन जुए में हारे हुए लोगों ने

चोर गिरोह बनाकर आतंक फैला शातिर चोर गिरोह लगातार उन

घरों को निशाना बना रहे थे जो बंद थे। इसी दौरान बरकाकाना ओपी क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोर गिरोह और चोरी में प्रयुक्त होने वाला बाइक कैद हो गया। मोटरसाइकिल (जेएच 24 जे 0823) का सत्यापन किया गया तो वह कुजू ओपी क्षेत्र के सुंदरियाबांध निवासी राजेश प्रसाद केसरी के पुत्र प्रिंस कुमार केसरी के नाम पर निकला।

प्रिंस से पूछताछ हुई तो उसने बताया कि वह बाइक उसका बड़ा भाई संदीप कुमार केसरी इस्तेमाल करता है। इस सूचना के बाद पुलिस को पहली लीड मिली और संदीप कुमार केसरी को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने जब संदीप केसरी से पूछताछ शुरू की तो वह बहुत जल्द ही टूट गया। उसने सीसीटीवी में कैद वीडियो और फोटो को देखकर अपने गिरोह के



पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसपी अजय कुमार व अन्य

अन्य सदस्यों का पदार्फाश कर दिया। उसकी निशानदेही पर पांच अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया। संदीप केसरी के अलावा गिरफ्तार लोगों में सुंदरिया बांध कुजू निवासी जागेश्वर कुमार, अनुज कुमार, कुजू मुरपा बस्ती निवासी राजीव कुमार, करमा अंसारी टोला निवासी कमर रजा, शिवपुरी कॉलोनी चटनियां बस्ती निवासी सौरभ शर्मा शामिल हैं।

संदीप केसरी ने पुलिस को बताया कि 5 मई को बरकाकाना ओपी क्षेत्र में वह अपने सहयोगियों के साथ चोरी करने गया था। उसने पुलिस को बताया कि हम लोग एक गिरोह के रूप में चोरी की घटना को अंजाम देते है।

चोरी के सामानों को आपस में बांट लेते है। गिरोह का सरगना रांची में रहता है। गिरोह के द्वारा योजना बनाकर रांची, हजारीबाग एवं

रामगढ़ जिले के विभिन्न बंद पड़े घरों में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। गिरफ्तार चोरों के पास से पुलिस ने चोरी का सोने का लोकेट, चांदी का सिक्का, जुता और चोरी में प्रयोग करने वाला औजार बरामद किया गया है। इसके अलावा छह मोबाइल फोन, एक जोड़ा जुता, एक ईयर बड, चोरी में प्रयुक्त होने वाला पेचकस, लोहे का सब्बल आदि भी जप्त किया गया है।

एसपी अजय कुमार ने बताया कि चोर गिरोह का सरगना रांची में रहता है। उसके साथ रामगढ़ जिले के भी कई लोग संपर्क में थे। यह सभी ऑनलाइन गेम में पैसा लगाते थे। जुए में इन लोगों को चुना लगा, तो वे लोग कर्ज में डूब गए। सभी लोगों ने मिलकर चोर गिरोह बनाया। मुख्य सरगना रांची में रहता है और एक्सयूवी 500 पर सवार होकर घूमता है। एसपी ने

यह भी बताया कि गिरोह के सदस्यों के द्वारा उन घरों की रेकी की जाती थी जो बंद होते थे। जैसे ही सरगना को इसकी जानकारी होती थी वह घटनास्थल पर आता था। यह गिरोह चोरी में इतना माहिर हो गया था, कि आधे घंटे में ही पूरा घर खाली कर निकल जाता था।

रामगढ़, हजारीबाग और रांची में अब तक हुए दर्जनों चोरी की घटनाओं में इस गिरोह ने अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। मुख्य सरगना को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी जारी है। छापेमारी दल में रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, मांडू सर्किल इंस्पेक्टर सुरेश लिंडा, टेक्निकल सेल प्रभारी रजत कुमार, कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह, वेस्ट बोकारो ओपी प्रभारी दीपक कुमार, मांडू थाना प्रभारी सदानंद कुमार आदि शामिल थे।













THE PH©TON NEWS www.thephotonnews.com

Monday, 19 May 2025

O BRIEF NEWS संजय सेंह ने उपराष्ट्रपति से की मुलाकात, जन्मदिन



RANCHI: उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 74वें जन्मदिन पर देशभर से शुभकामनाएं मिल रही हैं। देश के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने ने भी अपनी पत्नी के साथ रविवार को उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ से उनके निवास पर मुलाकात की। इस दौरान सेठ दंपत्ति ने धनखड़ को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। जगदीप धनखड़ का जन्म 18 मई, 1951 को राजस्थान के झुंझुनू जिले के किठाना गांव में हुआ था। उन्होंने 11 अगस्त, 2022 को भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी।

बेड़ो पुलिस ने गुमशुदा विक्षिप्त युवती को किया परिजनों के हवाले



RANCHI: बेड़ो थाना क्षेत्र के करांजी गांव में एक मानसिक रूप से विक्षिप्त युवती पाई गई थी। युवती की पहचान किरण कुमारी (25 वर्ष) पिता-अशोक प्रसाद साह, निवासी देवी मंडप, जिला दुमका के रूप में की गई। बेड़ो पुलिस द्वारा परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद रविवार को परिजन थाना पहुंचे और सभी आवश्यक औपचारिकताओं के बाद युवती को सुपुर्द किया गया। बेड़ो पुलिस की त्वरित कार्रवाई और ग्रामीणों के सहयोग से युवती को सकुशल उसके परिवार से

राज्यपाल संतोष गंगवार से अरशद खान ने की शिष्टाचार मुलाकात



RANCHI: राज्यपाल संतोष कमार गंगवार से आज गवर्नर हाउस में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह पूर्व विधायक जौनपुर उत्तर प्रदेश सह राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत किसान यूनियन मो अरशद खान ने शिष्टाचार मुलाकात की। और झारखंड के मुद्दों पर बात चीत की। झारखंड के पांच दिवसीय दौरे पर रांची पहुंचे हैं। अरशद खान ने कहा के झारखंड में कालीन का काम नहीं होता। कालीन का काम कोई भी आदमी 3 महीने में सीख सकता है। परे हिंदस्तान में कालीन के चार सेंटर हैं। जम्म कश्मीर. जयपुर, भदोही और शाहजहांपुर। जहां कालीन बनती है और सप्लाई होती है। इससे लाखों लोग रोजगार से जुड़े हैं।

ई-हॉस्पिटल सेवा से जुड़ा सदर अस्पताल, पेपरलेस बनने की ओर बढ़े कदम

डिजिटल टेक्नोलॉजी से अब हर मरीज का रहेगा ऑनलाइन रिकॉर्ड

- इनडोर के मरीजों की ऑनलाइन रिपोर्ट देखकर इलाज कर रहे डॉक्टर
- » मरीजों को दी जाने लगी है हर प्रकार के टेस्ट की ऑनलाइन रिपोर्ट
- » इलाज के लिए आ रहे रोगियों का 'आभा' में किया जा रहा रजिस्ट्रेशन
- >> पूरे देश में कहीं भी ऑनलाइन देख सकते हैं मरीजों के ट्रीटमेंट की हिस्ट्री
- » हर बार इलाज के लिए आने पर नहीं लाना होगा डॉक्यूमेंट
- » 200 बेड से शुरू हुए हॉस्पिटल में अब है 665 बेड मरीजों के लिए

VIVEK SHARMA RANCHI: सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सेवा को डिजिटल बनाने की दिशा में एक इन सुपरस्पेशलिटी विभागों में हो रहा इलाज • कार्डियोलॉजी



बड़ी पहल की गई है। अब यहां

आने वाले हर मरीज का रिकॉर्ड

ऑनलाइन रखा जा रहा है। ई-

हॉस्पिटल से जुड़ने के बाद

अस्पताल में ट्रीटमेंट की प्रक्रिया पुरी

तरह तकनीकी रूप से हाईटेक हो

गई है। इससे मरीजों और डॉक्टरों

दोनों को काफी सुविधा मिल रही है।

हर मरीज के इलाज की हिस्ट्री अब

• डेंटल लैब



की संख्या

III

iii 🗐

इलाज के लिए आने वाले मरीजों का पंजीकरण 'आभा' (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट) के जरिए किया जा रहा है। इस डिजिटल हेल्थ आईडी के माध्यम से मरीजों की मेडिकल हिस्ट्री को रखा जा रहा है। इससे डॉक्टरों को इलाज में काफी मदद मिल रही है, क्योंकि वे मरीज की पूरी इलाज की जानकारी

किसी भी समय ऑनलाइन देख

iii

iii

28

मरीजों की फाइल खोजने की जरूरत नहीं : इंडोर मरीजों के लिए खासतौर पर यह व्यवस्था बहुत उपयोगी साबित हो रही है। अब डॉक्टरों को मरीज की फाइल ढूंढने या फिर पुराने टेस्ट रिपोर्ट के लिए परेशान नहीं होना पड़ता। मरीजों की सारी जानकारी अस्पताल के

कंप्यूटर सिस्टम में उपलब्ध होती है

डिजिटलीकरण के साथ–साथ अस्पताल की भौतिक सुविधाओं में भी तेजी से विस्तार

हो रहा है। कभी 200 बेड के साथ शुरू हुआ सदर अस्पताल अब 665 बेड की सुविधा

के साथ प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी जिला अस्पतालों में से एक बन चुका है। मरीजों

की बढ़ती संख्या और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अस्पताल का लगातार

विस्तार किया जा रहा है। मरीजों की संख्या, इलाज, दवाइयों की उपलब्धता, जांच

रिपोर्ट और डॉक्टरों की ड्यूटी सभी कुछ अब एक क्लिक पर उपलब्ध है।

या फिर मोबाइल पर भी उनकी आईडी डालकर टीटमेंट हिस्टी देख रहे हैं। यहां तक कि खून की जांच, एक्स-रे रिपोर्ट भी ऑनलाइन दी जा रही है। जल्द ही सीटी स्कैन और एमआरआई की रिपोर्ट भी अब ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाएगी। इससे न केवल समय की बचत हो रही है, बल्कि इलाज में पारदर्शिता और सटीकता भी बढ़ी है।

डॉक्यूमेंट लेकर चलने

सबसे बड़ी बात यह है कि मरीज

जाकर अपना इलाज करवा सकते

हैं, क्योंकि उनका इलाज रिकॉर्ड

डॉक्टरों को मरीज की बीमारी का

इतिहास जानने में आसानी होती है

और इलाज भी उसी अनुसार तय

ऑनलाइन उपलब्ध है। इससे

अब देश के किसी भी कोने में

की झंझट खत्म

मोरहाबादी का स्टेज ध्वस्त करने पर भाजपा ने उठाए सवाल, सरकार से मांगा जवाब



RANCHI: मोरहाबादी है कि यह निर्णय मैदान स्थित बहुउद्देशीय स्टेज को ध्वस्त किए जाने पर भारतीय जनता पार्टी ने राज्य सरकार को घेरा है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने इस निर्णय को पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की धरोहरों को मिटाने की साजिश करार दिया। प्रतुल ने सवाल किया कि आखिर हेमंत सरकार ने करोड़ों की लागत से बने उस मंच को क्यों गिराया, जिसका उपयोग

ने दो बार शपथ ली थी और स्थानीय कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियां देते थे। सरकार ने नहीं बताया ठोस कारण: उन्होंने आरोप लगाया कि स्टेज को तोड़ने के पीछे सरकार ने

कोई ठोस कारण नहीं बताया है।

गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस

समेत अनेक ऐतिहासिक अवसरों

पर होता आया है। उन्होंने कहा कि

इसी मंच से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है। उन्होंने जानना चाहा कि किन संगठनों ने इस स्टेज को हटाने की मांग की थी और जब इसका उपयोग नियमित रूप से हो रहा था तो फिर ध्वस्त करने का औचित्य क्या है?

अबआ सरकार नहीं. स्मारक विध्वंसक सरकार : प्रवक्ता ने कहा कि एक तरफ राज्य सरकार के विभाग फंड की कमी का रोना रोते हैं, दूसरी तरफ पहले से मौजूद और उपयोगी संरचनाओं को बिना कारण तोड़ा जा रहा है। उन्होंने इसे अबुआ सरकार नहीं, बल्कि स्मारक विध्वंसक सरकार करार पीछे का स्पष्ट कारण सार्वजनिक करे और जवाब दे कि जनता के पैसों से निर्मित धरोहरों को ऐसे

ऐसी शिक्षा ग्रहण करें, जिससे समाज व देश को पहुंचे फायदा : मुफ्ती अनवर

रांची नाला रोड हिंदपीढ़ी स्थित मदरसा फैजुल कुरआन में जलसा-ए-दस्तार बंदी का आयोजन हुआ। जिसकी अध्यक्षता जमीयत उलेमा झारखंड के महासचिव मौलाना असगर मिस्बाही ने की और संचालन मौलाना सुफियान हैदर ने किया। जलसे की शुरूआत झारखंड के मशहूर ताली ए कुरान हजरत कारी सोहेब अहमद के तिलावत कुरान पाक से हुआ। इस दौरान मदरसा फैजुल कुरआन से अपनी हिफ्ज की शिक्षा पूरी कर चुके कुल दस हाफिज-ए-करआन को उलेमा के हाथों पगडी बांधी गयी। जिनमें हाफि ज अहमद सईद. हाफिज सोहराब, हाफिज अब



आमिर, हाफिज साद, हाफिज हम्माद, हाफिज सोहराब तारिक, हाफिज उवैस रजा, हाफिजा हाफिजा कहकशा, हाफिजा अलीशा हैं। जलसा को संबोधित करते हुए रांची इमारत शरिया के काजी ए शरीयत हजरत मौलाना मुफ्ती अनवर कासमी ने कहा कि कुरआन एक मुकम्मल किताब है। हम सबको अपना जीवन कैसे जीना है, यह कुरआन ने

सरकार ने मंईयां सम्मान योजना को बना दिया महिला अपमान योजना : सुदेश

RANCHI: ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा है कि हेमंत सरकार ने 'मंईयां सम्मान योजना' को 'महिला अपमान योजना' बना दिया है। विधानसभा चुनाव के वक्त वोट बटोरने के लिए 56.61 लाख महिलाओं को 'मंईयां सम्मान योजना' के तहत ढाई हजार रुपया दे दिया गया था, लेकिन अब दस्तावेज और नियमों का हवाला देकर पांच लाख महिलाओं का नाम काटा जा रहा है। इससे मातृशक्ति अपमानित महसूस कर रही है। इन महिलाओं के साथ अन्याय क्यों किया

संजय सेंट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों से वार्ता कर निकाला रास्ता

निर्माण अभी चल रहा है। निर्माण

अब एलिवेटेड कॉरिडोर से गुजरेंगी एंबुलेंस

PHOTON NEWS RANCHI: रांची के व्यस्त क्षेत्रों में से एक रात् रोड पर जाम की समस्या से निपटने और मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ की पहल रंग ला रही है। अब रांची में रात रोड से गजरने वाली एंबलेंस सीधे एलिवेटेड कॉरिडोर से होकर गजर सकेंगी, जिससे जाम की समस्या से उन्हें राहत मिलेगी और समय की बचत भी होगी। रातू रोड पर एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, जबिक नीचे सर्विस रोड का

जाम की स्थिति बन जाती है. जिसमें एंबलेंस भी फंस जाती थीं। इस गंभीर समस्या को ध्यान में रखते हुए संजय सेठ ने राष्ट्रीय प्राधिकरण

अधिकारियों से वार्ता कर एलिवेटेड कॉरिडोर से एंबुलेंस को गजरने की अनमति दिलाई। अधिकारियों ने त्वरित सहमति देते हुए यह व्यवस्था लागू कर दी है।

लातेहार, चतरा, गुमला और लोहरदगा जैसे जिलों से रांची आने वाले मरीजों को काफी राहत मिलेगी। अब एंबुलेंस बिना किसी बाधा के सीधे अस्पताल तक पहुंच सकेंगी, जिससे मरीजों की जान बचाना अधिक आसान हो सकेगा। उनके इस पहल की चारों ओर सराहना हो रही है। उन्होंने स्वयं कहा कि एक-एक मिनट कीमती होता है। हमें मरीजों की जान बचाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। यह कदम शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने और आपातकालीन सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है।

जमीअतुल मोमेनीन चौरासी चुनाव शांतिपूर्ण रूप से संपन्न, मोहम्मद मजीद अंसारी बने सदर

जमीअतल मोमेनीन चौरासी चुनाव- 2025 डोरंडा परासटोली ईदगाह मोमिन हॉल में सुबह नौ बजे से वोटिंग शुरू के साथ शांतिपर्ण और पारदर्शी ढंग से हुआ। शाम पांच बजे वोटिंग खत्म होने के बाद छह बजे से मतगणना की प्रक्रिया शुरू हुई। मुख्य चुनाव संयोजक जुनैद आलम ने बताया कि कुल -447 वोट पड़े (60.02%) विजय उम्मीदवार, सदर मो मजीद अंसारी, नायब सदर मो रिजवान, सचिव नूर आलम खजांची पद अरशद जेया विजय रहे. अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव,



सह सचिव और कोषाध्यक्ष पद के लिए पहली बार चुनाव हो रहा है। अध्यक्ष पद पर मो मजीद अंसारी और मो जबीउल्लाह के

सचिव के पद के लिए नूर आलम और मो शमीम चुनाव

मुख्यमंत्री ने नेमरा में दिवंगत जगदीश सोरेन को दी श्रद्धांजलि

कार्य के कारण अक्सर ट्रैफिक

RANCHI: मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन रविवार को सपरिवार रामगढ़ जिला स्थित अपने पैतक गांव नेमरा पहुंचे। मख्यमंत्री वहां अपने पारिवारिक सदस्य जगदीश सोरेन के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मख्यमंत्री अंतिम यात्रा एवं अन्त्येष्टि संस्कार में भी सम्मिलित हुए। उल्लेखनीय है कि दिवंगत जगदीश सोरेन रिश्ते में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के चाचा लगते थे। वे राज्यसभा सांसद दिशोम गरु शिब सोरेन के चचेरे भाई थे।

नरकोपी मकुंदा में झूलन के साथ संपन्न हुई मंडा पूजा, श्रद्धालुओं में दिखी आस्था

बेड़ो प्रखंड के नरकोपी स्थित मकुंदा गांव में रविवार की रात में श्री शिव मंडा पूजा समिति सह त्रिलोकीनाथ महादेव मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में मंडा पुजा का आयोजन श्रद्धा व उत्साह के साथ संपन्न हुई। इस धार्मिक आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूजा-अनुष्ठान का नेतृत्व पुजारी नारायण गिरी व पाट भोक्ता संजय लोहरा ने किया। अनुष्ठान के तहत लोटन सेवा में लगभग 70 शिवभक्तों ने नंगे बदन तपती जमीन पर लोटकर अपनी श्रद्धा प्रकट की। वहीं रात्रि में



अग्निपरीक्षा में श्रद्धालओं ने नंगे पांव दहकते अंगारों पर चलकर भगवान शिव एवं माता पार्वती के प्रति अपनी गहरी आस्था का परिचय दिया। कई श्रद्धालु झूले में झुलकर शक्ति प्रदर्शन करते

नजर आए। मंडा पूजा के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ। छऊ नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति ने श्रद्धालओं को भाव-विभोर कर दिया। रविवार को दिनभर झलन व मेला का आयोजन किया गया।

किशोर न्याय अधिनियम पर राष्ट्रीय परामर्श बैठक का हुआ आयोजन

बच्चों के अधिकारों की रक्षा करता है किशोर न्याय अधिनियम : अन्नपूर्णा देवी

रांची के न्यायिक अकादमी में रविवार को किशोर न्याय अधिनियम और इससे संबंधित कानुनों पर एक दिवसीय विशेष परामर्श बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने की। इस बैठक का उद्देश्य किशोर न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी, संवेदनशील और न्यायपूर्ण बनाने के लिए हितधारकों के बीच संवाद स्थापित करना था। मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने इस अवसर पर कहा कि जब हम हर बच्चे को न्याय,

संरक्षण और सम्मान देते हैं, तभी

एक संवेदनशील और सशक्त

समाज की नींव रखी जाती है।



किशोर न्याय अधिनियम पर विशेष परामर्श बैठक में केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी व अन्य

किशोर न्याय अधिनियम इसी दिशा में एक सशक्त कदम है, जो न केवल बच्चों के अधिकारों की रक्षा करता है, बल्कि उन्हें पुनर्वास एवं पुनर्संवर्धन के माध्यम से गरिमामयी जीवन की ओर अग्रसर करता है। कार्यक्रम में बाल

न्यायालयों के न्यायाधीशों, प्रधान मजिस्ट्रेटों, किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) और चाइल्ड वेलफेयर कमिटी कल्याण (सीडब्लूसी) के सदस्यों, विशेष किशोर पुलिस इकाई (एसजेपीयू) के अधिकारी,

बाल संरक्षण इकाई

(डीसीपीयू) के पदाधिकारी सहित अनेक महत्वपूर्ण हितधारकों की उपस्थिति रही।

विशिष्ट अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति अनुभा रावत चौधरी, न्यायाधीश, झारखंड न्यायालय उपस्थित रहीं। उन्होंने

संवेदनशीलता और उसमें सुधार की संभावनाओं पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में न्यायिक अकादमी के निदेशक राजेश शरण सिंह, संयुक्त निदेशक डॉ. संध्या

मित्रा बारिक ने भी बाल संरक्षण

प्रणाली को सशक्त बनाने के

विभिन्न पहलुओं पर विचार साझा बैठक में उपस्थित सभी विशेषज्ञों और अधिकारियों ने किशोर न्याय प्रणाली की चुनौतियों, सुधारों और भविष्य की दिशा पर उपयोगी संवाद किया। यह परामर्श बैठक बाल अधिकारों की रक्षा और न्यायिक प्रणाली के उन्नयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

साबित होगी।

अजयनाथ शाहदेव की टीम को प्रदेश कांग्रेस ने दी बधाई

RANCHI: जेएससीए के चुनाव में टीम के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अजय शाहदेव उपाध्यक्ष संजय पांडे, सचिव सौरभ तिवारी, कोषाध्यक्ष अमिताभ घोष, संयुक्त सचिव शाहबाज नदीम सहित सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को प्रदेश कांग्रेस की ओर से बधाई दी है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने रविवार को कहा कि युवा जोश से लबरेज नई टीम झारखंड में क्रिकेट के खेल और खिलाड़ियों के विकास में अपने महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर झारखंड क्रिकेट को एक नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि नवनिर्वाचित टीम ने अपने घोषणा पत्र के अनुसार जिस विश्वास को झारखंड के क्रिकेट प्रेमियों के बीच में जगाया है उसके अनुसार काम करते हुए क्रिकेट को एक नया मुकाम देने की कोशिश करेंगे।

श्री राधा-कृष्ण मंदिर में १५०० से अधिक श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया महाप्रसाद

PHOTON NEWS RANCHI: रांची के पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री राधा-कृष्ण मंदिर परिसर में 207वां अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 1500 से अधिक श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से महाप्रसाद ग्रहण किया। इस बार का भंडारा निर्मला गाड़ोदिया, डॉ. रमण कुमार, डॉ. अनुज, अद्वय एवं उनके परिवार के सौजन्य से आयोजित किया गया। दोपहर में मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा विधिवत रूप से भोग अर्पित किया गया। जिसके बाद प्रसाद वितरित किया गया।

भजन संध्या में झुमे भक्त : भोजन के बाद भजन संध्या का आयोजन हुआ। जिसमें ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी और सज्जन पाड़िया ने



भावविभोर कर देने वाले भजनों की प्रस्तुति दी। विशेष आकर्षण रही एक नन्ही बच्ची की मधुर भजन प्रस्तुति, जिसने सभी भक्तों को भावुक कर दिया। इस दौरान सामृहिक महाआरती की गई। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि दिनभर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही और करीब 3000 लोगों ने दर्शन किए। इस आयोजन में ट्रस्ट के अनेक पदाधिकारी, सदस्यगण व बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालू शामिल हुए।

शहरनामा





रहेंगे साथ, दिखेंगे नहीं

अपनी लौहनगरी की राजनीति भी खूब मजेदार है। यहां के दो दिग्गजों में छत्तीस का आंकड़ा जगजाहिर है। पिछले दिनों यह एक बार फिर धरातल पर दिखाई दिया। हुआ यूं कि आलाकमान के हुक्म पर भगवाधारियों ने जुलूस निकाला था। उसमें दिल्ली रिटर्न वाले नेताजी भी थे, तो उत्कल पलट वाले नेताजी भी शामिल हए। कहने को दोनों आलाकमान के आदेश पर एक ही यात्रा में शामिल हुए, लेकिन एक साथ नहीं दिखे। अलग-अलग टाइम में दोनों नेताजी अपने-अपने समर्थकों के साथ झंडा लिए हुए दिखे। पत्रकार इस बात के लिए तरसते रह गए कि एक फ्रेम में दोनों नेताओं को कैद किया जाए, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। दोनों की टाइमिंग और स्थान मैच नहीं हो सकी। इससे पहले भी एक-दो बार ऐसा हो चुका है, जिसमें दोनों नेता शामिल तो हुए थे, लेकिन कैमरे के फ्रेम में एक साथ कभी कैद नहीं हो सके थे।

खिसियानी बिल्ली कौन

कहावत है, खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे। यह बात यहां की राजनीति में खूब समाई हुई है। आमतौर पर जब एक-दूसरे से खुन्नस मिटानी होती है, तो कुछ इसी तरह का काम किया जाता है, जिससे ज्यादा बवाल भी न हो और अगला समझ भी जाए कि सचेत रहना है। ऐसा ही एक-दो वाकया हाल में हुआ,

तो भतीजे की फूड फैक्ट्री वाली जगह पर महलनुमा ढांचा बनवा दिया गया। अब जब वह बिना उपयोग के जर्जर होने लगा तो उसे चालु कराने की मांग होने लगी। इसी तरह टेंडर को लेकर चाचा-भतीजा के लोग भिड़ गए। दोनों ने एक-दूसरे पर संगीन आरोप लगाए, लेकिन इससे ज्यादा बात आगे नहीं बढ़ सकी। कुल मिलाकर मामला रफा-दफा ही समझिए। इसी तरह की घटनाएं तब भी होती थीं, जब चाचा पुरवइया हवा बहाते थे। वहां भी चाचा का खूब जलवा था।

टाइगर की दहाड

पिछले महापर्व में राज्य के निवासियों को एक से बढ़ कर एक थ्रिलर फिल्म देखने को मिली थी। भूतो न भविष्यति... की तर्ज पर टाइगर को लोगों ने जंगल से पिंजड़े में कैद होते हुए देखा। उस समय भी लोगों ने इस निर्णय पर तरह-तरह की चर्चा करनी शुरू की थी, तो अब भी जब-जब टाइगर की दहाड़ गुंजती है, तो लोग वही बात अब भी दोहराते हैं। जानकार कहते हैं कि मैंने कहा था न, कि जंगल का टाइगर पिंजड़े में कैद हो गया है। सेना की शान में इतनी बड़ी भगवा यात्रा निकली, लेकिन टाइगर नहीं दिखे। इससे पहले भी उन्हें राज्य का बडा नेता बनाने का आश्वासन मिला था, लेकिन वह कुर्सी भी पुराने वाले बाबू ले गए। अब बेचारे को सोते-जागते घसपैठिए सताते रहते हैं। उन्हें इस बात से चैन मिली है कि सरकार घुसपैठिए को भगाने के लिए टीम बनाने जा रही है।

किसान अब क्या उगाएं

लौहनगरी के लिए समर्पित इस जिले में जब-तब किसानों को समृद्ध बनाने के लिए नई-नई स्कीम लाई जाती है। पहले तो जोर-शोर से इसका प्रचार-प्रसार किया जाता है, लेकिन कुछ दिनों बाद वह योजना गधे की सींग बनकर गायब जाती है। ज्यादा पुरानी बात नहीं है, जब लेमनग्रास उगाकर किसानों को मालामाल बनाने की स्कीम आई थी। यह बंजर जमीन पर उग जाती है। पानी पटाने की आवश्यकता नहीं है और इसका तेल हजारों रुपये गैलन बिकता है। घास उगाए भी गए, लेकिन प्रोसेसिंग प्लांट ही खटाई में पड़ गया। इसके बाद बांस शिल्प से समृद्धि लाने की योजना आई, लेकिन पता नहीं, वह भी कहां गुम हो गई। अब नई योजना आम वाली है, जो सीजन समाप्त होते ही गायब हो जाएगी। कहा गया कि यहां का आम अल्फांसो को भी टक्कर देगा, विदेश तक ललचाएगा। देखना है कि अगले सीजन में क्या होता है।

हाता में हुए पेट्रोल पंप लूटकांड का खुलासा

अंतरराज्यीय गिरोह का सरगना हुआ गिरफ्तार



मामले की जानकारी देते एसएसपी किशोर कौशल

PHOTON NEWS JSR:

पोटका थाना क्षेत्र स्थित हाता चौक के एचपी पेट्रोल पंप पर 6 मई को हई 25,000 रुपये की लूट की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। रविवार को पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले का खुलासा किया। इस लटकांड को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के सरगना फिरोज अंसारी उर्फ जल्ला फिरोज को गिरफ्तार कर लिया गया है। वह सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली का रहने वाला

है। गिरफ्तारी के वक्त पुलिस ने जल्ला फिरोज के पास से एक देसी तमंचा और दो कारतस बरामद किए हैं। पूछताछ में उसने कबुल किया कि इस घटना को उसके साथियों शारिक शाह और अफजाल अंसारी के मिलकर अंजाम दिया था।

इस मामले में ओडिशा की रायरंगपुर थाना की पुलिस ने अफजाल अंसारी को गिरफ्तार किया है। एसएसपी किशोर कौशल

अबुआ आवास के दो खाता धारकों से ठगों ने उड़ाए ७५ हजार रूपये

GHATSILA : साइबर अपराधियों की नजर अब अबुआ आवास के खाताधारकों पर लग गई है। अपराधियों ने दो महिलाओं के खाते से 74 हजार 900 रुपये उड़ा लिए हैं। आवास निर्माण के लिए खाताधारक जब पैसा निकालने बैंक गईं तो खाते से पैसे की निकासी की जानकारी मिलने पर उनके होश उड़ गए। घाटशिला थाना क्षेत्र के मुड़ाकाटी निवासी रामचंद्र हांसदा की पत्नी रुक्मिणी हांसदा के हुलूंग स्थित बैंक आफ बड़ौदा के खाते से 11 अप्रैल से 16 अप्रैल के बीच 10 हजार रुपये करके चार बार में 40 हजार रुपये की निकासी कर ली गई, जबकि इसी गांव की चंपा हांसदा के खाते से 5 अप्रैल से 8 अप्रैल के बीच चार बार में 34 हजार 900 रुपये की निकासी की गई है। दोनों भुक्तभोगियों ने शाखा प्रबंधक को आवेदन देकर धोखाधड़ी की जानकारी दी। इन महिलाओं ने बताया कि उनका आवास स्वीकृति मिलने के बाद खाते में पैसे आए थे। जब वे निकासी करने पहुंचीं तो बताया गया कि उनके पैसे की निकासी पहले ही हो चुकी है।

रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। तीसरा आरोपी शारिक शाह अभी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार जल्ला फिरोज के

ओडिशा में लूट और आपराधिक वारदातों के कुल आठ मामले दर्ज हैं। वह सरायकेला और जमशेदपुर समेत कई क्षेत्रों में सक्रिय था और अपने गिरोह के साथ मिलकर पेट्रोल पंप, हाईवे और सुनसान

समाचार सार आम के पेड से गिर कर व्यक्ति की मौत

CHAKRADHARPUR: आम तोड़ने के लिए चढ़े व्यक्ति की पेड़ से गिर कर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, चक्रधरपुर शहर के वार्ड



निवासी दीनू गोप (45) आम तोड़ने के लिए वार्ड संख्या-3, हरिजन बस्ती के

आम तोड़ रहा था। तभी अनियंत्रित होकर जमीन पर गिर पड़ा। पेड़ से गिरने पर उसके सीने में गंभीर चोटें आईं। बबलू लोहार ने दीनू को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने दीनू गोप को मृत घोषित कर दिया। बबलू लोहार ने बताया कि दीनू गोप गांव के तीन बच्चों को लेकर आम तोड़ने उनके घर आया था। पेड़ से गिरते ही वह

मंडल कारा में लगी जेल अदालत, 6 मामले निष्पादित

CHAIBASA: झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मौहम्मद शाकिर के स्थान : प्रमण्डल कारा, चाईबासा मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार.



पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा के तत्वावधान में रविवार को मंडल कारा में जेल अदालत लगी। प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी ने बताया कि इसमें न्यायिक दंडाधिकारी मंजीत कुमार साह की बेंच में प्रस्तुत

मामलों में छह मामलों का निष्पादन किया गया। इस दौरान बंदियों के बीच स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया था। इस दौरान जेल अधीक्षक सुनील कुमार भी उपस्थित थे।

सोलर जलमीनार का हुआ शिलान्यास



स्थित बाड़ेडीह तथा आसना पंचायत के छोटाधादिका गांव में सोलर जलमीनार के निर्माण कार्य का शिलान्यास रविवार को किया गया। यह कार्य पंचायत समिति मद से 15वें वित्त आयोग के तहत

किया जा रहा है। शिलान्यास प्रखंड प्रमुख सुशीला टुडू एवं उपप्रमुख गोपाल कष्ण अग्रवाल ने संयक्त रूप से किया। करीब 10 लाख की लागत से दोनों गांव में सोलर जलमीनार की स्थापना की जा रही है।

बिमलगढ के आरपीएफ प्रभारी निलंबित

CHAKRADHARPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे अंतर्गत चक्रधरपुर रेल मंडल में बिमलगढ़ के आरपीएफ प्रभारी दिलीप कुमार सिंह को रेलवे ने निलंबित कर दिया है। चक्रधरपुर रेल मंडल के सीनियर डीएससी पी. शंकर कुट्टी ने इस आशय का पत्र जारी किया है। उल्लेखनीय है कि 8 मई को बिमलगढ़ में कार्यरत आरपीएफ कांस्टेबल शंभू प्रसाद सिंह को भुवनेश्वर की सीबीआई टीम ने 12 हजार रुपये रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया था। इस घटना में सीबीआई ने दिलीप कुमार सिंह के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। इसके बाद से इंस्पेक्प्टर दिलीप कुमार सिंह करीब 12 दिन से लापता हैं। इस घटना में बिमलगढ़ आरपीएफ के एक सब-इंस्पेक्टर की भूमिका भी संदेह के घेरे में है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक घायल

JAMSHEDPUR: साकची थाना क्षेत्र के स्ट्रेटमाइल रोड पर प्रीति मेडिकल के सामने एक अज्ञात वाहन ने एक युवक को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। घायल युवक की पहचान निपुण देसाई के रूप में हुई है। हादसे के बाद निपुण ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस रविवार को पूरे मामले की जांच में सिक्रय रही।

साकची गुरुद्वारा चुनाव में उतरे निशान सिंह

JAMSHEDPUR: साकची गुरुद्वारा के प्रधान पद को लेकर चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। चुनाव की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो चुकी है और उम्मीदवारों ने प्रचार में पूरी ताकत



झोंक दी है। वर्तमान प्रधान निशान सिंह ने अपने तीन साल के कार्यकाल की उपलब्धियों को लेकर संगत के बीच जाकर प्रचार करने

का एलान किया है। इसी क्रम में रविवार को साकची में प्रेस वार्ता के दौरान गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के वर्तमान प्रधान निशान सिंह ने अपने कार्यकाल का लेखा-जोखा मीडिया के सामने प्रस्तुत किया। उनके साथ गुरुद्वारा के महासचिव परमजीत सिंह काले और कोषाध्यक्ष जसवीर सिंह गांधी भी मौजूद थे। इस मौके पर उन्होंने बताया कि मौजूदा कमेटी ने अपने तीन साल के कार्यकाल में संगत से किए गए वादों से बढ़कर काम किया है।

एनएच-१८ पर कंटेनर में लग गई आग, बड़ा खतरा टला

GHATSILA: पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला थाना क्षेत्र में पावड़ा स्थित पुराना पेट्रोल के समीप एनएच-18 पर रविवार को कंटेनर में आग लग गई। बताया जा रहा है कि कंटेनर जमशेदपुर से यूरिया लेकर चेन्नई जा रहा था। चालक गोरा चंद्र ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण कंटेनर में आग लगी थी। चालक ने गाड़ी में लगी आग को बुझाने में स्थानीय लोगों की मदद ली। स्थानीय लोगों ने अपने घरों से पानी लाकर आग बुझाई। घटना की सूचना मिलते हैं घाटशिला थाना की पुलिस भी पहुंची। चालक ने बताया कि 200 बाल्टी यूरिया कंटेनर में लोड था।



घटनास्थल पर खडा वाहन

यदि यूरिया में किसी तरह आग पकड़ लेती तो बड़ी घटना हो सकती थी। बता दें कि बीएस-6 इंजन वाली नई गाड़ियों में प्रदुषण रोकने के लिए यूरिया का इस्तेमाल

झारखंड के दो सांसदों को मिलेगा संसद रत पुरस्कार



JAMSHEDPUR : झारखंड के 2 सांसदों को संसद रत्न पुरस्कार–2025 के लिए चुना गया है। इनमें जमशेदपुर के सांसद बिद्युत बरण महतो व गोड्डा के सांसद डॉ. निशिकांत दुबे समेत देश के 17 सांसदों को इस पुरस्कार के लिए चुना गया है । बिद्युत बरण महतो लगातार तीसरी बार संसद रत्न पुरस्कार के लिए चुने गए हैं। जमशेदपुर लोकसभा सीट से लगातार तीन बार चुनाव जीतने का रिकॉर्ड भी बिद्युत बरण महतो के नाम पर है। यह पुरस्कार सांसदों के गैर सरकारी विधेयक लाने, संसद में सवाल पछने, बहसों में हिस्सा लेने समेत कई अन्य कार्यों के आधार पर दिया जाता है।

सारंडा में नक्सली डंप से बरामद हुए आईईडी, गोली, डेटोनेटर व जिलेटिन





नक्सली डंप से निकाले गए विस्फोटक

टोन्टो थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में चाईबासा पुलिस के साथ कोबरा, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ की कई बटालियन शामिल हैं। अभियान में यह शामिल : चाईबासा पुलिस, कोबरा 203 ,209 बटालियन, झारखंड जगुआर एवं सीआरपीएफ 26, 60, 134, 174, 193 व 197 बटालियन का संयक्त अभियान दल लगातार छापेमारी अभियान संचालित किया जा रहा है।

ग्रामीण मुंडा की हत्या मामले में दो गिरफ्तार

एक आरोपी ने कहा-चाचा की हत्या का लिया बदला, पुलिस ने बरामद किए हथियार

पश्चिमी सिंहभम जिला पलिस ने खंटपानी के बासाहातु गांव में ग्रामीण मुंडा मंजीत हाईबुरु हत्याकांड का मामला एक सप्ताह में सुलझा लिया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। घटना के संबंध में चाईबासा के एसडीपीओ बहामन टुटी ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी आशुतोष शेखर द्वारा त्वरित कार्रवाई के लिए टीम का गठन किया गया। टीम ने कांड का उद्भेदन करते हुए पांड्राशाली ओपी अंतर्गत साठ-दोपाई गांव निवासी 30 वर्ष गंगाराम तियु और मुफस्सिल थाना अंतर्गत सुपलसाई गांव निवासी 35 वर्ष नागुरी तियु को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। आरोपियों की निशानदेही पर पिस्टल, दो खोखा व चाकू भी बरामद किया गया है। पुलिस की पुछताछ में आरोपी गंगाराम तियु ने बताया कि जनवरी में उसके चाचा बागुन तियु की सडक दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। उस समय मैं बेंगलुरु में काम कर रहा था। घटना की जानकारी मिलने पर वह गांव आया और आसपास के लोगों से



मामले की जानकारी देते एसडीपीओ बहामन टूटी घटना के बारे में पता किया। उसे जानकारी मिली कि बागुन तियु की मृत्यु को सड़क दुर्घटना का रूप दिया गया है, जबिक उसकी हत्या की गई है। इसमें बासाहातु के ग्रामीण मुंडा मंजित हाईबुरु का मुख्य रूप से हाथ है, क्योंकि इनके जमीन एवं रास्ते के विवाद के संबंध में ग्रामीण मुंडा विपक्ष के लोगों का साथ दे रहा था। इसी प्रतिशोध में मैंने अपनी सुरक्षा और अपने चाचा की हत्या कराने में शामिल मंजीत हाईबुरू की हत्या करने के उद्देश्य से अपनी चाची नागुरी तियु की मदद से पिस्टल और चाकू खरीदा। पिस्टल लोड कर अपने साथ हमेशा रखने लगा। इसके बाद 11 मई को रात में अपने गांव के दोस्तों के साथ बियर पीने के क्रम में ज्ञात हुआ कि साथ बैठे लोगों में ग्रामीण मुंडा मंजीत भी है। बियर पीने के बाद दोस्तों के साथ मंजीत को अपने गांव बासाहात बीच सड़क पर पलटा वाहन व लगी भीड़ छोड़ने के क्रम में ग्राम गम्हरिया के पास पहले पिस्टल से उसके कान के पास सटाकर फायर किया। अपने सभी दोस्त के इधर-उधर चले जाने के बाद वह पुनः अपने भाई सनातन तियु के साथ यह पक्का करने के लिए घटनास्थल पर गया कि मंजीत जिंदा है कि मर गया। उसे अब भी जिंदा पाकर पिस्टल से दो बार और फायर किया। लेकिन, पिस्टल में गोली फंस जाने के कारण मंजीत नहीं मरा। इसके बाद फिर से अपने भाई के साथ घर वापस आकर पहले से रखे गए चाक एवं ग्लब्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर जिंदा पाकर ग्लब्स पहनकर चाकू से गला रेतकर हत्या कर दिया एवं घटना में प्रयुक्त सामानों को अन्यत्र छुपा दिया। चाईबासा के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पांड्राशाली ओपी अंतर्गत ग्राम गम्हरिया के समीप बासाहात के ग्रामीण मंडा मंजीत हाईबरू की अज्ञात अपराधकर्मियों ने गला रेतकर हत्या कर दी थी। घटना के संबंध में मृतक के भाई शेखर हाईबुरू द्वारा अज्ञात अपराधकर्मी के विरुद्ध कांड



सेरेंगसिया घाटी में ट्रेलर पलटा आट घंटे तक जाम रही सड़क

CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत जगन्नाथपुर अनुमंडल क्षेत्र में रिववार को सुबह करीब साढ़े छह बजे सेरेंगसिया घाटी में एक ट्रेलर पलट गया, जिसके कारण चाईबासा-जगन्नाथपुर मार्ग करीब आठ घंटे तक जाम रहा। सड़क जाम भी ऐसा कि लोग पैदल भी नहीं निकल पा रहे थे। बताया जाता है कि ट्रेलर सेरेंगसिया होते हुए जगन्नाथपुर से नोवामंडी होते हुए चाईबासा जा रहा था। खराब सडक होने के कारण टेलर पलट जाने के कारण सडक जाम हो गया। जानकारी के अनसार. पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा सेरेंगसिया होते हुए जगन्नाथपुर की ओर जाने वाली सडक पर पथ निर्माण विभाग द्वारा भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगा दिया गया है। उसके बावजद इस सडक पर खुलेआम भारी वाहन दौड़ते हैं, जबकि गितिलिपि चेकनाका पर पुलिस के जवान तैनात रहते हैं। वे इस मार्ग से आने-जाने वाले भारी वाहनों के परिचालन पर रोक नहीं लगाते हैं। इस कारण से चाईबासा से सेरेगसिंया होकर जगन्नाथपुर की ओर आने वाले भारी वाहन आए दिन चढ़ाई चढ़ने के क्रम में दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं, जिससे घंटों सड़क जाम रहता है।

हाथों में सिंदूर का कलश लेकर विधायक पूर्णिमा साहू ने की यात्रा की अगुवाई, सिंदूर लगाकर नारी शक्ति ने एकजुटता का दिया संदेश

सिंद्रर यात्रा' में हजारों महिलाओं ने नारी सम्मान का किया जयघोष

पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने पहलगाम में 22 अप्रैल को देश की बहनों के माथे से सिंदुर मिटाने का दुस्साहस किया, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ संकल्प में देश की सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से आतंकियों को उनके ही घर में घुसकर मिट्टी में मिलाया। सेना की इसी वीरता का उद्घोष करने, बहनों के सिंदूर का सम्मान पुनः स्थापित करने तथा आतंकी घटना के पीड़ित बहनों को संबल देने के उद्देश्य से जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साह के नेतृत्व में रविवार को ह्यसिंदुर यात्रा' का आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्र की हजारों माताओं-बहनों ने हाथों में सिंदूर और तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस यात्रा में विधायक पूर्णिमा साह ने



सिंदूर यात्रा में शामिल महिलाएं

भी भाग लिया और मिट्टी के कलश में सिंदुर लेकर यात्रा की अगुवाई की। 'सिंदूर यात्रा' गोलमुरी के जॉगर्स पार्क से प्रारंभ होकर गोलमुरी चौक, श्रीहनुमान मंदिर चौक, फूड प्लाजा के रास्ते

• फोटोन न्यूज गोलमुरी पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक पर पहुंचकर समाप्त हुई।

नमन किया। यात्रा में देशभक्ति गीतों के संग सैनिकों की वीरता शहीद स्मारक पर विधायक पूर्णिमा और देशभक्ति को समर्पित नारों के साहु समेत अन्य महिलाओं ने साथ पाकिस्तान के खिलाफ नारे शहीद वीर सपुतों के बलिदान को गुंजायमान रहे। वहीं, महिलाओं ने स्मरण कर श्रद्धासुमन अर्पित कर एक-दूसरे को सिंदुर लगाकर संदेश

के लिए आगे आने से पीछे नहीं हटेंगी। दिया कि नारी शक्ति देश की सुरक्षा और एकजुट हैं।

इस अवसर पर विधायक पूर्णिमा साहू ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के

लिए भारतीय सेना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। कहा कि

'ऑपरेशन सिंदूर' के सम्मान में मातृशक्ति की ओर से सिंदूर यात्रा निकाली गई

प्रति आभार प्रकट करना है। कहा कि हम चाहते हैं कि वीर जवानों के माथे पर

है। इस यात्रा का उद्देश्य हमारे सुहाग की रक्षा करनेवाले जांबाज सैनिकों के

सिंदूर का तिलक लगाएं और देश की रक्षा और उनके संघर्ष के लिए उनका

शुक्रिया अदा करें। उन्होंने कहा कि सिंदूर को मिटाने का अंजाम क्या हो

संकता है उसे पाकिस्तान और उसके पालतु आतंकियों ने देखा। बहनों की

में हजारों माताओं–बहनों ने संदेश दिया कि वे सेना और आतंकी हमले की

पीड़ित बहनों के साथ खड़ी हैं। पूर्णिमा साहू ने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो

इस देश की नारियां भी घरों से निकलकर हाथों में शस्त्र उढाकर देश की रक्षा

सिंदूर को मिटाने की कोशिश करने वालों को हमारे सैनिकों ने दिखा दिया कि सिंदर की रक्षा करने के लिए भारत किस हद तक जा सकता है। सिंदूर यात्रा

और गरिमा के लिए हमेशा सजग

ये भी हुई शामिल : यात्रा में राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष कल्याणी शरण, जिला परिषद की

सदस्य कुसुम पूर्ति, भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष नीलू मछुआ, सुधा यादव, उर्मिला दास, बिमला साहू, संजना साहू, रूपा देवी, शीलू साहू, मधु तांती, रूबी झा, रेण शर्मा, लकी सिंह राजपूत, रीना चौधरी, कैलाशपित मिश्रा, मीनू देवी, मीरा साहू, सोनिया साहू, सरस्वती साहू, दशमी पूर्ति, मिस्टू सोना, मीणा सिन्हा, ममता भूमिज, लक्की कौर, रानी ठाकुर, मिली सिंह, लीना चौधरी, मीरा झा, पद्मा देवी, भारती देवी, गौरी कर. प्रेमलता प्रसाद, सोमना राय, मुनमुन भट्टाचार्य, दुर्गा सेनापति, आरती ओझा, संजुला देवी, सिन्नी सोय, सुकुरमुनि हेम्ब्रम, सीता हेम्ब्रम, कपुरा होनादा, कपुर्रा सुंडी, रीना मुखी, पूनम मुखी, बबिता मुखी, सीमा मुखी समेत हजारों महिलाएं मौजूद रहीं।

O BRIEF NEWS केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पीएम को लिखा पत्र, बुनकरों में हर्ष

BHAGALPUR : केंद्रीय मंत्री सह लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने भागलपुर में पीएम मित्र योजना के तहत मेगा टेक्सटाइल पार्क की स्थापना किए जाने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने भागलपुर में इसकी स्थापना किए जाने को लेकर तर्क भी दिए हैं। इसको लेकर लोक जनशक्ति पार्टी भागलपुर इकाई के जिला अध्यक्ष सुबोध पासवान सहित अन्य ने रविवार को एक प्रेस वार्ता के दौरन चिराग पासवान को बधाई दी है। सुबोध पासवान ने कहा कि बुनकर की चिंताओं को लेकर चिराग पासवान ने जो यह पत्र लिखा है। इससे भागलपुर के बुनकरों में काफी उल्लास है। उन्होंने कहा कि बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट एक डॉक्यूमेंट है।

विधायक ने जलापूर्ति निर्माण योजना का किया उद्घाटन

BHAGALPUR: भागलपुर के विधायक अजीत शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजनान्तर्गत अपनी अनुशंसा पर 8.02.000 रुपए की लागत से निर्मित वार्ड संख्या 40 अंतर्गत शाहबाज नगर में मॉडर्न पब्लिक स्कूल के पास जलापूर्ति निर्माण योजना का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधायक शर्मा ने कहा कि इस मुहल्ले के निवासियों ने मुझे पेयजल की गंभीर समस्या से अवगत कराया था। मुहल्लेवासियों के अनुरोध पर इन लोगों के व्यापक हित में मैंने इस प्याउ का निर्माण करवाया है, ताकि मुहल्लेवासियों को पर्याप्त मात्रा में पेयजल की सुविधा मिल सके तथा भविष्य में भी इनकी समस्याओं को दूर करने के लिए मेरा प्रयास जारी रहेगा। मुहल्लेवासियों ने भी विधायक शर्मा का स्वागत किया एवं उनके प्रति अपना आभार

कटिहार में भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री का जोरदार स्वागत

KATIHAR: भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी और प्रदेश महामंत्री मिथिलेश कमार तिवारी का रविवार को कटिहार रेलवे स्टेशन पर जोरदार स्वागत किया गया। के नेतृत्व में पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने अंग वस्त्र और पुष्प देकर उनका स्वागत किया। नागेंद्र नाथ त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा की शक्ति उसके निष्ठावान और मेहनती कार्यकताओं के परिश्रम से ही आती है। उन्होंने कार्यकताओं का धन्यवाद देते हुए कहा कि वह हमेशा अपने कार्यकर्ता साथियों के साथ खड़े हैं। कार्यकताओं का जोश और उत्साह चरम पर था। इस मौके पर प्राणपुर विधायक निशा सिंह, जिला महामंत्री गोविंद अधिकारी और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। स्वागत समारोह में सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए। नागेंद्र नाथ त्रिपाठी ने कहा कि कार्यकताओं के समर्पण और जोश ने भाजपा को देश का सबसे मजबृत संगठन बनाया है।

नवादा में तीन, अरिया में दो व भागलपुर में दो की सड़क दुर्घटना में गई जान

बिहार के तीन जिलों में वाहनों की टक्कर से सात की मौत, 8 घायलों का चल रहा इलाज

जिले के नगर थाने के ककोनिया पर रविवार को एक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें ग्रामीणों के सहयोग से पावापुरी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। नवादा जिले के नरहट थाना के छोटी पाली निवासी पूर्व उप मुखिया पंकज चंद्रवंशी,नथ्यू चंद्रवंशी और कारू चंद्रवंशी की बारात से वापसी के क्रम में सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी है। भाई दुर्गा चंद्रवंशी और जयनंदन चन्द्रवंशी गंभीर रूप से घायल हैं। जिनका पावापुरी अस्पताल में इलाज केलिए भेज गया।वे लोग जिले के रुपौ थाना अंतर्गत धनवां गांव से बारात से वापस हो रहे थे। नवादा जमुई पथ पर कादिरगंज के कोनिया मोड़ के समीप उनकी गाडी को किसी ट्रक ने सीधी टक्कर मार दिया। जिस कारण गाड़ी चकनाचूर होकर सड़क के किनारे लढक गई। घायल के परिजनों ने जिला प्रशासन से इलाज में हर समय मदद का आग्रह किया है करने वाले गरीब परिवार के लोग बताई जा रहे हैं।



बाइक के आमने-सामने की टक्कर में दो की मौत, दो घायल

ARARIA : जिले के खवासपुर- कुसार्काटा रोड में रविवार को सौरगांव के समीप दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर में दो बाइक सवार की मौत हो गई। जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। मृतकों में कुसार्कीटा के बखरी के रहने वाले 45 वर्षीय अशोक यादव पिता स्वर्गीय बहादुर यादव और दूसरा ताराबाडी थाना क्षेत्र के झमटा गांव के 48 वर्षीय मो. रउफ उम्र पिता मो. नजीर है।वहीं घायलों में पाताशू मियां पिता मोहम्मद तसलीम, कुसार्कीटा एवं मोहम्मद बेचन पिता हलीम झमटा वार्ड संख्या ०१, ताराबाड़ी का है। घायल पाताशू को बेहतर इलाज के लिए नेपाल रेफर किया गया है, जिसकी स्थिति

बारिश की आशंका से बचने के लिए तेज गति से आमने-सामने आ रही बाइक के संतुलन खोने से दोनों आपस में टकरा गए। घटना की सूचना पर सिमराहा थाना के दरोगा मनीष कुमार एवं मदन कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से सभी को अस्पताल भिजवाया। मामले की पृष्टि करते हुए सिमराहा थाना अध्यक्ष प्रेम भारती ने बताया कि खवासपुर –कुसार्काटा रोड में सौरगांव के पास दो बाइक के आमने-सामने की टक्कर में दो बाइक सवार की मौत हुई है। जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।सभी को अस्पताल पहुंचाया गया है। जबिक अस्पताल से दोनों घायलों को बेहतर

बाइक और कार की टक्कर में दो की मौत, तीन घायल

BHAGALPUR: जिले में कजरैली थाना क्षेत्र के लक्ष्मीनियां पुल के पास बीती देर रात बाइक और स्कार्पियो की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस घटना में बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि स्कार्पियो में सवार तीन लोग घायल हो गए। मतकों की पहचान अनीश कमार (27 वर्ष), ग्राम तेघड़ा, रनगांव, जिला मुंगेर तथा दशरथ सिंह (55 वर्ष), ग्राम महेशलेटी, चारा बड़गांव, थाना सजौर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दशरथ सिंह, अनीश के फूफा थे। आज छुट्टी होने के कारण दोनों एक साथ मोटरसाइकिल से दशरथ सिंह के घर जा रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ। अनीश कृषि सामग्री की खरीद–बिक्री से जुड़े थे। जबकि दशरथ सिंह भागलपुर स्टेशन के पास एक वस्त्र स्टॉल पर काम करते थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अमरपुर-भागलपुर

मख्य मार्ग पर बाइक और स्कार्पियो आमने-सामने आ गए। टॅक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दोनों व्यक्ति सड़क से काफी दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। वहीं, स्कार्पियो ने तीन पलटी खाई और उसमें सवार लोग भी घायल हो गए। स्कार्पियो कजरैली क्षेत्र की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही कजरैर्ल थाना अध्यक्ष जितेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए मायागंज अस्पताल भेजा। दोनों मतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए जेएलएनएमसीएच भेजा गया है। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है। घटना की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजन जेएलएनएमसीएच अस्पताल पहुंच गए। घर में मातम पसरा हुआ है और परिजन गहरे सदर्म में हैं।

दो वाहनों के आमने सामने की टक्कर में चालक गंभीर रूप से घायल

BHAGALPUR : पुलिस जिला नवगछिया के गोपालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच–31 पर हनुमान मंदिर के समीप रविवार को दूध वाली लॉरी और ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसा इतना भयानक था कि दूध की गाड़ी के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। इस घटना में लॉरी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल चालक की पहचान राम नरेश मिश्रा (उम्र ३५ वर्ष), निवासी बख्तियारपुर, थाना बख्तियारपुर, जिला पटना के रूप में की गई है घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने गंभीर रूप से घायल चालक को तुरंत नवगेछिया अनुमंडलीय अस्पताल पहुँचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो गई। जिसे बाद में पुलिस और स्थानीय लोगों के सहयोग से हटाया गया। इस घटना से स्थानीय क्षेत्र में दहशत का माहौल ।है लोग लगातार बढ़ते सड़क हादसों को लेकर चिंतित हैं। प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि हाईवे पर ट्रैफिक नियमों की सख्ती से पालन हो तथा ओवरलोड और तेज रफ्तार गाडियों पर निगरानी रखी जाए।

आरसीपी सिंह ने अपनी पार्टी का जनसुराज में किया विलय

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी बदलने और पार्टी के विलय करने का सिलसिल शुरू हो गया है। इस सिलसिल में रविवार को जदयू से अलग होकर आरसीपी सिंह ने अपनी बनायी पार्टी आसा का विलय प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज में कर दिया। पत्रकार सम्मेलन का आयोजन कर दोनों पार्टियों के प्रमुख ने आज पटना में विलय की जानकारी दी और दोनों नेताओं ने जदयु और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जोरदार हमला बोला।

प्रशांत किशोर ने आरसीपी सिंह के जनसुराज संग आने को नीतीश कुमार के खिलाफ एक मजबूत गठजोड बताते हुए कहा कि 'कमजोर नीतीश कुमार को गिद्ध की तरह नोचा जा रहा है'।जदयू में जो लोग खुद को नेतृत्वकर्ता कहते हैं, वे नीतीश कुमार को कितना सहयोग करते थे, यह सबको पता है। पीके ने बिना किसी का नाम



कुमार की सरकार में शामिल कुछ मंत्री 'वसुली मंत्री' हैं। प्रशांत किशोर ने जदयू के लोगों से अपील की है कि जदयू डूबता हुआ नाव है और वे जल्दी से जदयू को छोडकर जनसराज के साथ आ जाएं क्योंकि नीतीश कुमार की स्थिति पहले जैसे नहीं है। प्रशांत किशोर ने कहा कि जदयू के जो पांच नेता हैं, जिन्होंने पार्टी को हाईजैक किया है उनसे जाकर पुछिए कि उनकी जनता में क्या पैठ

उन्होंने कहा कि आरसीपी सिंह का काम करने का जो अनुभव है, बिहार में ऐसे बहुत कम लोग हैं। आरसीपी सिंह आईएएस ऑफिसर रह चके हैं। मैं जानता हं कि अगर सबसे

लोग अभी कहां होते।

समझदार कार्यकर्ता किसी दल में हैं तो वह जनता दल युनाइटेड में हैं। जन सुराज में समाजवाद को जिंदा

पुरा होने वाला है। रविवार है, सूर्य भगवान का दिन है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं अपनी पार्टी का विलय करूंगा, लेकिन यह

लिए तैयार हैं। महागठबंधन की सरकार के वक्त जैसी मेहनत की गई थी, अब फिर

जीविका को सहकारी बैंक के रूप में स्थापित करने पर दीदियों ने सरकार का जताया आमार

को सहकारी बैंक के रूप में स्थापित करने के बिहार सरकार के निर्णय पर जीविका दीदियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति अपना आभार प्रकट किया है। रविवार को महिला संवाद कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने कहा कि जीविका को बैंक के रूप में देखने का उनका सपना अब

कार्यक्रम में 8128 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया और आकांक्षाओं को साझा किया। महिलाओं ने रोजगार, स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा और जीविका हाट की मांग की। कार्यक्रम में सरकार की योजनाओं से लाभान्वित महिलाओं ने अपनी सफलता की कहानियां भी साझा कीं।

महिला संवाद कार्यक्रम महिलाओं के लिए एक सशक्त मंच साबित हो रहा है, जहां वे अपनी बातें रख



का समाधान पा सकती हैं। कार्यक्रम में महिलाओं को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जा रही है और उनकी समस्याओं का संकलन किया जा रहा है, जिसे जिला स्तर और राज्य स्तर पर

महिलाओं ने जीविका भवन, बैंक ऋण के ब्याज दर में कमी और उच्च विद्यालय खोलने की मांग की। कार्यक्रम में लीफलेट और मुख्यमंत्री का सन्देश पत्र बांटा गया। महिला संवाद कार्यक्रम न सिर्फ महिलाओं की अभिव्यक्ति का माध्यम बन रहा है, बल्कि यह महिलाओं के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलने वाला सशक्त मंच

आरपीएफ ने रेल संपत्ति चोरी करते दो नाबालिगों को पकडा

EAST CHAMPARAN: रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट रक्सौल की टीम ने रेलवे यार्ड से रेलवे की कीमती संपत्ति चोरी करते दो नाबालिग बच्चों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक रेसुबल पोस्ट रक्सौल के नेतृत्व में सउनि राधेश्याम, प्रधान आरक्षी गोपाल सिंह, आरक्षी राजीव कुमार, आरक्षी यादवेंद्र कुमार यादव तथा प्रधान आरक्षी गिरिजेश कुमार की टीम द्वारा की गई। टीम अपराधियों की निगरानी एवं धर-पकड़ के लिए रक्सौल रेलवे यार्ड में गश्त कर रही थी। करीब 2:20 बजे न्यू वाशिंग पीट के पश्चिमी छोर पर गश्त के दौरान टीम ने दो नाबालिगों को सीमेंट ईंट से रेलवे के पानी सप्लाई पाइप के वाल्व को तोड़ते हुए देखा। मौके पर टीम ने तुरंत चारों तरफ से घेराबंदी कर दोनों को

मोतिहारी पुलिस ने बरामद की पंजाब से लाई जा रही शराब की बड़ी खेप

AGENCY EAST CHAMPARAN जिला के पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर शराब और मादक पदार्थी के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के दौरान मेहसी थाना पलिस को बडी कामयाबी मिली है।पलिस ने गप्त सूचना के आधार पर राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर कार्रवाई करते हुए में 999 लीटर विदेशी शराब सहित एक 18 चक्का ट्रक जब्त करते हुए ट्रक के चालक और उपचालक को भी गिरफ्तार किया है। दरअसल मेहसी थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एनएच-27 होकर शराब की बड़ी खेप जाने वाली है,लिहाजा पुलिस ने नाकेबंदी करते हुए संदिग्ध वाहनों की तलाशी शरू की। इसी दौरान एक 18 चक्का ट्रक (नंबर



PB11CL7970) को रोककर जब तलाशी ली गई तो ट्रक के अंदर भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद किया गया।

पुलिस ने मौके से ट्रक चालक हरप्रीत सिंह (मोगा जिला, पंजाब) और खलासी गरप्रीत सिंह (फतेहगढ़, पंजाब) को गिरफ्तार कर लिया। जिसने पूछताछ में बताया कि शराब की यह खेप पंजाब से लाई जा रही थी और इसे बिहार के विभिन्न हिस्सों में खपाने

रामगढ्वा में भारी मात्रा में नशीली दवाएं बरामद हेडमास्टर ने कोसी नदी में फेक दी गुप्त सूचना के बाद पुलिस ने शुरू की छापेमारी

हो गया। यह ईश्वर का आशीर्वाद है।

आरसीपी सिंह ने कहा कि वे पिछले

दो वर्षों से बिहार में घूम रहे हैं, लोगों

से मिल रहे हैं और अब एक नई

AGENCY EAST CHAMPARAN: जिले के रामगढवा थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एनएच 28 पर कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में नशे में उपयोग होने वाली दवाइयों की खेप बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार गुप्त सूचना के बाद एक लाल रंग की आल्टो कार को रोक कर जांच की गई,जिसमे लदी सात कार्टून में भरी हुई ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड कैप्सूल बरामद किया गया। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है, जबकि चालक मौके से फरार

रामगढ्वा थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि एक कार के माध्यम



से नशीली दवाइयों की सप्लाई की जा रही है। इस सचना के आधार पर पुलिस टीम का गठन कर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान जब पुलिस सेमर चौक के पास वाहनों की जांच कर रही थी, उसी समय सुगौली की ओर से आ रही एक लाल रंग की आल्टो कार को

छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने तत्काल कार की तलाशी ली, जिसमें सात कार्टून में ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड कैप्सूल पाए गए। यह दवा नारकोटिक्स श्रेणी में आती है और इसका उपयोग दर्द निवारण के अलावा नशीली ड्रग्स, जैसे हेरोइन के निर्माण में भी अवैध रूप से किया जाता है।

सरकारी स्कूल की किताबें, मामला दर्ज AGENCY SAHARSA : सरकारी

स्कल में पढ़ने वाले बच्चों के बीच जिन किताबों को स्कूल प्रशासन द्वारा वितरण किया जाना था। उन किताबों को हेडमास्टर द्वारा कोसी नदी में बहा दिया गया। यह कारनामा जिले के महिषी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मध्य विद्यालय कंदह का बताया जा रहा है, जहां शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल में भेजे गए किताबों को नदी में बहा दिया गया, जबिक इन किताबों को स्कूल में पढ़ने वाले नौनिहालों को बांटना था। जब ग्रामीणों की नजर कोसी नदी में फेंके गए किताबों पर पडी। तब ग्रामीणों ने भारी मात्रा में नदी में बह रहे किताब को बाहर

ग्रामीणों की माने तो स्कूल प्रशासन की लापरवाही से किताबों को नदी



में फेंक दिया गया। इधर ग्रामीणों कि शिकायत पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने मध्य विद्यालय कंदह के प्राचार्य सुरेश कुमार पर जलई थाना में मामला दर्ज कराया गया है, जिसमें उन्होंने सरकारी संपत्ति के नकसान पहुंचाने सहित कई अन्य गंभीर आरोप लगाया है। महिषी थाना अध्यक्ष ने बताया कि प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी द्वारा विद्यालय के प्रधानाचार्य के खिलाफ शिकायत दी गई है। जांच कर कार्यवाई की जा रही है।

मोतिहारी के प्रसिद्ध साहित्यकार की लिखी चार पुस्तकों का हुआ लोकार्पण

लोकार्पण समारोह में प्रसाद रबेश्वर को मिला 'साहित्य श्री सम्मान'

AGENCY EAST CHAMPARAN: जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर निवासी प्रसिद्ध साहित्यकार प्रसाद रत्नेश्वर लिखित चार पुस्तको का दिल्ली स्थित कन्स्टिट्यूशन क्लब में लोकार्पण किया गया। साहित्यिक उपलब्धियों के इस उत्सव का आयोजन दिल्ली में प्रवासी बिहारियों की एक प्रमुख सांस्कृतिक- साहित्यिक संस्था बिहार महोत्सव समिति के बैनर तले आयोजित किया गया। प्रसाद रत्नेश्वर पुस्तक लोकार्पण समारोह के इस भव्य आयोजन में पहुंचे अतिथियो ने प्रसाद रत्नेश्वर

की सद्यः प्रकाशित चार पुस्तक

संग्रह), लड़िकयों के कपड़े

बेचिरागी (हिन्दी कविता



(हिन्दी गजल- संग्रह), निलही कोठी (पाँच मंचीय नाटकों का संग्रह) एवं थारु : विश्व की एक नई सभ्यता (शोध - पत्र - संग्रह) का लोकार्पण किया। समारोह में पहुंचे संजय मयुख, सदस्य, बिहार विधान परिषद, पटना,डॉ. निवेदिता झा, प्रसिद्ध कवयित्री व लेखिका, महेंद्र प्रसाद सिंह, वरिष्ठ नाट्यकर्मी, नीरज कुमार, सहायक आयुक्त, एमसीडी, दिल्ली, तनवीर हसन, फिल्मकार ने संयुक्त रूप से पुस्तकों का विमोचन किया।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में

संजय मयुख ने कहा कि प्रसाद रत्नेश्वर जी का साहित्य विश्व साहित्य की धरोहर है। उनकी पुस्तकें अनमोल है जो भारतीय संस्कृति और चिंतन- धारा का प्रतिनिधित्व करती हैं। डॉ. निवेदिता झा ने कहा कि दिल्ली के साहित्यिक मंच पर एक ऐसा ऐतिहासिक लम्हा है जो सुनहला और अविस्मरणीय है।

महेंद्र प्रसाद सिंह ने प्रसाद रत्नेश्वर के मंचीय नाटकों की सराहना करते हुए कहा कि वे दिल्ली में इसका मंचन करेंगे। सहायक आयुक्त नीरज कुमार ने इसे प्रसाद रत्नेश्वर के लेखकीय जीवन की एक बड़ी साहित्यिक उपलब्धि बताया। तनवीर हसन ने कहा कि

लेखक की उम्र के चौथेपन में एक साथ चार पुस्तकों का लोकार्पण एक प्रेरित करने वाली साहित्यिक घटना है। बिहार सेंट्रल के एमडी सुधाकर शरण ने मोतिहारी को रत्नगर्भा बताते हुए कहा कि रत्नेश्वर इसी की उपज हैं जो साहित्य की दुनिया में चम्पारण और बिहार का नाम आलोकित कर रहे हैं।

मौके पर हिन्दी साहित्य में पाँच अनमोल पुस्तकों का योगदान करने के उपलक्ष्य में प्रसाद रत्नेश्वर को ' सिहत्य श्री सम्मान से भी विभूषित किया गया। सम्मान स्वरूप प्रतीक-चिह्न, अंगवस्त्रम एवं सम्मानजनक धनराशि भेंट कर सम्मानित किया गया।

पानी और बिजली की समस्या को लेकर बैठक

जिले के नाथनगर प्रखंड के दिलदारपुर दियारा के ग्रामीणों ने पानी और बिजली की समस्या को लेकर रविवार को सागर महतो की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित किया गया।

बैठक में एक्शन एड और जनप्रिय के गौतम कुमार और सुभाष प्रसाद ने भाग लिया। बैठक में मोसमात सोहरा देवी ने कहा इस भीषण गर्मी में हम लोगों को पानी तक नसीब नहीं है। दिनभर में सुबह 10 मिनट के लिए पानी आता है। वह भी कहीं मिलता है और कहीं नहीं मिलता है। उस 10 मिनट के दौरान यदि बिजली चली गई तो दिनभर पानी नहीं मिलेगा।

जमीन के पानी का लेयर नीचे जाने के कारण चापानल नहीं चलता है। सुदर्शन महतो ने कहा गांव को नियमित बिजली नहीं मिलता है।



रात को तो रहता ही नहीं। तीन फेज में से किसी एक ही फेज में ही बिजली रहता है, जिस कारण आधा अधुरा लोगों को बिजली मिल पाता है। घोलटी महतो ने कहा हर वर्ष बाढ़ के कारण हम लोगों को विस्थापित होना पड़ता है। यदि जिला प्रशासन हमारे गांव में मिट्टी भरवा दे तो बाढ़ के दिनों में विस्थापित होने का दंश झेलना नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा चंपा नदी से मिट्टी का उठाकर गांव में भरवा

दिया जाए तो नदी का भी जीर्णोद्धार होगा और परंपरागत रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। बैठक की अध्यक्षता कर रहे सागर महतो ने कहा दिलदारपुर घनी आबादी वाला दिया है। दियारा में हम लोग तकरीबन 5 से 6 हजार लोग और 2000 वोटर रहते हैं। अपनी मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं को लेकर कई बार स्थानीय जन्म प्रतिनिधि और पदाधिकारी से मिले।

भारत-पाक तनाव के बीच भारतीयों के पक्ष में खड़ा विदेशी पायलट

सत्य सदैव सत्य ही रहता है। वह बदलता नहीं। इसी तरह से जो असत्य या झुठ है, उसे आप कितना भी ढकने की कोशिश करें, वह एक न एक दिन अवश्य सामने आता ही है। सत्य का अर्थ ही है सते हितम यानी सभी का कल्याण। इसलिए भारत दुनिया का अकेला ऐसा देश है, जहां सबसे पहले सर्वे भवंतु सुखिनः अर्थात सभी सुखी रहें की मंगलकामना की गई। यही कारण है कि आज पाकिस्तान जैसे आतंकवाद को प्रश्रय देनेवाले देशों का झूठ दुनिया जान रही है और भारत को अपना भरपर समर्थन दे रही है। इन्हीं समर्थन देनेवालों में एक नाम सामने आया है अमेरिकी वायुसेना के पूर्व पायलट डेल स्टार्क का। उन्होंने गत दिवस एक पोस्ट में कहा, अगर ऑपरेशन सिंदुर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढता है, तो वह अपना सारा पैसा भारतीयों पर लगा देंगे। जैसा कि सभी को पता है कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ स्थानों पर जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े आतंकी शिविरों पर सटीक हमले किए हैं और उसके बाद से लगातार भारत-पाकिस्तान को ईंट का जवाब अपने आग्नेयास्त्र रूपी पत्थरों से दे रहा है। जब शांतिवार्ता की बात करके पाकिस्तान अपने कहे से मुकरा तब भी उसे उसी कठोर भाषा में जवाब दिया गया जैसा कि एक प्रभावी और संप्रभु देश को देना चाहिए। ऐसे में स्टार्क, जिन्होंने 2000 के दशक में अफगानिस्तान में भी सेवा की है, वह जब यह लिखते हैं कि जैसा कि उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपने एक पोस्ट में लिखा, मैंने अपने करियर के दौरान भारतीय और पाकिस्तानी दोनों ही लड़ाकू पायलटों के साथ उड़ान भरी है। मैं बस इतना ही कहुंगा कि अगर यह सिलसिला जारी रहा तो मैं भारतीयों के पक्ष में ही रहुंगा। आखिर उनकी कही, इस बात के मायने क्या हैं। इसके मायने हैं कि भारत को लेकर वैश्विक छवि बहुत साफ-सुथरी है। भारत की जो वैश्विक छवि सामने से उभरती है, वह यही है कि भारत कभी किसी के साथ गलत नहीं करता। वह सदैव न्याय और सत्य के मार्ग पर सतत चल रहा है। उल्लेखनीय है कि इस अमेरिकी वायुसेना के पूर्व पायलट डेल स्टार्क का पूरा जीवन अपने देश की सेवा में गुजरा है। स्वाभाविक तौर पर उसे अनेक सैन्य और सेवा मिशन में सहभागी बनने का अवसर भी मिला, जिन्हें समय-समय पर अमेरिका ने दुनिया भर में चलाया। जैसा कि ईरान, अफगानिस्तान, अफ्रका, सीरिया एवं अन्य देश। इन सभी में रहते हुए आते-जाते तत्कालीन समय के दौरान दुनिया भर के लोगों एवं विशेषज्ञों से इनका मिलना हुआ। उनमें भारतीय भी रहे। इसी प्रकार से डेल स्टार्क अमेरिका में रहनेवाले भारतीयों को भी लंबे समय से देख रहे हैं। उनके बारे में जो आंकड़े बीच-बीच में आते हैं, उनका भी वे अध्ययन करते ही हैं। जैसा कि एक आंकड़ा यह है, हालांकि यह पिछले साल का है, जिसमें बताया गया कि अमेरिका में भारतीय समुदाय की आबादी अमेरिकी जनसंख्या का केवल 1.5 प्रतिशत हैं, फिर भी उसका अमेरिकी समाज के विभिन्न पहलुओं पर बड़ा और सकारात्मक प्रभाव जारी है। भारतीय अमेरिकी समुदाय की ओर से संचालित नवाचार (इनोवेशन) देश की अर्थव्यवस्था की निचली पंक्ति तक पहुंच रहा है और यह आर्थिक विकास के अगले चरण के लिए आधार तैयार कर रहा है। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की ओर से तैयार की गई रिपोर्ट इंडियास्पोरा इम्पैक्ट रिपोर्ट- स्मॉल कम्युनिटी एंड बिग कंट्रीब्युशंस भारतीय प्रवासियों के प्रभाव पर गहरा प्रकाश डालती है, जिसमें कि अमेरिका में सार्वजनिक सेवा, व्यवसाय, संस्कृति और नवाचार पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारतीय मूल के सीईओ 16 फॉर्च्यून, 500 कंपनियों के प्रमुख हैं। ये लीडर्स सामृहिक रूप से 2.7 मिलियन अमेरिकियों को रोजगार देते हैं और लगभग एक ट्रिलियन राजस्व उत्पन्न करते हैं। भारतीय-अमेरिकियों की स्टार्टअप जगत में महत्वपूर्ण उपस्थिति यहां साफ तौर पर दिखाई दे रही है, जिसमें कि 648 अमेरिकी यूनिकॉर्न में से 72 के सह-संस्थापक कोई न कोई भारतीय हैं। कैम्ब्रिज मोबाइल टेलीमैटिक्स और सोल्युजेन जैसी ये कंपनियां 55,000 से ज्यादा लोगों को रोजगार देती हैं और इनकी कीमत 195 बिलियन अमरीकी डॉलर है। पेशे में यहां भारतीय अप्रत्यक्ष रूप से 11-12 मिलियन अमेरिकी नौकरियों का सजन करते हैं। रिपलिंग और लेसवर्क जैसे स्टार्टअप तकनीक और सीरियल उद्यमियों की अनेक सफल कहानियां हैं, जिन्होंने दुनिया भर में अपने लिए एक विशेष जगह बनाई है। एक अन्य उदाहरण कैम्ब्रिज मोबाइल टेलीमैटिक्स है, जो एक कंपनी है जो अमेरिकी सड़कों पर ड्राइवरों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए लाखों उपकरणों से डेटा एकत्र करने के लिए एआई का उपयोग करती है। इनोवेसर एक सिलिकॉन वैली स्टार्टअप है, जो विश्लेषणात्मक तकनीक के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा डेटा का लाभ उठा रहा है और अमेरिका को स्वास्थ्य सेवा लागत में एक बिलियन डॉलर से अधिक की बचत करने में मदद कर रहा है। दूसरी ओर भारतीय अमेरिकियों के पास अमेरिका के सभी होटलों में से लगभग 60 प्रतिशत का स्वामित्व है, जो आतिथ्य उद्योग पर उनके गहन प्रभाव का प्रमाण है। लगभग 60 प्रतिशत अमेरिकी होटल भारतीय प्रवासियों के स्वामित्व में हैं, जो आतिथ्य राजस्व में \$700 बिलियन कमाते हैं और चार मिलियन नौकरियां पैदा करते हैं। इतना ही नहीं यहां रह रहे भारतीय अमेरिका के सभी आयकरों का लगभग 5-6 प्रतिशत (यानी, 250 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 300 बिलियन अमरीकी डॉलर) का भुगतान करते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में देखें तो अमेरिकी विश्वविद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय छात्रों में से 25 प्रतिशत भारतीय हैं। भारतीय मूल के लगभग 22,000 फैकल्टी मेंबर अमेरिकी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ा रहे हैं, जो सभी फुलटाइम फैकल्टी का लगभग 2.6 प्रतिशत है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्प्णी के बाद अब कुछ शेष नहीं



प्रकार की टिप्पणी इन रोहिंग्या को लेकर की है, यथा यदि भारत में मौजूद रोहिंग्या शरणार्थी भारतीय कानून के तहत विदेशी पाए जाते हैं तो उन्हें निर्वासित किया जाना चाहिए। तब इसके बाद कुछ कहने को शेष नहीं बचता। ऐसे में इन्हें अतिशीघ्र भारत से बाहर किया जाना चाहिए। देखा जाए तो आज जो सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की है, इससे पूर्व भी उसका अभिमत यही था। तब केंद्र सरकार ने न्यायालय के सामने स्पष्ट कर दिया था कि आखिर क्यों ये रोहिंग्या मुस्लिम प्रवासी भारत में नहीं रह सकते हैं वर्ष २०२१ में सरकार ने सप्रीम कोर्ट को बताया था कि रोहिंग्याओं का भारत में अवैध रूप से रहना देश की सुरक्षा के लिए खतरा है इसलिए अवैध तरीके से भारत में रहने वालों के खिलाफ कानून के अंतर्गत कार्रवाइयां की जाती रहेंगी। यहां केंद्र सरकार इतना कहकर ही नहीं रुकी। सरकार ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वालों को शरणार्थी का दर्जा दिलाने के लिए संसद और कार्यपालिका के विधायी और नीतिगत डोमेन में नहीं जा सकती। वहीं, यह भी स्पष्ट किया गया था कि भारत युएनएचआरसी के शरणार्थी कार्ड को कोई मान्यता नहीं देता है, जिसकी मदद से कुछ रोहिंग्या मुसलमान शरणार्थी के दर्जे के लिए दावा कर रहे हैं।

रत म मानवाधिकारा का आड़ में रोहिंग्याओं को बसाने का एक चक्र लंबे समय से चल रहा है, जबिक वे भारत में आकर यहां के संसाधनों का भरपुर उपयोग तो कर ही रहे हैं। साथ ही भारतीयों के साथ किए जा रहे उनके दुर्व्यवहार के अनेक प्रकरण सामने आ रहे हैं। ऐसे में केंद्र की मोदी सरकार रोहिंग्या समस्या को है, लेकर सख्त मानवाधिकारवादी हैं कि भारत पर रोहिंग्याओं का अरिरिक्त बोझ मानवता के नाम पर डालने से पीछे नहीं हट रहे। अब सर्वोच्च न्यायालय ने जिस प्रकार की टिप्पणी इन रोहिंग्या को लेकर की है, यथा यदि भारत में मौजूद रोहिंग्या शरणार्थी भारतीय कानून के तहत विदेशी पाए जाते हैं तो उन्हें निर्वासित किया जाना चाहिए। तब इसके बाद कुछ कहने को शेष नहीं बचता। ऐसे में इन्हें अतिशीघ्र भारत से बाहर किया जाना चाहिए। देखा जाए तो आज जो सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की है, इससे पूर्व भी उसका अभिमत यही था। तब केंद्र सरकार ने न्यायालय के सामने स्पष्ट कर दिया था कि आखिर क्यों ये रोहिंग्या मुस्लिम प्रवासी भारत में नहीं रह सकते हैं। वर्ष 2021 में सरकार ने सप्रीम कोर्ट को बताया था कि रोहिंग्याओं का भारत में अवैध रूप से रहना देश की सुरक्षा के लिए खतरा है। इसलिए अवैध तरीके से भारत में रहने वालों के खिलाफ कानून के अंतर्गत कार्रवाइयां की जाती रहेंगी। यहां केंद्र सरकार इतना कहकर ही नहीं रुकी। सरकार ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वालों को शरणार्थी का दर्जा दिलाने के लिए संसद और कार्यपालिका के विधायी और नीतिगत डोमेन में नहीं जा सकती। वहीं, यह भी स्पष्ट किया गया था कि भारत यूएनएचआरसी के शरणार्थी कार्ड को कोई मान्यता नहीं

कोई मददगार नहीं हो सकते हैं। बहुसंख्यक बौद्ध समुदाय के वास्तव में यदि वे विदेशी अधिनियम खिलाफ अत्याचार किए। नतीजतन, के अनुसार विदेशी हैं, तो उन्हें शांतिप्रिय बौद्धों को हिंसा का सहारा निर्वासित किया जाना चाहिए। कहना लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। इन होगा कि एक बार फिर आज सुप्रीम रोहिंग्याओं ने जो अपनी अराकान

रोहिंग्या मुसलमान शरणार्थी के दर्जे के लिए दावा कर रहे हैं। साथ ही केंद्र की मोदी सरकार ने तत्कालीन समय में कोर्ट को यह भी बताया था कि किस हद तक भारत पहले ही बांग्लादेश से आए अवैध घुसपैठ का सामना कर रहा है, जिसके चलते कछ सीमावर्ती राज्यों (असम और पश्चिम बंगाल) की जनसांख्यिकी प्रोफाइल बदल चकी है। तब सरकार से जवाब से कोर्ट संतुष्ट नजर आई थी. और उसने केंद्र सरकार के पक्ष में ही फैसला सुनाया था। अब देखो; न्यायालय में इतना गहराई से स्पष्ट करने के बाद भी ये रोहिंग्याओं से जुड़े मामले हैं कि बंद होने का नाम नहीं ले रहे। वस्ततः आज फिर इस मामले में उच्चतम न्यायालय मुखर हुआ है। न्यायालय ने देश में रोहिंग्याओं की जीवन स्थितियों और उनके निर्वासन की मांग से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए एक बार फिर अनेक टिप्पणियां की न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने अपने पुराने आदेश का हवाला देते हुए स्पष्ट कहा है कि शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर)

कोर्ट में वही दृष्य उभरा जो वर्ष रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी बनाई, 2021 में सामने आया था। उसके अत्याचार की लिस्ट बहुत लंबी है। म्यांमार की सेना को इनके अधिवक्ता कोलिन गोंसाल्वेस और कब्जे वाले क्षेत्र में हिंदुओं और अधिवक्ता प्रशांत भूषण रोहिंग्या बौद्धों की सामहिक कब्रें मिल चकी शरणार्थियों की ओर से पेश हुए और अदालत को यएनएचसीआर कार्ड हैं। इन्होंने भयंकर क्रुरता से अपने अधिकार क्षेत्र में बौद्ध और हिन्दुओं का आधार लेकर रोहिंग्याओं के का सामृहिक नरसंहार किया है। इस बच्चों और म्यांमार सरकार के नरसंहार के दौरान रोहिंग्या वर्तमान रुख का हवाला देकर समझाना चाहा कि भारत में इन मुसलमानों ने कुछ महिलाओं को अवैध प्रवासी रोहिंग्याओं को रहने तभी छोड़ा जब उनका इस्लाम में दिया जाए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने धर्मांतरण करा दिया गया। बाकी सभी फिर से स्पष्ट कर दिया है कि भारत को मारकर दफना दिया गया था। सरकार को इन्हें निर्वासित करने का म्यांमार में जब रोहिंग्याओं का पुरा अधिकार है। इन्हें तत्काल अत्याचार बढ़ने लगा तो सरकार ने अपने देशवासियों के लिए कई सख्त निर्वासित किया जाए। अतः अब जरूरी हो जाता है कि जितनी जल्दी कानून लागू किए, जिनमें विवाह, हो सके, इन्हें चिह्नत कर भारत से परिवार नियोजन, आवागमन की बाहर का रास्ता दिखाया जाए। अब स्वतंत्रता, रोजगार, शिक्षा, धार्मिक विकल्प आदि शामिल थे। जिसमें ये यहां उन्हें समझना होगा जिन्हें रोहिंग्या फिट नहीं बैठ पाए और यहां मानवाधिकार के नाम पर इन रोहिंग्याओं से हमदर्दी है। वास्तव में से पलायन करने लगे। सबसे पहले उन्होंने अवैध रूप से भारत में प्रवेश उन्हें इन रोहिंग्याओं का इतिहास जरूर देखना चाहिए। ये वही रोहिंग्या करना शुरू किया। कई बांग्लादेश हैं, जिन्होंने अपने ही देश म्यांमार में पहुंच गए। वहीं, इन रोहिंग्या

मुसलमानों के आतंकवादी संगठन अका-उल-मुजाहिदीन के पाकिस्तान में इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई), जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और लश्कर-ए-तैयबा के साथ संबंधों का खुलासा कई बार हो चुका है। इनमें से कई हैं जो इस्लामिक आतंकवादियों को हर संभव मदद पहुंचाते हैं। अब तक भारत के अलग-अलग राज्यों में अनेक घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें कई रोहिंग्या मुसलमान अपराधों में शामिल पाए गए हैं। दिल्ली से सटे हरियाणा के मेवात उत्तराखंड के हल्द्वानी और बनभूलपुरा क्षेत्र में हुए हिंसक दंगों में रोहिंग्या मुसलमानों की संलिप्तता सामने आ चुकी है। अकेले बनभूलपुरा क्षेत्र में ही आज करीब 8000 रोहिंग्या मुसलमान व अन्य बाहरी लोग रह रहे हैं। आज बांग्लादेश के रास्ते भारत में घुसे रोहिंग्याओं ने भारत और नेपाल के मैदानी और पहाड़ी दोनों इलाकों में अपनी अवैध बस्तियां बनाना जारी रखा है। हजारों की संख्या में ये रोहिंग्या हमारे देश में घुस चुके हैं। फिर भी भारत में ऐसे लोगों की कोई कमी नहीं, जो मानवाधिकार के नाम पर इन अपराधी रोहिंग्याओं की वकालत कर रहे हैं। वे उन्हें भारत में स्थायी रूप से बसाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर कर रहे हैं और भारत सरकार को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। अब ऐसे में हो यह कि केंद्र सरकार अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वालों के साथ सख्ती से विदेशी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार निपटे। वस्तुतः आज जो सुप्रीम कोर्ट में इन रोहिंग्याओं के समर्थन में खड़े हो रहे हैं, उन अधिवक्ताओं को भी समझना चाहिए कि भारत कोई अराजक भूमि नहीं है, जहां जब जिसकी इच्छा हो वह घुस आए और यहां के मूल निवासियों के

आखिरकार अमेरिकी मीडिया क्यों अलाप रहा राफेल विरोधी राग

• रत और पाकिस्तान के वीच फिलहाल शांति है। युद्ध में हार और जीत के आकलन के बीच कुछ कहानियां राफेल की भी सुनवाई जा रही हैं। खासकर फ्रांस से प्राप्त राफेल जेट को लेकर अमेरिकी मीडिया में बहुत सारी बातें बिना सिर-पैर की हो रही हैं। पाकिस्तान ने 7 मई को यह दावा किया था कि उसने तीन राफेल समेत भारत के पांच जंगी जहाजों इन दावों के लेकर खुद ही हंसी का पात्र बना, उसके रक्षा मंत्री से एक विदेशी मीडिया ने जब पूछा कि सबूत क्या है, तो उन्होंने जवाब दिया कि सोशल मीडिया में सब चल रहा है। यही नहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने पार्लियामेंट में यहां तक कह दिया कि पाकिस्तान चाहता तो 12 भारतीय जेट गिरा सकता था, मेहरबानी कर के पांच ही गिराया। जिस देश के हुक्मरान इतने नादान और मुर्ख हों, उस देश का भविष्य क्या हो सकता

है। अब यही मुर्खता विदेशी मीडिया के कुछ अन्य प्लेटफार्म से भी हो रही है। द वाशिंगटन पोस्ट, द न्यूयॉर्क टाइम्स और सीएनएन चैनल जैसे बड़े मीडिया हाउस पाकिस्तान के भोंपू बने हैं। वह कुछ मनगढ़ंत खबरों के जरिए अमेरिकी हित साधने की कोशिश कर रहे हैं। विश्लेषण की जरूरत है। कहीं यह अमेरिकी हथियार के सौदागरों के एजेंट तो नहीं बन रहे हैं। सीएनएन ने राफेल के गिरने की खबर पाकिस्तानी रक्षा सूत्रों से चला दी, जिसमें दावा किया गया कि उन्होंने पांच भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराया है, जिनमें तीन राफेल जेट, एक मिग-29 और एक सुखोई 30 फाइटर जेट शामिल हैं। अपनी खबर को पृष्ट दिखाने के लिए सीएनएन ने एक कथित अनजान फ्रांसीसी खुफिया अधिकारी का हवाला भी दे दिया, जिसने कथित रूप से यह स्वीकार किया कि भारतीय वायु सेना को दिए गए राफेल लड़ाकू विमानों में से एक को पाकिस्तान

अधिकारियों का हवाला देते हुए यह खबर चला दी कि चीन निर्मित पाकिस्तानी लड़ाकू विमान ने कम से कम दो भारतीय सैन्य विमानों को मार गिराया। इस मामले में न्यूयॉर्क टाइम्स भी पीछे नहीं रहा। इस अमेरिकी मीडिया ने भी वही अज्ञात स्रोत का सहारा लिया और खबर चला दी कि भारत ने कम से कम दो विमान खो दिए हैं। बस उसने राफेल का नाम नहीं लिया। वाशिंगटन पोस्ट ने तो एक फ्रांसीसी विशेषज्ञ का भी हवाला दे दिया है, जो बकौल अखबार के यह स्वीकार करता है। कि भारत ने मिराज-2000 और राफेल विमान खो दिए हैं। मालम हो कि राफेल और मिराज दोनों दोनों फ्रांसीसी हैं। अमेरिकी मीडिया के इस रुख पर सवाल उठाना लाजिमी है कि जब अभी तक पाकिस्तान ने जहाज गिराए जाने के कोई ठोस सबत नहीं दिए हैं और ना भारत ने इस संबंध में कोई पुष्टि की है। फिर अमेरिकी मीडिया अज्ञात स्रोतों का हवाला देकर इतनी बड़ी खबर क्यों चला रहा है। क्या उनके उद्देश्य कुछ और हैं। कहीं यह अमेरिकी लड़ाकू विमानों की मार्केटिंग का फंडा तो नहीं है। यह सबको खबर है कि भारत समेत कई देश इस समय लडाक विमानों की खरीदारी के लिए इच्छुक हैं। दुनिया एयरोस्पेस बाजार बहुत बडा है और अरबों खरबों डॉलर के सौदे होने हैं। चूंकि अमेरिका भी लडाक विमानों का सौदागर है। और वह अपने एफ-35 जेट के लिए कई देशों में लामबंदी कर रहा है। इसलिए उसके लिए सबसे बडा प्रतिद्वंद्वी फ्रांसीसी राफेल ही है। राफेल के खिलाफ खबरें उसी कंपटीशन का हिस्सा हो सकती हैं। भारत राफेल के लिए सौदे कर चुका है। भारतीय वायुसेना को कुल 114 लड़ाकू विमान खरीदने हैं। अभी तक भारत 36 राफेल विमानों की डिलीवरी प्राप्त कर चुका है। बाकी विमान भारत को अभी और लेने हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान

राफेल के गिरने की खबर चलाने के पीछे एक मकसद यही हो सकता है कि राफेल की छवि पर ही सवाल खड़ा कर दिया जाए और एफ-35 जैसे 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों को प्रमोट किया जाए, ताकि इसकी मांग बढ़े। इसीलिए संभवतः अज्ञात स्रोतों पर आधारित खबरें चलाई और दिखाई जा रही हैं। केवल भारत ही नहीं कई यूरोपीय देश, कनाडा और जापान भी फाइटर जेट के सौदे करने वाले हैं। ये सभी अमेरिकी हथियारों के विकल्प ढूंढ रहे हैं । कुछ देशों ने तो विकल्प ढूंढ भी लिए हैं। जैसे पुर्तगाल और कनाडा एफ-35 लड़ाकू विमानों के सौदे से पीछे हटने पर विचार कर रहे हैं। नवनिर्वाचित कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अपनी पहली की पहली विदेश यात्रा ही फ्रांस जाकर की। ओटावा एफ-35 के बजाय फ्रांसीसी राफेल खरीदने पर विचार कर रहा है। भौगौलिक और कूटनीतिक कारणों से इस समय चीन और रूस के लड़ाकू

विमानों के खरीदार नहीं मिल रहे हैं। चीन मुख्य रूप से पाकिस्तान को ही अपना सैन्य उत्पाद बेच रहा है। पाकिस्तान के 80 फीसदी से अधिक सैन्य साजो सामान चीन के ही बने हुए हैं। हालांकि भारत रूस का बहुत महत्वपूर्ण सामरिक पार्टनर है, लेकिन भारत नए रूसी फाइटर जेट्स खरीदने के प्रति इच्छक नहीं है। इस समय अमेरिकी एफ 35, फ्रांसीसी राफेल और यूरोफाइटर टाइफून के बीच ही प्रमख रूप से कंपटीशन है। इसलिए अपने बाजार के लिए ऑपरेशन सिंदर का उपयोग अमेरिका कर सकता है। पाकिस्तान के आईएसपीआर ने 11 मई को अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट रूप से कहा कि भारत का कोई भी पायलट पाकिस्तान में नहीं है। भारत के डीजीएमओ ने भी कहा कि पाकिस्तान में घुसने वाले सभी भारतीय पायलट सकशल लौट आए. तो फिर अमेरिकी मीडिया क्यों राफेल गिरने की खबरों को प्राथमिकता

Social Media Corner

सच के हक में.

हमारे उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। उन्हें हमारे संविधान का बहुत ज्ञान है, जो एक अग्रणी 🔢 वकील के रूप में उनके वर्षों के काम से झलकता है। उन्होंने राज्यसभा की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सराहनीय प्रयास किए हैं। समाज सेवा के प्रति उनकी रुचि भी बहुत अधिक है। ईश्वर करे कि वे दीर्घायु और स्वस्थ जीवन जिएं। (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

रांची में शूकर पालकों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। एक ओर मुख्यमंत्री जी गरीब युवाओं को सूअर, मुर्गी व बकरी पालन के लिए प्रोत्साहित करते हैं, लेकिन दूसरी ओर नगर निगम ने शूकर पालकों को होटलों का बचा-खुचा भोजन चारे के रूप में लेने पर प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्यमंत्री जी, बहुत सारे गरीब शूकर पालक बाजार से चारा खरीदने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए इनकी समस्याओं का संज्ञान लेते हुए नगर निगम के आदेश से रोक हटाएं और शूकर पालकों को होटल–वेस्टेज उपलब्ध कराएं।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

अदरूनी लड़ाई में फंसा पाकिस्तान

📅 रत-पाकिस्तान के बीच 10 मई की 💶 🛮 शाम ५ बजे से शुरू सीजफायर दुनिया में तनाव कम होने की तरह देखा जाएगा। इसके विपरीत खुद पाकिस्तान में ऐसा नहीं है। इसे उसी रात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के देश के नाम संबोधन से समझा जा सकता है। शहबाज ने अमेरिका, चीन, सऊदी अरब और तुर्की जैसे देशों को सहयोग अथवा सीजफायर में मदद के लिए शुक्रिया कहा। गौर करने लायक है कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने जनरल मुनीर के लिए भी ऐसा ही शुक्रिया करने के साथ एक कट् बात भी जोड़ दी। वह कठोर तथ्य यह है कि शहबाज ने परोक्ष रूप से मान लिया कि भारत के हमलों से पाकिस्तान को बहुत अधिक नुकसान पहुंचा है। सही मायनों में अब इस नुकसान की जिम्मेदारी तय करने का समय शुरू हो गया है। पीएम शहबाज के कई देशों और अपने सहयोगियों के लगातार धन्यवाद करते जाने के बीच दुनियाभर के कूटनीतिक विशेषज्ञ सांस रोके भाषण खत्म होने का इंतजार कर रहे थे। उन्हें थोड़ी देर के लिए शायद यह लगा कि शहबाज अपनी कुर्सी छोड़ने जा रहे हैं। लगा कि सीजफायर होते ही शहबाज को विदा करने की योजना बन चुकी है। ऐसा नहीं हुआ। उसके बाद अब शहबाज शरीफ की चाल की चर्चा शुरू हो गई है।

पाकिस्तानी हुक्मरान ही नहीं,आम लोगों को भी पता है कि भारत-पाक के मध्य हर युद्ध अथवा संघर्ष में पाकिस्तान की बदहाली के लिए किसी के सिर ठीकरा फोड़ने की परंपरा रही है। आमतौर पर इसमें राजनेताओं के बजाय सैन्य अधिकारी हावी होते रहे हैं। फिलहाल स्थिति अलग लग रही है। शहबाज ने संघर्ष में भारत की मजबूती और पाकिस्तान की बबार्दी का जिक्र कर फिलहाल इसकी जिम्मेदारी सेना पर डालने की कोशिश की है। ऐसे में सेना और सरकार के बीच अघोषित संघर्ष शुरू हो चुका है। इस तरह का ताजा मामला वर्ष 1999 के कारगिल युद्द का है,तब भी कुछ ऐसा ही हुआ था। कहते हैं कि जनरल परवेज मुशर्रफ ने प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को विश्वास में लिए बिना कारगिल,द्रास और बटालिक की चोटियों पर कारवीई शुरू कर दी थी। जब इन जगहों पर पाकिस्तानी सेना हार गई तो जनरल मुशर्रफ ने पीएम नवाज को आगे कर दिया। बाद में तख्तापलट की कहानी लंबी हो जायेगी। पाकिस्तान के वर्तमान प्रधानमंत्री को इसका अंदाजा है। तभी उन्होंने जिम्मेदारी के लिए जनरल मुनीर को आगे करने की कोशिश की है। ऐसा करना उन्हें इसलिए भी जरूरी लगा कि सीजफायर तो पड़ाव भर है। अभी भारत की ओर से सिंधु का पानी रोकना,दोनों देशों के बीच राजनियक

रिश्ते फिर से कायम करने के साथ भारत-पाकिस्तान के बीच व्यापारिक रिश्ते बहाल करने जैसे बड़े काम बाकी हैं। स्वाभाविक रूप से इसके लिए पाकिस्तानी राजनेताओं को ही आगे आना होगा। भारत का लोकतांत्रिक नेतृत्व भी सैन्य शासक की जगह पाकिस्तानी राजनेताओं को ही प्राथमिकता देगा। पाकिस्तान स्वयं इस हार के दंश से किस तरह बाहर निकलेगा,यह समझने के लिए कुछ समय लगेगा। फिलहाल पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल मुनीर पर आम पाकिस्तानियों का गुस्सा फूटने लगा है। पाकिस्तान के बुद्धिजीवी खुलेआम पाकिस्तान आर्मी चीफ के अप्रैल में दिए बयान को याद कर रहे हैं। जनरल मुनीर ने अपने उस बयान में हिंदुओं और मुसलमानों को एक-दूसरे से अलग बताया था। पाकिस्तानी प्रोफेसर डॉ.इश्तियाक अहमद ने कहा है कि तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल बाजवा के कार्यकाल में पाकिस्तान में शांति रही। आसिम मुनीर ने इस बात की चिंता नहीं कि मुसलमानों की एक तिहाई आबादी भारत में ही रहती है। मुनीर ने इस भावना को भड़काया कि हिंदुओं और मुसलमानों में कुछ भी एक जैसा नहीं है। बहरहाल, प्रो. इश्तियाक का बयान एक उदाहरण भर है। यह आगाज है,अंजाम क्या होगा, इसे जानने के लिए इंतजार तो करना ही पड़ेगा।

केंद्र सरकार ने अनिर्वाचित राज्यपालों द्वारा शक्ति के मनमाने और अलोकतांत्रिक इस्तेमाल पर लंबे समय से चल रहे विवाद को खत्म करने का अवसर गंवा दिया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 8 अप्रैल 2025 को दिए गए फैसले ने राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के संबंध में राज्यपाल और राष्ट्रपति की शक्तियों को लेकर संवैधानिक स्थिति को स्पष्ट कर दिया। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की खंडपीठ ने कहा कि तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि का 10 राज्य विधेयकों को रोकने का कदम अवैध और त्रुटिपूर्ण है। इस सुविचारित फैसले में राज्यपाल और राष्ट्रपति के समक्ष विधेयक के अनुमोदन के वास्ते आने पर उनके द्वारा की जाने वाली संभावित कार्यवाही की रूपरेखा प्रस्तुत की गई थी, हालांकि संविधान में इसके लिए कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है। इस फैसले से कई सवालों पर बहुप्रतीक्षित और अपेक्षित स्पष्टता स्थापित हुई। अब केंद्र ने राष्ट्रपति के संदर्भ के जरिए इन सभी सवालों को फिर से अदालत के समक्ष उठाया है तथा अनुच्छेद 143 के तहत उसकी राय मांगी है। राज्यपालों की शक्ति एक अत्यंत विवादास्पद सवाल रहा है। हाल के सालों में कुछ राज्यपालों की बढ़ती हुई बेशर्मी ने केंद्र एवं राज्यों के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है तथा राज्यों के शासन करने के अधिकार को कमजोर कर दिया है। अदालत के इस फैसले में यह ठोस निष्कर्ष निकालने के लिए अनेक निर्णयों, भारतीय संघवाद की कार्यप्रणाली की जांच करने वाली विभिन्न समितियों की रिपोर्टों और संविधान सभा की बहसों को ध्यान में रखा गया कि राज्यपालों या राष्ट्रपति के पास निर्वाचित विधानसभा द्वारा बनाए गए कानून को अनिश्चित काल तक लागू होने से रोकने का मनमाना अधिकार नहीं है। राज्यपालों की नियुक्ति केंद्र द्वारा मनमाने तरीके से की जाती है और संविधान उन्हें असीमित शक्तियां, खासकर निर्वाचित विधानसभा को कमजोर करने के वास्ते प्रदान नहीं करता।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Monday, 19 May 2025

Kashmir's normalcy, Pakistan's turmoil

Everyone must watch the talk delivered by Pakistan's army chief, Gen Asim Munir on April 14-16 at the Annual Convention of Overseas Pakistanis. It was certainly the most extreme speech I have seen by any leader, anywhere. Many have linked, or believe, that this "hate" speech was the green signal the Pahalgam terrorists were waiting for before they carried out their massacre.

The speech certainly outlined the battle between secular India and theocratic Pakistan. In Munir's narrow world-view, there is a lack of connection, or commonality, between the citizens of India and Pakistan. In fact the reality is quite the opposite, especially in Punjab.Gen Munir's first gross miscalculation is that he addressed his remarks to overseas Pakistani residents. But in the audience pictures, you will be hard-pressed to find a smile of approval to what Munir was saying, let alone cheer. Many of these overseas Pakistanis have worked, lived and roomed with the very same people that Munir was saying were Pakistan's born enemy, i.e. Indians — some even have intermarried. Hence, the lack of applause, if not downright embarrassment, perhaps even contempt.Gen Munir's second miscalculation was the expectation of support his Muslim terrorists would get from India's Muslims. Instead, there was overwhelming condemnation of their unsparing brutality as well as of Pakistan, the country they came from. The response by Indian Muslims, both leaders and ordinary people, across the country as well as in Kashmir, has been most pronounced in the outright condemnation of Munir's hate speech. It is likely that this response was not anticipated by the terrorists and their political handlers. Perhaps their warped worldview also does not allow them to comprehend fundamental and structural divergences between the economies of India and Pakistan. This process of change has been long in the making. In 1985, Pakistan's per capita income (Penn World Tables, 2017 PPP), relative to India reached a peak of 2.2, i.e. Pakistan's per capita (pc) income was more than twice that of India. In 2024, at the time of its 13th IMF loan since 1991 (the last time India got an economic loan from the IMF), Pakistan's pc income was reduced to 60 per cent of India's level. This continuous fall in Pakistan's living standards, especially relative to India, partially explains Munir's desperation in appealing to the only factor he thinks reflects the welfare of both domestic and foreign Pakistanis - religious fanaticism and Kashmir. Along with these Grand Canyon gaps in performance, it is the fullest integration of Kashmir with the rest of India that seems to have affected Munir the most. Today India is in the midst of major trade deals with the US, UK and the EU, while Pakistan begs for Chinese financial help, debt and armaments alongside the 25th loan from the IMF — the highest for any country ever.

Meanwhile, PM Narendra Modi, with his visit to Saudi Arabia, is demonstrating India's closest linkages with the Arab world than at any time before - traditionally Pakistan's friends and allies. The tragically explicit copycat behaviour of the Pahalgam terrorists with Hamas terrorists attack in Israel on October 7, 2023 was not missed -- the same terrorist playbook. At the time of the Hamas terrorist attack, Israel was in the final stages of negotiating with Saudi Arabia, a complete normalisation of relations. However, the real Munir-Pakistan misjudgment was not about bilateral country aggregates, but what is happening in Kashmir itself. It is not just India that has economically leapt way past Pakistan. Government initiatives, particularly after the abrogation of Article 370 in 2019, have substantially improved the normalisation of Kashmir. It is this integration and development that Munir and his army have completely missed.

Why did Pakistan stir up the terrorist not again? That's a question every Indian — Hindu, Muslim, Sikh, Isaai — is asking. Was it to provide an alternative to the distress caused by the relative decline of Pakistan? Note, that the standing of the Indian economy and polity was at its peak and that of Pakistan at its trough, when Munir made his speech. One week later, on April 22, the terrorists

Beyond Indo-Pak truce: Reimagining peace in a region on the edge

The historical trajectory of South Asia, marked by seminal events as Partition, the Kargil conflict and the Indo-Pak wars of 1965 and 1971, has bequeathed a complex legacy of societal fragmentation

WAR means an ugly mob madness, crucifying the truth tellers, choking the artists, sidetracking reforms, revolutions and the working of social forces — these words by John Reed, American socialist activist, written in 1917 amidst the carnage of World War I, ring disturbingly true in our time. The recent escalation between India and Pakistan, marked by military exchanges and public panic, brought the subcontinent close to the same disaster. But in a remarkable turn of events, a ceasefire was abruptly announced facilitated by an unexpected diplomatic intervention. While it brought welcome relief, its sustainability remains uncertain. The fragile nature of the agreement was evident in the renewed military hostilities that followed shortly after, highlighting the deep-seated trust deficit and questionable intentions between the two nations. The terrorist attack in Pahalgam, which left 26 innocent people dead, rightly drew widespread condemnation. India's military response — described as calibrated and proportional — unleashed a chain of retaliatory moves that risked spiraling out of control. Even measured actions, in a region so steeped in historical grievance and mistrust, can set off devastating consequences. In border regions like Punjab and Kashmir, the suffering was acute, with families displaced, agricultural livelihoods disrupted, and civilian lives lost. The cost of conflict is incalculable. The ceasefire has potentially averted a catastrophic conflict between two nuclear-capable nations. However, true peace demands more than a halt to hostilities. It requires reflection, moral clarity and a commitment to sustained diplomacy. The conflation of patriotism with militarism warrants critical reevaluation, as the pursuit of justice necessitates a more nuanced approach. Consequently, effective accountability for acts of terror requires a multilateral, rules-based framework that prioritises evidentiary rigour and international cooperation rather than unilateral actions that may compromise truth and exacerbate conflict.As Ernest Hemingway astutely reminded us, "Never think that war, no matter how necessary, nor how justified, is not a crime." Regardless of its perceived necessity or justification, war constitutes a profound failure of political and diplomatic endeavours. The historical trajectory of South Asia, marked by such seminal events as Partition, the Kargil conflict and the Indo-Pak wars of 1965 and 1971, has bequeathed a complex legacy of

societal fragmentation, collective psychological trauma, and enduring animosities. These historical antecedents cannot be perpetuated indefinitely and the subcontinent's future stability cannot be predicated on chance, rather they necessitate a concerted effort to transcend the pathologies of past conflicts. Pakistan, under General Asim Munir, remains a troubled state. Its economy is on the verge of collapse, its foreign reserves are dangerously low and its democratic institutions under siege. Its military continues to dominate its political discourse. For Pakistan's establishment, escalating tensions with India offered a convenient distraction from domestic chaos and economic mismanagement. India, however, resisted falling into this trap and showed strategic restraint and



visionary leadership, displayed in its laudably measured and calibrated approach, that has not escaped global attention. A more enduring solution lies in investing in democratic values, regional cooperation and economic justice. As it is, militarisation of the Kashmir dispute has led only to entrenched hostility and alienation. A focus on democratic inclusion, dignity, and development can build trust where fear now festers. The wounds will heal through through education, dialogue and a reaffirmation of our shared humanity. The people of Kashmir, who have long been caught in the crossfire of competing nationalisms, must remain central to any solution that aspires toward justice and peace.

Furthermore, the prospect of nuclear escalation warrants utmost gravity, particularly given the unstable leadership dynamics in Pakistan, characterised by questionable decision-making capacity and a propensity for disinformation, thereby heightening the imperative for cautious diplomacy. Any miscalculation can lead to consequences far beyond our imagination. The ceasefire is slippery and must be seen as the beginning of a broader peace process. Nations like Sweden and New Zealand have shown that true security stems not from arms, but from equity and cooperation. India and Pakistan must move in that direction. The subcontinent cannot overlook that the trauma induced by past wars continues to cast its shadow over generations. The psychological effects of conflict - seen in veterans, widows, orphans and refugees — remind us of the heavy price we pay for political failures. Such trauma is not just personal; it seeps into the collective consciousness, shaping identities, reinforcing fear, and stifling possibilities of

reconciliation. The silence of those who lost everything in war should echo in our decisions.

On international relations, a shift is necessary, wherein strategic alliances are reoriented towards fostering peace and cooperation rather than perpetuating conflict. Partnerships with nations like the US or within frameworks like the Quad should prioritise collaborative initiatives in trade. innovation, climate resilience and regional stability, rather than serving as conduits for confrontation with countries like China or Pakistan. It is essential to distinguish between patriotic sentiment and national arrogance.

There must also be a reckoning with the militarised mindset that dominates much of our political discourse. We must understand peace as not the absence of war but as a proactive state — built through institutions, education, empathy and exchange. Civil society, artists, writers, teachers and journalists have a key role to play in imagining a new regional future. The stories we tell, textbooks we write, films we produce, all must move us towards common ground. The moment demands critical introspection, not triumphalism, as we consider the potential consequences of military action and the human and moral costs associated with it. Effective leadership necessitates questioning prevailing narratives, embracing hope, and refusing to succumb to the logic of violence.Let us seize this pause in violence to initiate conversations long overdue, not only between governments, but also among peoples. Religious leaders, scholars, entrepreneurs, students — all must collectively contribute to building bridges of trust.

Talking to Taliban

It should not be seen as an endorsement of the regime, but a calibrated engagement focused on regional security

When the Taliban took over Afghanistan in August 2021, India responded with caution. A few days into the takeover, New Delhi withdrew its ambassador and diplomatic staff from Kabul and suspended direct engagement. Realising that a stringent no-talk policy was impractical, India started to gradually open channels of communication. The reopening of the Indian embassy in June 2024 was followed by a public meeting in January this year between Foreign Secretary Vikram Misri and Afghanistan's acting Foreign Minister, Amir Khan Muttaqi, in Dubai. Amidst these developments, since August 2021, India has been regularly delivering wheat, pesticides, medical supplies and other forms of aid. Even in the Union Budget for 2024-25, there was an allocation of Rs 100 crore for assistance to Afghanistan. The first-ever ministerial-level conversation between External Affairs Minister S Jaishankar and Muttagi on Thursday should be seen as the next logical step in the

incremental outreach by both countries. The phone call took place days after the India-Pakistan ceasefire following the Pahalgam terror attack, which was unequivocally condemned by the Taliban regime.

Traditionally, Delhi and Kabul have had warm ties, barring the years of Taliban 1.0 (1996-2001), when India saw it as a proxy for Pakistan's strategic interests. But relations between the Taliban and Pakistan have been deteriorating rapidly, primarily driven by issues over the Tehrik-i-Taliban Pakistan, operating along the Afghan-Pakistan border. Realising that it does not have a hold on the Taliban any more, Rawalpindi has been trying to drive a wedge between India and Afghanistan. In a post on X, Jaishankar welcomed Muttaqi's "firm rejection" of Pakistan's "recent attempts to create distrust between India and Afghanistan through false and baseless reports" — a reference to reports in Pakistan that Indian missiles had hit Afghanistan during Operation Sindoor. Amid a widening rift

between Taliban 2.0 and Pakistan, India needs to keep communication lines open and prevent Afghanistan from becoming a sanctuary for anti-India terror groups. There is no denying that the Taliban continues to be an autocratic regime with little regard for human rights, especially the rights of women. That is why India is yet to recognise the Islamic Emirate of Afghanistan. Indeed, increased engagement risks undermining India's moral stand. But to not engage at all carries risks, too. China has signed significant investment and security agreements with the Taliban, including a \$540million oil extraction deal. Within the power politics of South Asia, given the China-Pakistan-Bangladesh axis, a Kabul-Beijing entente would be a matter of concern. India does not have the power to alter Afghan politics and society, but it has to deal with whoever sits in Kabul. There is no denying that the Taliban continues to be an autocratic regime with little regard for human rights, especially the rights of women.

Three morals and a Trump story

THE GREAT GAME: The story of how India won over the Taliban is perhaps the most fascinating of all

HOURS after India's Ministry of External Affairs issued a six point-by-point rebuttal on how the US never mediated last week's India-Pakistan conflict, Donald Trump has insisted, for the sixth time since the conflict began, that he did."...And by the way, I don't want to say I did, but I sure as hell helped settle the problem between Pakistan and India last week, which was getting more and more hostile," Trump told troops at the US al-Udeid airbase in Qatar on Thursday, the last stop of his Gulf tour. It sounded like a parting shot. I'm telling you guys, he was saying, I am the one who averted a nuclear war.

Now you could roll your eyes or you could believe what the US President says, which is that it needed a powerful third party — him — with influence in both New Delhi and Islamabad to stop the natives from going at each

other again and continuing their "1,000-year war." But there are three more morals to the story. The first penny dropped when External Affairs Minister S Jaishankar got on the phone with his counterpart in Afghanistan, Taliban Foreign Minister Amir Khan Muttaqi, on Thursday evening. Nobody knows who called whom, but the MEA did put out that Jaishankar expressed his appreciation of Muttaqi's earlier condemnation of the Pahalgam massacre. The first (of the last three) morals is not that Jaishankar and Muttaqi actually spoke to each other — a leader of the world's largest democracy speaking to a man who doesn't even represent a country, merely a regime — or that he did so openly. The lesson here is that New Delhi didn't seem unduly bothered whether it would be criticised or not for speaking to the Taliban, which has violated every rule in every book before and since it came to power for the second time on August 15, 2021. Fact is, Jaishankar was only taking a leaf out of Trump's book. Which is that if you have the ability to exercise power, you will be forgiven the vanity of changing your mind as well as the direction of your country's policy. Just check out Trump. He is making nice with Vladimir Putin, his country's arch-enemy; in Riyadh earlier this week, he shook hands with the Al-Qaeda's newest ally which now rules Syria; and in Qatar,



the home of the radical Islamist Muslim Brotherhood group, he ignored all the signs because the Al-Thani sheikhs flattered him with a welcome that included the gift of a \$400-million plane for the US President's use. Even when Trump brought up his grouse about Apple CEO Tim Cook making iPhones in India with Qatari businessmen ("I said to him, 'my friend, I am treating you very good... but now I hear you are building in India. I don't want you building in India..."), New Delhi simply refused to react. They turned to the Apple folks, instead, who assured them that Cook would, indeed, continue with his plans to set up factories in India.In the bad, old days, New Delhi would have been shaken if someone as powerful as the US President said the things he did. But India is learning to hold her own, in the face of far more powerful economies like China and the US cutting a deal that brings down their own tariffs a decision that is bound to affect India's own exports.Fact is, this week, India relearnt the oldest maxim in the book of politics — there are no permanent friends or enemies, only permanent interests. Like yesterday's newspaper which is today's raddi, last week's fast friends could be distant cousins today. That's why 'Ab ki baar Trump sarkar' is a slogan from another

century. Today's protection will come from having Apple on your side, because that company is so powerful that Trump has no option but to have Tim Cook on his side. As for Trump taking credit for "mediating" between India and Pakistan, in any case, even the New York Times now admits that India inflicted the most damage on Pakistani facilities. As for Pakistan celebrating its "victory" in this conflict, perhaps neither Trump nor the Pakistanis have noticed that 11 Pakistani bases were spiked by Indian missiles. Which is when the Pakistanis sought the attention of the US President and requested him to shut it down.Or, maybe, Trump has noticed—just that he's moved on to something else, this time to celebrating a newly arrived grandchild. The third moral is that in his three months in power, Trump has successfully antagonised half the world. The fact that he went back on his own promises to burn China to the ground — because his own enormous US conglomerates who make in China and large profits at that, must have told him that high tariffs would only hurt American customers — only indicates that when you're this powerful, talk is cheap. As for the Jaishankar-Muttaqi conversation, the fact that it took place so close to the end of Operation Sindoor or that Pakistan and Afghanistan have been at daggers drawn for some time has escaped no one. Fact is, India has been wooing the Taliban for some time now, almost as soon as it took Kabul in 2021 on the anniversary of India's independence. On a visit to Kabul a year later, it was plain to see that the Taliban were already losing patience with their one-time mentors and guardians, the Pakistani military establishment. The story of how the ISI won over the Taliban and nurtured it, until the West took back Afghanistan in the wake of 9/11; how the ISI bided its time for 20 years and then helped the Taliban wrest the country back from the Americans and its NATO allies — that's a story for another time.In this great game this week, as Trump changes course as quickly as the Sutlej and the rest of the world rearranges itself — the story of how India won over the Taliban is perhaps the most fascinating of all.

Stock Market Forecast this week: 'Q4 earnings, FII activity to guide Sensex,

New Delhi. Stock markets will be mainly driven by quarterly earnings by corporates, foreign fund flows and global trends this week, analysts said. Updates on global trade deals and their impact on world markets will also be closely tracked, experts noted.

'As the India-Pakistan conflict now stabilized and all major geopolitical events behind, investors' focus is likely to shift towards assessing the ongoing Q4 corporate earnings season.

'Additionally, there is growing optimism around the possibility of an early India-US trade deal, which could provide further support to market sentiment," Puneet Singhania, Director at Master Trust Group, said.Domestic developments and key global economic data releases will also influence investor flows and overall market direction, he added.

India is willing to cut 100 per cent tariffs on American goods, US President Donald Trump claimed once again while saying that a trade deal between New Delhi and Washington is coming soon.

Power Grid Corporation of India, Hindalco Industries, ONGC, Sun Pharmaceutical Industries, ITC and JSW Steel will announce their earnings this week.

'With no major global or domestic events scheduled, markets focus is expected to shift towards domestic earnings and high-frequency economic data for directional cues. Updates on global trade deals and their impact on global markets will also be closely tracked," Ajit Mishra - SVP, Research, Religare Broking Ltd, said.

Participants will continue to monitor foreign capital flows, which have played a significant role in sustaining the current rally, he said. "On the corporate earnings front, several prominent companies, including ONGC, ITC, Hindalco, JSW Steel and Power Grid are set to announce their quarterly results, which could influence near-term market trends," Mishra added.

EPF: Don't underestimate a low salary; trust it to build a nice corpus; check how

Kolkata. Legislated in 1952 a few years after Independence, the Employees Provident Fund (EPF) is not only the earliest social security scheme for employees in the country but also one of the most impactful. It provides assured and tax-free returns for all employees working in any organisation that employ 20 or more persons. The most important feature of the EPF is that it uses the force of compounding and regular contribution to build a

The EPF scheme draws on a 12% contribution from the basic + DA of the employee's salary. It is taken from the employee. A contribution is also taken from the employer. The entire amount taken from the employee's salary is deposited in the EPF account. But only 3.67% of the portion deducted from employer is put in the EPF account. The rest (12-3.67 = 8.33%) is put into a pension account.

Since EPF contributions are a percentage of the basic salary (and DA) of an employee, the amount of contribution is directly dependent on the quantum of salary of the employee. Significantly, while this statement is most definitely true, the reverse is not true. Which means if one has a small salary, the EPF kitty can turn out a significant corpus, thanks to the immense force of compounding. Let's check the

calculations. EPF calculator: Basic salary less than Rs 5,000

Let's assume a person starts earning at the age of 23 and retires at the age of 58. Let's assume that he/she gets a basic salary of Rs 4,500. Let's also assume that this individual gets an average salary increment of 5% — a rate that can barely keep pace with retail inflation. The EPF calculator will tell you that the EPF kitty will stand at Rs 28,95,567 (Rs 28.95 lakh) when this person retires. By the way, this calculation assumes that the rate of interest paid by EPFO stands at 8.25% as paid in Fy24.

Now if we assume that this person is able to earn a salary increment of 7.5%, the kitty will swell to Rs 45,00,093 (Rs 45 lakh) in the same period of time. If the rate of increment jumps to 10%, the money in EPF will rise to Rs 73,95,334, or Rs 73.95 lakh.

Income Tax: Be careful of these transactions to avoid taxman's glare

Kolkata. It is well known that the government of India does not encourage ash transactions. However, it is not easy to dispense with cash and millions of millions of people continue to transact in cash. However, one of the obstacles that the government has erected on the path of cash transaction is to limit the use of cash is various transactions. It is significant that one keeps in mind the transactions where one should not try to use a lot of cash.

Experts point to a lot of transactions which are under constant watch by the income tax personnel and if these norms are breached, the taxman can come knocking at your door, which is not a pleasant experience for anyone. Let's have a look at what are these transactions and what are the limits that one need to adhere to.

Banks, AMCs etc asked to report high-value transactions

Income Tax department officials monitor high-value transactions through a statement of financial transaction (SFT).

The government has mandated bodies such as banks, post offices, cooperative societies, credit card issuers, mutual fund houses etc to furnish information about high-value transactions that were registered during a fiscal year by May 31 of the following fiscal year. With the help of this SFT the Income Tax Department can track an individual's financial activities. SFT full form is a Statement of Financial Transactions.

Outlook For Nifty Remains Bullish, Adopt Buy-On-Dips Strategy: Analysts

Among the sector, Nifty Realty, Media and FMCG were top gainers while Nifty IT, Healthcare and Metal sector ended in the red.

Mumbai. The Indian equity benchmarks paused their recent rally last week, with the Nifty ending just above the psychological 25,000 mark. However, the momentum indicators favour the bullish setup next week, according to analysts. While the headline indices showed signs of mild pressure, the broader markets outperformed

index gained 0.8 per cent, and the Smallcap index added 1 per cent, indicating continued buying interest beyond the large-cap

"This suggests that investors are becoming more confident in the market's breadth, often a bullish sign for the overall trend," according to Kailash Rajwadkar of Choice Broking.From a technical standpoint, the Nifty has recently broken out of a Rounding Bottom pattern on the weekly chart, supported by strong volumes—a bullish signal.

"The pattern projects an upside potential toward 28,000 in the short term. Immediate resistance is seen at 26,000-27,000 levels, where partial profit booking may be considered. On the downside, 24,300 and 24,000 are strong support zones; any correction toward these levels should be viewed as a buying opportunity, keeping the broader trend



intact," Rajwadkar mentioned in a note. Momentum indicators also support the bullish setup. The Relative Strength Index (RSI) stands at 61.9 and is trending upwards, indicating growing strength. Furthermore, the Nifty is trading well above its key exponential moving averages — 20, 50, 100, and 200 highlighting sustained positive momentum. This technical alignment continues to favour a buy-on-dips

In the derivatives space, market volatility cooled off slightly, with India VIX dropping 23.49 per cent to 16.55, reflecting a decline in fear and a more stable trading environment.

However, heavy call writing at 25,500 and 26,000 levels signals resistance at higher zones, while strong put writing at 25,000 confirms it as a crucial support. Traders should keep a close eye on the 25,000 level-a sustained hold above it may trigger fresh buying interest, though a risk-managed approach is recommended in the near term," said Rajwadkar.

Bank Nifty closed the week on a steady note, consolidating just below the key 56,000 mark. Despite limited movement in Friday's session, the index held firm above previous breakout levels, reflecting underlying strength in the banking space. The weekly chart shows a breakout from a recent consolidation range, and the price action continues to hold above that breakout zone, signalling potential for further upside.

RBI To Issue Rs 20 Notes With New Governor Sanjay Malhotra's Signature

New Delhi. The Reserve Bank of India (RBI) has announced that it will soon issue 20 denomination 00 000000 banknotes in the Mahatma Gandhi (New) Series, bearing the signature of the new RBI Governor, Sanjay Malhotra, according to an official

The new notes will retain the existing design and features of the current 20 notes in circulation, except for the updated governor's signature. The RBI also clarified that all previously issued 20 banknotes will continue to be legal tender. Sanjay Malhotra was appointed as the RBI Governor effective December 11, 2024, for a tenure of three years.Legal tender refers to coins or banknotes that are legally accepted for the discharge of debts or obligations. According to the Banknotes are printed at four currency



central bank, every banknote issued by the Reserve Bank of India-unless withdrawn from circulation—is legal tender across India for the amount stated on it and is guaranteed by the Central Government, subject to the provisions of sub-section (2) of Section 26 of the RBI Act, 1934. 1 notes issued by the Government of India are also considered legal tender.

presses: two are owned by the Government of India through the Security Printing and Minting Corporation of India Ltd. (SPMCIL), and two are owned by the Reserve Bank through its wholly owned subsidiary, Bharatiya Reserve Bank Note Mudran Private Ltd. (BRBNMPL). The SPMCIL currency presses are located in Nasik (Western India) and Dewas (Central India), while the BRBNMPL presses are located in Mysuru (Southern India) and Salboni (Eastern India). Coins are minted at four mints owned by SPMCIL, located in Mumbai, Hyderabad, Kolkata, and NOIDA. Coins are issued for circulation only through the Reserve Bank, in accordance with Section 38 of the RBI

Aditya Birla Fashion Demerger: Record Date This Week, Check **Ratio & Other Details**

New Delhi. Aditya Birla Fashion And Retail has demerged into two listed entities, aimed at stronger growth trajectories in their niche markets. Aditya Birla Lifestyle Brands Limited (ABLBL) is spinning off from Aditya Birla Fashion and Retail (ABFRL) to cater to different customers.

Last week, shares of Aditya Birla Fashion and Retail Limited settled 0.54 per cent higher to Rs 278.90 apiece.

Aditya Birla Fashion Demerger Record Date Aditya Birla Fashion And Retail Limited's board

has fixed Thursday, May 22, 2025, as the record date for the purpose of determining the equity shareholders of the company who will be entitled to be issued equity shares of ABLBL as per the scheme of arrangement.

Aditya Birla Fashion Demerger Ratio

Shareholders of ABFRL will get shares of ABLBL in the ratio of 1:1. Accordingly, as per the sanctioned Scheme, 1 (one) fully paid-up equity share of ABLBL having face value of Rs. 10 (Rupees Ten) each for every 1 (one) fully paidup equity share of Rs. 10 (Rupees Ten) each of the Company will be issued and allotted by ABLBL to the equity shareholders of the Company holding equity shares as on the Record Date. The said equity shares to be allotted by ABLBL are proposed to be listed with BSE Limited and the National Stock Exchange of India Limited.

ABLBL's portfolio of brands

The new entity Aditya Birla Lifestyle Brands Ltd. now holds some of India's best-known brands in

interest earned from deposits in Lifestyle brands - Louis Philippe, Van Heusen, Peter England, Allen Solly, Simon Carter

Van Heusen innerwear

Youth western wear - American Eagle ABFRL's portfolio of brands

The post-demerger entity ABFRL covers a wide selection of options, ranging all the way from mass appeal and digital-first brands to luxury offerings and designer couture.

Masstige & Value Retail Masstige fashion - Pantaloons

Value fashion – StyleUp Ethnic Brands

Designer led brands - Sabyasachi, Shantnu and Nikhil, House of Masaba, Tarun Tahiliani Premium wear brands - TASVA, TCNS Brands,

Want To Support Your Retired Mother? SCSS Lets You Gift Rs 30 Lakh Without Any Tax

New Delhi. Planning to secure your mother's retirement while looking for an option to save taxes as well. You can gift your senior citizen mother up to Rs. 30 lakhs for investment in the Senior Citizens' Savings Scheme (SCSS) FDR. This regular interest income helps her stay self-reliant in her old age.CA Kinjal Shah, Secretary BCAS has decoded SCSS scheme and its tax implications. Senior Citizens' Savings Scheme

(SCSS) - Key Highlights

SCSS is a government-backed fixed deposit scheme offering assured returns for senior citizens.

- Individuals aged 60 years and above. Individuals aged 55-60 years who have retired under Superannuation, VRS, or Special VRS.

Retired Defence Services personnel aged 50 years and above (excluding civilian employees).

The account can be opened individually or jointly with a spouse. You can Tax Benefits for Senior Citizen

deposit a minimum of Rs 1,000 and a the date of account opening.

The account can be extended for an additional 3 years after maturity. Interest is payable quarterly on the first working day of April, July, October, and January. Interest does not accrue further if it is not claimed.

The account can be closed prematurely after one year, subject to specific conditions.

Interest Income: The interest income

maximum of Rs 30 lakhs, in multiples of Rs 1,000. The tenure is 5 years from

banks, post offices, etc., including Tax Implications Under SCSS Any gift from a son or daughter to their senior citizen mother for investment

in SCSS is tax-free under Section 56 of the Income Tax Act.SCSS accounts can be opened at public and private sector banks or post offices. To open an account, fill out the application form and submit your PAN card, address proof, and passport-size photographs. Deposits below ₹1 lakh can be made in cash, while amounts above ₹1 lakh must be made by cheque. Upon successful submission, an SCSS account will be opened, and a passbook will be provided.

Investment Deduction (Section 80C):

available in the year of investment.

Deduction up to 1.50 lakhs is

is taxable.Interest Deduction

(Section 80TTB): Deduction up to

₹50,000 can be claimed on the total

The Real Cost Of No-Cost EMIs: What You Need To Know For Your Credit Score

Splitting purchases into 'No-Cost EMIs' sounds like a win-win. But if misused, these schemes can lower your credit score and raise red flags for lenders.

New Delhi. No-Cost EMI schemes have become a popular fixture in Indian consumer finance. Whether you're buying a smartphone, a refrigerator, or even paying for a vacation, chances are you've been offered a "No-Cost EMI" Many young professionals and first-time option at checkout. Splitting a high-ticket purchase into monthly payments with no added interest can be a compelling option for managing expenses. This approach may also help in building a credit profile as these transactions are reported to credit

bureaus. However, it's important to be diligent with emi payments as missed payments or deferred interest, can negatively affect your credit

No-Cost EMI schemes can be misleadingly named, as they are not entirely free of cost. Rather than charging the customer interest directly, the interest is typically subsidized by the seller, OEMs, or financing partner, or embedded into the product's price. An example of structure is, dealer

subvention, a practice commonly used in the sale of two-wheelers and consumer durables, where the interest is borne by the dealer or OEM, or adjusted through an advance payment or factored into the cost price.

credit users are attracted to No-Cost EMIs due to easy of access to credit, also as a way to establish or build their credit profile. On paper, this makes sense. Timely EMI payments improve your credit score, especially if you lack a credit



history. Used judiciously, No-Cost EMIs can help you demonstrate repayment behaviour and improve your creditworthiness over time. However, the benefits can backfire under certain scenarios. If you frequently use No-Cost EMI options across different platforms, you could end up with several open loan accounts in your credit report, this will reflect as multiple open credit facilities in your credit report and raise concerns for lenders about your borrowing habits especially if the income does not support the credit exposure. A missed EMI, even

by a few days, can significantly impact your credit score. Since these loans are often of small value, users tend to deprioritise them, assuming that it will have minor impact to their credit profile, this is a costly mistake (eg. Assume, a customer has 3 loans, two consumer loans taken for mobile phone and LED TV and one home loan, if this customer delays payment on their mobile phone EMI, in the credit report it will reflect as 1 out of 3 loans payment is missed and could have a significant impant on the score) . Additionally, applying for

a No-Cost EMI facility, results in hard inquiries on your credit report before approving the transaction. Frequent inquiries within a short time frame can impact your credit score adversely. Since EMIs seem painless, users may commit to multiple EMIs such No-Cost EMI facilities in a short duration. This increases your credit utilization and perceived financial burden, leading to increased leverage which can lower your creditworthiness in the eyes of lenders as one of the matric that is measures.

Free entry to all monuments on International Museum Day: Archaeological body

ASI said that this initiative seeks to deepen public engagement with India's rich cultural legacy and to provide a meaningful platform for people to reconnect with history and heritage.

New Delhi.The Archaeological Survey of India The premier archaeological body also has a (ASI) has announced that the entry to all monuments under its purview and museums across the country will be free on the occasion

of International Museum Day on Sunday, May 18.ASI said that this year, it is offering free access to its network of 52 museums and all the ticketed monuments across the country, which house some of India's most treasured archaeological artefacts - from prehistoric tools and sculptures to mediaeval inscriptions, to encourage wider public participation. This initiative seeks to

deepen public engagement with India's rich cultural legacy and to provide a meaningful platform for

Delhi Launches First Brain Health

New Delhi. Delhi's first dedicated brain health clinic has

been set up at the Indira Gandhi Hospital in Dwarka,

officials said. The clinic, inaugurated by Delhi Health

Minister Pankaj Singh on Saturday, promises "district-

level access" to neurological treatment and

rehabilitation within the next year, they said. Set up

under India's Brain Health Initiative with support from

NITI Aayog and technical partner IHBAS, the clinic

will offer screening and therapy for stroke, epilepsy,

Parkinson's, dementia, migraine and other disorders,

along with counselling and tele-neurology links for

This is not just a facility, it is a mission. Whenever you

face a brain-related problem, come here. Don't hide or

delay treatment. Similar centres will be opened in every

Neurological conditions are already the world's second-

biggest cause of death and the leading cause of

disability-adjusted life years (DALYs), the statement

said.Delhi plans to replicate the Dwarka model across

all the 11 districts in the capital, combining clinics with

lifestyle-modification counselling and caregiver

support, while IHBAS will train the staff and monitor

Two brothers arrested for

extortion bid in West Delhi

NEW DELHI. A 35-year-old man, who reportedly

suffered a financial loss of Rs 80 lakh in his artificial

jewellery business, has been arrested along with his

brother for allegedly attempting to extort money from a

friend in West Delhi. The duo sent a threatening letter

containing empty cartridges and photographs of the

The accused, Rohit Nagpal (35) and his brother Sagar

(30), residents of Rajan Babu Road in Adarsh Nagar, are

alleged to have hatched a plan to extort money from

On May 13, the victim received a courier at his home

containing two photographs of his wife and son, along

with two empty cartridges and a letter demanding a

The letter also threatened harm to the family if the

payment was not made. Upon receiving the letter, the

victim registered a complaint."During questioning,

Rohit, who was a close friend of the complainant,

confessed to being behind the extortion attempt. He

explained that he and his brother were struggling to

repay a loan of Rs 80 lakh," DCP (west) Vichitra Veer

Delhi University to implement

NEW DELHI. Delhi University (DU) is set to introduce a uniform policy to determine the seniority of college teachers, aiming to promote transparency and eliminate confusion in faculty appointments and

promotions. The proposal is slated for final approval at the Executive Council (EC) meeting on May 23, chaired by Vice-Chancellor Yogesh Singh. The lack of a clear framework, particularly for Assistant

Professors (Level 10), has led to ambiguity in

promotions and nominations for academic and

To address this issue, a high-level committee was

formed in July 2024. Led by the Dean of Colleges, the

committee included college principals, Executive and

Academic Council members, as well as

representatives from SC, ST, and OBC communities.

After five meetings and a comprehensive review of

Ordinance XI, the committee presented its

The proposed policy stipulates that departments with

earlier appointments will be deemed senior. In

departments without a unified seniority list, age will

be used to determine seniority, ensuring equal

statutory committees across DU colleges.

uniform seniority policy for

teachers

recommendations.

their victim, a businessman based in Punjabi Bagh.

victim's family, police said on Saturday.

large sum of money in US dollars.

follow-up care, a statement said.

district," Singh said.

the outcomes, it said.

Clinic In Dwarka, Plans 10 More

people to reconnect with history and heritage, an ASI statement said.

dedicated Museum Wing which deals with the maintenance and management of 52 museums, which include Sarnath (1910) being the earliest

that the displayed objects don't lose their context and may be studied by researchers and

Recently, India's first underground museum at the World Heritage Site of Humayun's Tomb was inaugurated, along with the Virtual Experiential Museum at Man Mahan Observatory in Varanasi and the Archaeological site of Lalitagiri in Odisha.

The ASI also said that its Site-Museums are being upgraded to facilitate the needs of every section of society and modern interventions like AR-VR are also being incorporated to ensure a holistic experience for visitors. Having a nationwide reach with 3,698 protected monuments and

sites and 52 museums, ASI's 26 sites are in UNESCO's World Heritage list.



in the series of Archaeological Site Museums in the country. The concept of Archaeological Site Museums came up to preserve and display the

Why ISRO's EOS-9 Satellite Launch Failed

New Delhi. Indian Space Research Organisation's (ISRO) 63rd PSLV launch to put the EOS-9 surveillance satellite in orbit could not be accomplished as the launch failed during the third of four stages due to a fall in pressure. The space agency said the on Sunday morning that an anomaly during the solid fuel stage was observed after successful first and second stages, minutes after PSLV's lift-off from the Satish Dhawan Space Centre in Sriharikota at 5.59 am. This was the agency's 101st mission launch from Sriharikota.

ISRO's workhorse rocket Polar Satellite Launch Vehicle's (PSLV) launch failed due to a fall in chamber pressure, the space agency's chairman V Narayanan, instrumental in determining the cause of Chandrayaan-2 lander failure in 2023, said. "Today we targeted the 101st launch from Sriharikota, the PSLV-C61 EOS-09 mission. The PSLV is a four-stage vehicle and up to the second stage, the performance was normal. The third stage motor started perfectly but during the functioning of the third

stage we are seeing an observation and the mission could not be accomplished," Mr Narayanan said.

'There was a fall in the chamber pressure of the motor case and the mission could not be accomplished. We are studying the entire performance, we shall come back at the earliest," Mr Narayanan said post the unsuccessful launch. During the third stage, a solid rocket motor provides the upper stage with a high thrust after the atmospheric phase the launch.As per standard procedure, ISRO's internal failure analysis committee and the government's external committee are now expected to probe the failure of the PSLV, considered a reliable rocket that launched the Chandravaan and Mangalyaan missions. The conclusions of these committees' findings are usually expected in a few

On board the rocket was the Earth Observation Satellite - 9 (EOS-9), designed to provide continuous and reliable remote sensing data for operational applications across various sectors. Had it been placed into orbit 500 kilometres above the Earth's surface, it would have enhanced India's surveillance capabilities shortly after a ceasefire brought cross-border tensions to a halt. Though EOS-9 was not put into orbit today, four radar satellites and eight cartosats continue to maintain vigil. EOS-9, however, had the capability to continue surveillance in all weather conditions and at night owing to its Synthetic Aperture Radar (SAR). Apart from maintaining a hawk's eye along India's borders, it would have been vital for applications ranging from agriculture and forestry monitoring to disaster management, urban planning and national security.

Ashoka University professor arrested over social media post on Operation Sindoor

New Delhi. An associate professor and for Colonel Sofia Qureshi and news agency PTI that the professor was head of the Political Science department at Ashoka University in Haryana has been arrested over a social media post related to Operation

Sindoor, India's retaliatory action against Pakistan following the Pahalgam terrorist attacks.

The professor, Ali Khan Mahmudabad, was taken into custody in Delhi after a complaint was filed by a member of the BJP's youth wing. The Haryana State Commission for Women had also issued a notice to him regarding his

remarks. The Commission's notice 'applause from right-wing supporters"

also advocate for victims of mob Operation Sindoor. lynchings and the "arbitrary" The arrest has sparked an online debate, demolition of homes. Mahmudabad,



however, has said that his comments were misinterpreted.

suggested that the same people should arrested over his remarks related to

several political leaders and

academics voicing support for the professor. AIMIM chief Asaduddin Owaisi condemned the move, stating that the professor's post was neither anti-national nor misogynistic, and accused the police of targeting individuals for expressing their opinion.

Jtterly condemnable. If true, Haryana police reportedly arrested him from Delhi, violating legal process. This targets an individual for his opinions; his post wasn't anti-

national or misogynistic. A mere complaint by a BJP worker made Haryana police take action," Owaisi

Goa is for yoga, cows, not pleasure: Chief Minister Pramod Sawant



New Delhi.Goa Chief Minister Pramod Sawant said that Goa is more of a "yog bhoomi" (land of devotion and yoga) and "go-mata bhoomi" (land of cows) than a "bhog bhoomi" (land of pleasure), asserting that the coastal state is attracting more people for its temples and culture than for its "sun, sand, and sea.""Earlier, whenever people used to come to Goa, they used to think that this is bhog bhoomi (land of pleasure). But, this is not bhog bhoomi, it is yog bhoomi (land of devotion and yoga) instead. This is go-mata bhoomi...Over here, there is the ashram of Sanatan Sanstha as well," said Chief Minister Sawant, addressing the opening ceremony of 'Sanatan Rashtra Shankhnad Mahotsav' on Saturday.

Referring to the legend of Lord Vishnu's avatar, Lord Parashuram, creating Goa by shooting an arrow into the Arabian Sea and causing it to recede, Chief Minister Sawant said: "This is Lord Parshuram's land." Chief Minister Sawant was speaking at the 83rd birth anniversary of Sanatan Sanstha's founder, Jayant Athavale. Sawant said that the state's clean and beautiful temples are drawing more people than its beaches."In the past, people visited Goa to witness sun, sand, and sea. That has changed now. Tourists are arriving here to experience our rich culture and grand temples," he said, as reported by news agency PTI.He further mentioned that the temples in Goa are not managed by the government but by local communities who have upheld centuries-old rituals and customs.

India blocks land route for several Bangladeshi goods, hits textile trade

NEW DELHI. In a tit-for-tat move, India has banned imports of several items from Bangladesh via land routes, dealing a severe blow to Dhaka, which already has a massive trade deficit with Delhi amounting to USD 9.2 billion for the fiscal year ending March 2024.

As per a notification sent by the Commerce Ministry, dated May 17, imports from Bangladesh will only be allowed through Mumbai's Nhava Sheva and Kolkata's seaports. Several items like fruits, fruitflavoured and carbonated drinks, processed food items, wooden furniture, plastic, dyes, cotton and cotton yarn waste, among others, have been included in the list.

Imports of these products through the land customs check posts in Assam, Meghalaya, Tripura, Mizoram and Changrabandha and Fulbari in West Bengal have now been barred.

However, fish, edible oil, LPG and crushed stones have been exempted from the list. This latest move will make Bangladeshi goods even more expensive, acting as a disincentive for Indian importers.Bangladesh -- a major exporter of textiles and readymade garments will now be unable to send these goods via land routes, severely impairing Dhaka's export

Last month, the Narendra Modi government pulled the plug on the transshipment facility that had allowed Bangladesh's export cargo to flow smoothly to other countries like Bhutan, Nepal and Myanmar. Days later, Bangladesh stopped its import of yarn -- which forms 30 per cent of Delhi's textile exports to Dhaka -through Benapole, Bhomra, Sonamasjid, Banglabandha and Burimari land ports.

Meanwhile, Bangladesh's Chief Adviser Muhammad Yunus called for "an integrated economic plan for Bangladesh, Nepal, Bhutan, and the Seven Sisters" last week. This proposal came two months after Yunus urged China to extend its economic footprint not only to Bangladesh but also to India's seven northeastern states.

included excerpts from Mahmudabad's post, in which he questioned the

Assistant Commissioner of Haryana Police (ACP) Ajeet Singh confirmed to

Justice, Not Revenge": Indian Army **Shares New Operation Sindoor**

...The Indian Army shared fresh visuals of military action carried out under **Operation Sindoor,** calling it justice for the Pahalgam attack.

New Delhi. The Indian Army shared fresh visuals of military action carried out under Operation Sindoor, calling it justice and not revenge for the Pahalgam attack in which 26 civilians were killed.

The video shared on the Army's Western Command X handle showed military This comes on a day the Indian Army said

firing and shelling on Pakistani territory as part of the strikes on May 7 and later. A soldier can be heard saying, "This (Operation Sindoor) started with the Pahalgam attack. It is not anger but a resolve to teach a lesson that will be remembered in the future. It is justice, not revenge."

In the video captioned as "Planned, trained and executed", the soldier is heard saying that all Pakistani posts

from where firing was initiated were decimated.As cross-border tensions continued after May 7 Operation Sindoor, in which nine terror targets in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir were struck, a ceasefire was reached between the two countries on May 10. New Delhi said trade with Pakistan and the Indus Water Treaty would continue to remain in abeyance.



no meeting of the Directors General of Military Operations (DGMO) of India and Pakistan was scheduled for Sunday, adding that the ceasefire between the two countries continues.

A defence ministry statement said, "Some media houses are reporting that the Ceasefire between India and Pakistan is ending today. In addition, queries are also being received if a DGMO-level talk is scheduled today? The response is as

under:- No DGMO talks are scheduled today. As far as continuation of a break in hostilities, as decided in DGMOs interaction of 12 May is concerned, there is no expiry date to it."

The Centre also announced a list of fifty-one political leaders, parliamentarians and former ministers from various political parties who will be part of the seven delegations travelling to

world capitals to put across India's resolve to tackle terrorism against the backdrop of Operation Sindoor. The delegations led by Baijayant Panda, Ravi Shankar Prasad (both BJP), Sanjay Kumar Jha (JDU), Shrikant Shinde (Shiv Sena), Shashi Tharoor (Congress), Kanimozhi (DMK) and Supriya Sule (NCP-SP) will visit a total of 32 countries and the EU headquarters in Brussels, Belgium.

treatment of first-ranked candidates from different categories. This approach will be applied until all ranks are covered. Additionally, the policy introduces parallel seniority lists within categories, ensuring clarity without altering overall rankings. This system is designed to uphold constitutional reservation provisions and guarantee fair representation in university governance.

Monday, 19 May 2025

Estonian businessmen among 5 dead as two helicopters collide midair in Finland

world. Two helicopters collided in mid-air over the western Eura province of Finland on Saturday, killing all five on board, Finnish news outlet Helsinki Times reported. The helicopters crashed to the ground after the collision. Finnish police said that five people were on board the two helicopters, and there were "several fatalities." The authorities are yet to determine the victims and the complete details of the event.

Estonian tycoons Oleg Snajalg, a wind energy pioneer, and Priit Jaagant, construction firm chairman, died in the accident. The accident occurred close to Eura airport, within the area that British helicopter squadrons had been deployed recently for military manoeuvres in late April. Finnish General Staff verified that no Finnish Air Force or foreign military aircraft were involved. The helicopters were civilian and were said to be carrying businessmen who flew from Estonia.

HELICOPTERS' FLIGHT PATH AND WITNESS ACCOUNTS

Local media reported that one helicopter had three passengers, and the other had two. Both the helicopters departed from Tallinn, the capital of Estonia, and were on their way to Piikajarvi Airport in Kokemaki, some 15 kilometers from Eura airport.

As India expels illegal Bangladeshi immigrants, Dhaka claims 'push-ins' at border

Dhaka. Bangladesh Home Affairs Adviser Lieutenant General (Retd) Md Jahangir Alam Chowdhury on Saturday said that Indian nationals found staying illegally in the country will be repatriated through proper diplomatic channels. The adviser made these remarks after inaugurating the third floating Border Outpost in Satkhira, news agency Bangladesh Sangbad Sangstha (BSS) reported.Bangladesh does not engage in "push-ins like India but believes in resolving issues through diplomacy", Chowdhury said, according to The Dhaka Tribune newspaper.

Bangladesh has always abided by international laws and protocols," he said. "The Ministry of Foreign Affairs has already written to India regarding the matter. Foreign Affairs Adviser Touhid Hossain and National Security Adviser and Chief Adviser's High Representative on Rohingya Affairs Khalilur Rahman are maintaining diplomatic communication on the issue," he added.

He said that India has been informed that if any Bangladeshi citizen is residing in India illegally, they should be returned through proper channels.

Similarly, if any Indian nationals are found to be staying in Bangladesh without authorisation, they will be repatriated following legal procedures, he said. He added: "We have requested the Indian side not to conduct push-ins but to follow formal repatriation procedures."The adviser claimed that on Friday, an attempt was made by India "to push in individuals along the Brahmanbaria border, which was foiled with the help of the Border Guard Bangladesh (BGB), Ansar members, and local residents"."If the local community remains united and vigilant, such push-ins can be resisted," the

Handshake power play? Turkey's Erdogan grabs Macron's finger mid-talk



vorld. Turkish President Recep Tayyip Erdogan not letting go of his French counterpart Emmanuel Macron's fingers during the European Political Community (EPC) summit in Albania has left social media commentators amused. Many wondered whether the finger-grabbing gesture was Erdogan's subtle display of power play, even catching Macron off guard. In the video, which has now gone viral, Erdogan is seen grabbing Macron's hand and patting it. Things take a curious turn when an unsuspecting Macron extends his other hand to Erdogan. As Macron tries to free his hand, Erdogan -- while exchanging a few words -- holds on to the French President's index finger.

The next 13 seconds appear uncomfortable for Macron as he stands there talking and trying to free his hand, with Erdogan silently holding his finger while seated, before eventually letting it go.

Since the video has gone viral, many have started speculating about Erdogan's body language during the brief interaction captured in the footage.

According to a Turkish media outlet, Erdogan reacted in that manner as "Macron tried to establish psychological superiority by putting his hand" on the Turkish President's shoulder."But Erdogan did not allow it, he held his finger tightly and did not let go," the Turkish media outlet added. The EPC summit saw the representation of leaders from 47 countries on Friday. The summit aimed to boost regional security ties and strengthen political stability across Europe. However, it will be remembered for several unique moments.In another standout instance, Albania's Prime Minister, Edi Rama, bent on one knee and greeted Italian Prime Minister Giorgia Meloni with a 'namaste' -- winning the hearts of many online with his respectful gesture.

Donald Trump tells Walmart to 'eat the tariffs,' not raise prices

President Trump told Walmart to "eat the tariffs" instead of raising prices. He criticised the retailer for blaming import taxes and said it should use its profits to avoid passing costs to shoppers. Walmart says it's trying to keep prices low.

world.US President Donald Trump blasted Walmart and saying "eat the tariffs" instead of passing the cost on to American consumers. Trump took to social media on Saturday, accusing Walmart of blaming his administration's import

duties for price hikes. He asked the company to absorb costs itself."Walmart should STOP trying to blame Tariffs as the reason for raising prices throughout the chain," Trump wrote on Truth Social. "Walmart made BILLIONS OF DOLLARS last year, far more than expected. Between Walmart and China they should, as is said, 'EAT THE TARIFFS,' and not I'll be watching, and so will your customers!!!"Trump spoke after Walmart announced on Thursday that prices on many items like groceries and children's car seats might increase soon. Walmart's warning came in defiance of the government's move to lower tariffs temporarily for Chinese imports. Walmart CEO Doug McMillon said during the company's earnings call, "We can control what we can control. Even at the reduced



levels, the higher tariffs will result in

higher prices.' charge valued customers ANYTHING. The company expects these price increases

to take effect later this month. WALMART SAYS IT'S DOING ITS BEST TO KEEP PRICES LOW

A Walmart spokesperson responded to Trump's criticism, telling CBS News that the company is committed to keeping costs down for shoppers. "We'll keep prices as low as we can for as long as we can given the reality of small retail margins," the spokesperson said. "We

David Rainey, described how despite price control efforts, certain products are becoming more costly to manufacture. He indicated that a \$350 car seat produced in China could soon be an additional \$100 higher because of tariffs."We're wired to keep prices low, but there's a limit to what we can bear, or any retailer for that matter," Rainey told The Associated Press. Walmart is not alone in dealing with tariff headwinds. Other large companies, like Amazon and Apple, have also been hit by supply chain issues and rising costs. Numerous companies have lowered their annual estimates due to consumers reducing spending in reaction to higher prices. Trump had promised that tariffs would mostly be paid by foreign countries, not US businesses or

Who are Oleg Sõnajalg and Priit Jaagant, business tycoons died in helicopter crash?

world. A midair collision between two helicopters near Eura airfield in Finland has resulted in the deaths of five individuals, including two of Estonia's prominent business figure -- Oleg Snajalg, 58, a wind energy pioneer, and Priit Jaagant, 52, an Estonian business executive. The aircraft, both lightweight four-seater helicopters, were en route from Tallinn to a private aviation gathering in Finland when the fatal collision occurred. Estonian businessman Vaino Kaldoja, founder of Silberauto, confirmed the involvement of the two men to the local media."Priit Jaagant had his own helicopter and Oleg Oleg Snajalg was often seen in the Snajalg had his. They collided with each other," Kaldoja said.

According to authorities, five people were aboard the two aircraft-three in one and two in the other. Estonian public broadcaster ERR, citing initial information from the country's foreign ministry, reported that no one survived the crash.

OLEG SNAJALG: WIND ENERGY PIONEER AND ENTREPRENEUR Oleg Snajalg, along with his brother Andres, played a key role in propelling



Estonia towards renewable energy. Their company, Eleon, was behind the development of the Aidu wind farm, which marked a big step for the nation's wind power sector.

Estonian media, not just for his business ventures but also for speaking openly about personal matters. He used to piloting the aircraft often. He was operating a Robinson R44 registered as ES-ETR at the time of the crash.

PRIIT JAAGANT: CHAIRMAN OF **MAPRIEHITUS**

Priit Jaagant was the head of Mapri Ehitus, the largest construction group in Estonia. His firm also confirmed his and his wife, Lilit Jaagant, who was We regret to inform you that today, at noon on May 17, two Estonian helicopters crashed in Finland, killing Priit Jaagant, the chairman of the board of one of Estonia's largest construction company groups, Mapri, and his wife Lilit Jaagant. According to unconfirmed reports, there are no survivors," the company

The second helicopter involved in the crash was an Austrian-registered Robinson helicopter with the registration OE-XOS. Jaagant, who had no official aviation background, was said to be flying his aircraft.

Emergency crews responded quickly. One of the helicopters was said to have burst into flames upon impact, aiding rescuers in finding the location. The area was secured by the Finnish Defence Forces, and a full investigation is currently being led by the National Bureau of Investigation (NBI) into why the helicopter crashed. Organisers of the Piikajrvi Airfield, the

site of the crash, said that the two helicopters belonged to a fleet of about 20 aircraft and 50 participants flying from Estonia for a weekend aviation

agent drops bombshell

world.A former FBI agent has claimed that Russian intelligence targeted billionaire and Donald Trump's close aide Elon Musk for blackmail, using his interests in sex and drugs to possibly influence him. The former Counterintelligence agent, Jonathan Buma, made the claim during a documentary aired by German broadcaster ZDF.

Russian spies targeted Elon

Musk using sex, drugs: Ex-FBI

Buma said that Musk and PayPal co-founder Peter Thiel were under scrutiny by Russian spies after the war in Ukraine began. He added that secret information was collected to potentially use against them, if needed."Musk's susceptibility to promiscuous women and drug use, particularly ketamine were seen by Russian intelligence as an opportunity for an agent to exploit," Buma stated in the documentary. He also noted that Musk's love for events like Burning Man, adult entertainment, and gambling made him even more vulnerable to such spy attempts.

Buma spent 16 years in the FBI before he was arrested in March for leaking confidential information to a publishing house. He was indicted on one count of "Disclosure of Confidential Information" and freed

DID PUTIN KNOWABOUT THE OPERATION?

According to Buma, Russian President Vladimir Putin was aware of the plans. "The agents would not have gotten involved in the blackmail plot had the Russian president not known about the action and approved it," he said. However, Buma did not share the source of his information.

'Musk's susceptibility to promiscuous women and drug use, particularly ketamine were seen by Russian intelligence as an opportunity for an agent to exploit," said ex-FBI agent Jonathan Buma. The Wall Street Journal had earlier reported that Musk and Putin have been in contact since 2022, the year Russia invaded Ukraine. This link raised questions regarding the control Russia would seek to have over influential American businessman.

MUSK'S TIES WITH UKRAINE

Musk's stature dipped in the US, and his businesses, including Tesla, have struggled financially. He announced he would take a step back from his position as chair of DOGE (Department of Government Efficiency) to concentrate more on

Lufthansa flight flew unattended for 10 minutes after co-pilot fainted: Report

world.A Lufthansa flight from Frankfurt, Germany, to Seville, Spain, was left without a pilot in control for nearly 10 minutes after the co-pilot fainted while alone in the cockpit. According to a report by the Spanish air accident investigation authority CIAIAC, the co-pilot of the Airbus A321 lost consciousness on February 17, 2024, when the captain stepped away to use the restroom. The aircraft, which was carrying 199 passengers and six crew members, flew for around 10 minutes without a pilot in HOW DID UNCONSCIOUS COcommand of the plane, according to the

Lufthansa told dpa that it was aware of the investigation report and that its own flight safety department had also



conducted an investigation. The company didn't disclose its results, dpa said.

PILOT APPARENTLY OPERATE Although the unconscious co-pilot apparently operated controls unintentionally, the aircraft was able to continue flying in a stable manner

thanks to the active autopilot. During this time period, the voice recorder recorded strange noises in the cockpit that were consistent with an acute health emergency, dpa reported.

The captain initially tried entering the regular door opening code, which triggers a buzzer in the cockpit so that the co-pilot can open the door. He did so five times without being able to enter the cockpit. A

stewardess tried to contact the co-pilot using the onboard telephoneFinally, the captain typed in an emergency code that would have allowed him to open the door on his own. However, shortly before the door opened automatically, the co-pilot opened it from the inside despite being ill, dpa reported.

Bomb blast near California clinic kills one; FBI calls it act of terrorism

A bomb exploded near a fertility clinic in Palm Springs, killing one and injuring at least five. The FBI has called it an intentional act of terrorism. The FBI and ATF are investigating the cause.

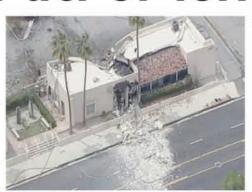
world. An explosion near a health clinic in Palm Springs, California, resulted in the others injured on Saturday. The FBI called the incident an "intentional act of terrorism". The assistant director of the CLINIC SUSTAINS DAMAGE FBI's Los Angeles field office, Akil Davis, Dr. Maher Abdallah, who runs the American said that authorities have a person of

interest in the investigation.

The person killed was found close to a vehicle that had been completely destroyed outside the clinic run by American Reproductive Centers, Davis stated. The blast occurred around 11 AM local time near the intersection of North Indian Canyon Drive and East Tachevah Drive."Make no mistake, this is an intentional act of terrorism," Davis said, adding the FBI would determine if it was an act of "international terrorism or a domestic terrorism."The Bureau of Alcohol, Tobacco, Firearms and Explosives (ATF) and the FBI have assisted in investigating the incident and were sent to the scene to help local law enforcement agencies.

death of one person and left at least five The aftermath video shows thick black smoke rising from the clinic as firefighters work to put out the fire.

Reproductive Centres fertility clinic,



confirmed that his clinic was damaged. He told The Associated Press in a phone interview that all of his staff were safe and accounted for. The explosion damaged the practice's office space, where it conducts consultations with patients, but left the IVF lab and all of the stored embryos there unharmed."I really have no clue what happened," Abdallah said. "Thank God today happened to be a day that we have no patients.'

Aerial footage showed a burned-out car in a parking lot behind the building that housed the fertility clinic's office space. The blast caved in the building's roof and blew a wide debris field across a sidewalk and four lanes of the street on the other side of the structure.Rhino Williams, 47, was chatting with customers at a restaurant he helps manage inside the Skylark Hotel just over a block away from the scene when he heard a huge boom. Everything rattled, he said, and Williams - who has a background in aviation - immediately sprinted to the scene to see if anyone was in need of help, thinking a helicopter might have crashed.

Williams saw a large dark grey plume of smoke and covered his nose with his shirt as he smelled burning plastic and rubber. He said he saw a building had "blown out" into the street, with bricks and debris scattered everywhere, and spotted a car's front axle on fire in the building's parking

Monday, 19 May 2025

IPL 2025: How KKR collapsed right **Ageless James Anderson** stars with double wickets on after their title-winning season **County Cricket comeback**



New Delhi. James Anderson marked his much-anticipated return to competitive cricket by claiming two wickets for 24 runs for Lancashire in their County Championship fixture against Derbyshire on May 17. The veteran seamer's performance played a key role in putting Lancashire in control on Day 2 of the match at Old Trafford. Making his first appearance of the season after recovering from a calf injury, Anderson wasted little time reminding fans of his class. Despite conceding three boundaries in his opening over, the 42-year-old struck with his 18th delivery, removing Caleb Jewell to break Derbyshire's opening partnership. He later dismissed David Lloyd, further denting the visitors' innings and reducing them to 112/4 - still trailing Lancashire's first-innings total of 458 by a considerable margin.

This outing marked Anderson's first competitive match since his international farewell against the West Indies last June. Earlier this year, he signed a one-year contract extension with Lancashire, committing to red-ball cricket following the end of his England career.

The Old Trafford crowd greeted his return with a warm standing ovation, and Anderson responded in kind with a typically precise and effective spell. Though now part of England's coaching setup as a bowling consultant, Anderson has been vocal about his desire to continue contributing on the field. With 1,100+ first-class wickets to his name, the County Championship's most prolific bowler showed once again why he remains an invaluable asset for Lancashire.

I am surprised: Sourav Ganguly shocked after Virat Kohli's Test retirement



New Delhi. The Indian cricket team is reeling from the sudden retirements of two of its most iconic players, Rohit Sharma and Virat Kohli, from Test cricket. This unexpected move has created a massive void in the team. leaving many to wonder who will fill their

Back on May 7, the 38-year-old Rohit hung his boots from the purest format. On May 12, it was Kohli's turn to bid goodbye to Test cricket. Both players retired with India set to start their campaign in the 2025-27 World Test Championship with the five-match Test series in England.

Former Indian captain Sourav Ganguly shared his thoughts on the retirements, saying, "Playing or leaving is your own decision. Both Virat and Rohit have left the game of their own free will. Both of them have had incredible careers." While Rohit's retirement may not be surprising, Ganguly expressed his surprise at Kohli's decision, stating, "Yes, I am surprised."With Rohit Sharma's retirement, the big question on everyone's mind is: Who will lead India in Test cricket? Ganguly acknowledged the challenge, saying that it's a tough decision and believed the selectors will choose the next skipper based on their deep understanding of the team's needs and the demands of the longest format."The selectors will take decisions as per their understanding. A lot must be thought about in terms of captaincy. Longterm thinking. Many are talking about Jasprit Bumrah. There are concerns about his injury. We will have to think about everything together," he said.

Meanwhile, the Indian Premier League is back in full swing. The match between Royal Challengers Bangalore and Kolkata Knight Riders in Bengaluru was abandoned due to rain, but the spotlight is already shifting to the IPL final, scheduled for June 3. Although Eden Gardens in Kolkata was initially set to host the final, rumours are swirling that the venue may be shifted to Ahmedabad. Ganguly, however, remains optimistic about Kolkata hosting the final. The final cannot be removed so easily! Efforts are underway to conduct the finals here by CAB. Nothing will be achieved by protesting and marching. Talks are ongoing with the board. CAB is having a great relationship with BCCI. Everything will be fine. I am optimistic, the final will be here," Ganguly said.

Kolkata Knight Riders were eliminated from IPL 2025 after a rainout capped off a disappointing season marked by poor team decisions and underperformance. The franchise now faces pressure to overhaul its squad and

leadership.

New Delhi. Defending champions Kolkata Knight Riders' Indian Premier League campaign was ended by rain on Saturday, May 17, at the M. Chinnaswamy Stadium. KKR, playing their 13th league stage match of the tournament, needed a win to stay alive in the competition, but it was not to be, as the rain refused to stop in Bengaluru.It felt fitting that even the gods didn't wish to see this KKR team in action—a side that made some odd decisions throughout the season. The Ajinkya Rahane-led team looked like a

shadow of the unit that dominated the competition in 2024.

KKR's record of 5 wins, 6 losses, and 1 no result from 13 matches stands in stark contrast to their fortunes last season, when they won 9 and lost only 3 games. And that hasn't come as a major surprise, given how the team was set up this year.

The franchise broke up their successful opening combination of Phil Salt and Sunil Narine, who were prolific in 2024. That opening pair consistently set the pace in games, giving the lower order the cushion to occasionally fail without hurting the team.

However, with Salt gone, KKR needed their other top-order batters to step up-something that unfortunately didn't happen. The team stayed rigid with its batting order, delaying the entry of hitters like Andre Russell, Rinku Singh, and Ramandeep Singh. That lack of flexibility showed in their middling scores this season.

What didn't help was the prolonged poor form of Venkatesh Iyer, who has scored just 142 runs in 11 matches so far. Iyer, the most expensive player (?23.75 crore) in KKR's history, insisted that he didn't feel any



pressure from the price tag, but that seemed increasingly unlikely as his performances dwindled.

The exit of Shreyas Iyer

"Shreyas Iyer was not given the credit he deserved after KKR won the IPL 2024," fumed Sunil Gavaskar after the team's exit from the Indian Premier League.Gavaskar criticised the narrative built around KKR's 2024 success, where most of the praise went to Gautam Gambhir. Since leaving the franchise, Iyer has led Punjab Kings to a sensational season in IPL 2025, thriving in an environment of trust and belief under Ricky Ponting. On the other hand, both Gambhir and KKR have struggled in their respective roles."He didn't get the credit for the IPL victory last season. All the plaudits were given to someone else. It's the captain who plays a major role in what's happening in the middle, not someone sitting in the dugout. See, this year he's getting fair credit. No one is giving all the credit to Ricky Ponting," Gavaskar said on Star Sports after KKR's exit.

he reality is that before winning the Champions Trophy 2025, Gambhir's position as India coach was under threat. While that pressure has eased

for now, the same can't be said for KKR, whose decision to change leadership and appoint Ajinkya Rahane has completely backfired.

Time for a rejig

After their brilliant run in IPL 2024, KKR were forced to part ways with mentor Gautam Gambhir and batting coach Abhishek Nayar, two long-serving members of the franchise. The abrupt change caught the team off guard, as new relationships had to be built between players and coaches. That disruption directly contributed to poor planning and execution, especially in the batting order.

Pep Guardiola avoids Dean Henderson VAR question after Crystal Palace defeat

Crystal Palace stunned Manchester City to clinch their first-ever major trophy, with a controversial VAR call and a heroic Dean Henderson performance playing pivotal roles in a dramatic FA Cup Final at Wembley.

New Delhi.Manchester City manager Pep Guardiola refused to comment on the controversial VAR (Video Assistant Referee) decision that went against his side during their 1-0 defeat to Crystal Palace in the FA Cup Final. The incident in question involved Palace goalkeeper Dean Henderson, who appeared to handle the ball outside the penalty area in the 26th minute while attempting to intercept a pass



intended for City striker Erling Haaland. However, following a VAR review, the decision was given in favour of Henderson. When asked about the incident post-match, Guardiola declined to share his views, instead suggesting that such questions be directed towards the referees. Crystal Palace made history by lifting their first-ever major trophy in 120 years, courtesy of a 16th-minute goal from Eberechi Eze. Despite being dominated in terms of possession, Palace managed to hold firm against City's star-studded attack.

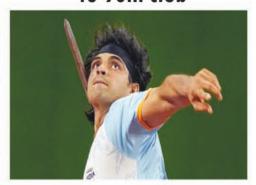
"Don't ask me, ask the VAR and the referee" Guardiola said post-match.Guardiola also shared his take on Dean Henerson wasting time whenever he recieved the ball, which

left a lot of City fans and players irritated, specificlly after conceeding the goal in the 16th minute."Listen, he defended his position, we defended our position. I understand in the last minutes, but since the first or second minutes? He's British, you know, in the English football, you have to play," Guardiola said.

'I'm sorry, everyone can do whatever they want. We have to score goals. We didn't lose because Henderson was time-

But it's a question of rhythm for the New Delhi. Former Olympic champion players,"he added.Henderson emerged as one of the key figures in the match. Besides the contentious moment, he made several crucial saves - most notably denying Omar Marmoush from the penalty spot in the 36th minute. The former Manchester United goalkeeper went on to reveal the overvioew of the conversation he had with Guardiola at full-time, and even his sly added-time dig at the City manager."I just went to shake his hand but obviously I think he was disappointed with the time wasting. I said, 'You got the 10 minutes [of added time] that you wanted.' No hard feelings," Henderson

Neeraj Chopra hits 90.23: 2016 Olympic champion welcomes India athlete to 90m club



Thomas Rohler welcomed Neeraj Chopra to the 90m club after the Indian athlete delivered a stellar performance at the Doha Diamond League.On Friday, Neeraj crossed the 90m mark for the first time in his career, surpassing his previous best of 89.94m set at the 2022 Stockholm Diamond League.

In Doha, the 27-year-old recorded a throw of 90.23 metres, although it wasn't enough to secure the top spot. Germany's Julian Weber clinched first place with a throw of 91.06 metres. Rohler, the gold medallist at the 2016 Rio Olympics, praised Neeraj for his outstanding achievement.Rohler wrote, "Welcome to the 90m+ club."

Rohler, who won the gold medal in Rio with a throw of 90.30 metres, had previously bested Kenya's Julius Yego (88.24m) and Trinidad and Tobago's Keshorn Walcott (85.38m) at the 2016 Olympics.

Notably, Rohler's personal best came at the

Jasmine Paolini beats Coco Gauff to end 40year wait for home winner of Italian Open

New Delhi. Jasmine Paolini scripted history on Saturday, becoming the first Italian woman in 40 years to win the singles title at the Italian Open with a commanding 6-4, 6-2 win over world No. 3 Coco Gauff.Roared on by a passionate home crowd at the Foro Italico, the 29-year-old from Tuscany produced a composed and confident performance to secure the biggest claycourt title of her career and her second WTA 1000 crown, following her victory in Dubai last year. Paolini is the first Italian to lift the trophy in Rome during the Open Era. The last to win the women's title was Raffaella Reggi in 1985, when the tournament was held in Taranto."It's pure joy to have this trophy in my hands here in Rome at home," Paolini said. "Really happy about it and grateful, as well."i, ATP Finals,



Australian Open and Rome.

"Congrats for the amazing week Coco. You reached finals so you're playing great. You are such a great player and a great person," Paolini said.Paolini, who will return to a career-high world No. 4 ranking on Monday, took early control of the final, edging a tight first set in 54 minutes before racing to a 3-0 lead in the second. She sealed the match in

just under 90 minutes. Gauff, the reigning U.S. Open champion, struggled with consistency, committing 55 unforced errors, while Paolini remained steady, winning 76% of her first-serve points. Gauff had been in strong form throughout the week, beating Zheng Qinwen, Mirra Andreeva, and Emma Raducanu, but was unable to match Paolini's level in the final.[Paolini] forced me to play that way," Gauff said after the match. "Maybe I could have served better and put more balls in the court, could play better. I definitely could and can. But she played to win today and she deserved to win.""Congrats Jasmine on this incredible achievement. You're an incredible person and player. It's always tough playing you. Good luck in the doubles

2017 Doha Diamond League, where he registered an impressive 93.90 metres. He currently ranks third on the all-time list of javelin throws, behind Jan Zelezny's world record of 98.48 metres and Johannes Vetter's 97.76 metres. After Neerai crossed the 90metre mark, Weber followed suit by breaching the milestone for the first time in his career as well, becoming the 26th athlete to do so.Reflecting on his performance in Doha, Neeraj said he will continue to push himself and aims to perform even better in upcoming events."A lot of people had this question - whether I'd be able to throw 90m or not - since I hadn't done it despite competing since 2018. I had broken 88-89m before but not 90m. But finally, not just for me, but at least for Indians, the burden has reduced. I feel I can do even better," Neeraj told Revsportz in an interview.

RR vs PBKS, IPL 2025 Preview: Predicted XI, team news and Jaipur pitch conditions

→IPL 2025: Rajasthan Royals have their task cut out when they face the Punjab Kings, who are on the cusp of making their way through to the playoffs in the ongoing edition of the T20 league.

New Delhi. Punjab Kings (PBKS) have a golden opportunity as they take on Rajasthan Royals (RR) in the first match of Sunday's doubleheader in the Indian Premier League (IPL) 2025 at the Sawai Mansingh Stadium in Jaipur. A win would bring PBKS closer to ending their 10-year wait for a spot in the IPL

final—their last top-four finish came in 2014, when they finished as runners-up after losing to Kolkata Knight Riders (KKR).

Currently, placed third on the points table with 15 points and a net run rate of +0.376, PBKS have won seven of their 11 matches so far. Their most recent outing was interrupted when IPL 2025 was halted during their game against Delhi Capitals (DC) at the HPCA Stadium in Dharamsala.

Rajasthan Royals, meanwhile, are already out of contention for the playoffs. However, they'll be eager to wrap up their home campaign in Jaipur on a high. They come into this game RR vs PBKS: Head-to-Head

With regular captain Sanju Samson unavailable, stand-in skipper Riyan Parag has faced mounting pressure. Another loss could see RR slip to the bottom of the table,



currently occupied by Chennai Super Kings.

after a narrow one-run loss to KKR at Eden The Royals and Kings have faced each other in 29 matches since 2008. RR have a 17-11 lead over their opponents with one game ending in a tie. In Jaipur, RR have won five out of six matches. In their last five meetings, RR have

Jofra Archer and Nandre Burger won't be available for the Royals. For PBKS, there are uncertainties over the availability of Josh Inglis, Marcus Stoinis and Aaron Hardie. Kyle Jamieson has been roped in as an injury replacement for Kyle Jamieson.

RR vs PBKS: Predicted Xis

Yashasvi Jaiswal, Vaibhav Suryavanshi, Riyan Parag ©, Kunal Singh Rathore, Dhruv Jurel (wk), Shimron Hetmyer, Wanindu Hasaranga, Maheesh Theekshana, Yudhvir Singh Charak,

Akash Madhwal, Fazalhaq Farooqi Impact Player: Shubham Dubey **PBKS**

Priyansh Arya, Prabhsimran Singh (wk), Shreyas Iyer (c), Mitchell Owen, Shashank Singh, Nehal Wadhera, Marcus Stoinis, Azmatullah Omarzai, Marco Jansen, Yuzvendra Chahal, Arshdeep Singh.





atasa Stankovic has been a doting parent to her and Hardik Pandya's son, Agastya, over the years. She recently uploaded an adorable video on Instagram that depicts how she is striving to teach vital life lessons early on in life. In the clip, Natasa teaches her little son, Agastya, the distinction between fact and opinion in a vital session wrapped in a dose of humour.

The clip begins with Natasa questioning Agastya if a statement about her longer hair is a fact or opinion. The youngster promptly responds with a fact. She then asks "My hair is better than yours, Is it a fact or opinion?" Agastya rightly responds, "Opinion." This back-andforth continues as Natasa tests her son's comprehension with real-life situations, such as someone's view of his T-shirt etc. Agastya readily understands the situations and answers

In the caption, he wrote, "Yesterday we had a little chat about fact vs. opinion and how not to get caught up in what others say - especially if it's not so kind. At the end of the day, it's our own opinion of ourselves that really matters." Many users praised Natasa for dedicatedly teaching her son crucial life skills. One of them wrote, "Natasha is a great mom... It's a

Natasa Stankovic, recently shared about the cutest surprise from her son, Agastya, on Mother's Day. The video started with little Agastya entering the room where his mother was sleeping, carrying lights and a paper-rose bouquet in his tiny hands. He swiftly approached her, handed the gift, and wished her a "Happy Mother's Day". The video concluded with Agastya receiving numerous pecks on the cheeks and hugs in return. In the caption, she wrote, "My heart must have done something right to be blessed with you. Forever grateful for the gift of motherhood and for you, my sweetest boy."

Preity Zinta Channels Her Inner Barbie For Punjab Kings' IPL Return



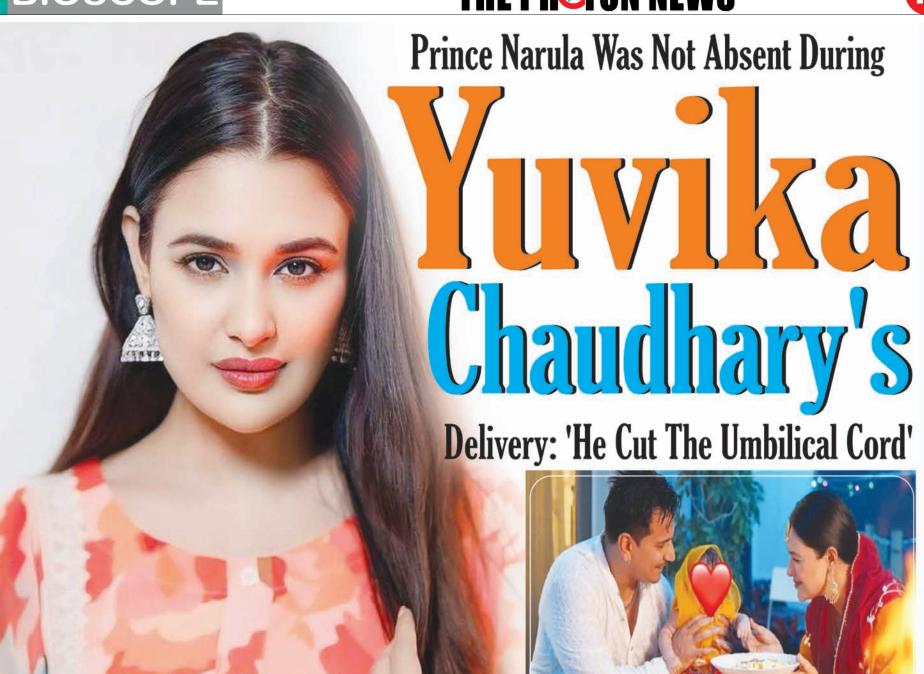
reity Zinta is currently involved in supporting her team, Punjab Kings, during the ongoing IPL 2025. On Friday, the diva arrived in Jaipur to attend her team's next match with the Rajasthan Royals, scheduled on May 18.

She is a co-owner and is often seen at matches, celebrating every boundary and wicket, and enthusiastically cheering for her team players. Several pictures and videos of the Veer-Zaara actress are currently surfacing online.In one such video, dropped on Instagram, Preity is seen outside the airport arrival and heading towards her car. Before that, she engaged in a conversation with her team members but avoided posing for the

The actress looked beautiful in a pink co-ord set paired with a white top. She accessorised her look with brown shades, a matching handbag and a golden wristwatch. As for the hair, she kept it open and let it cascade down her shoulders. Recently, the actress conducted an Ask Me Anything session on X where she answered several questions from her fans and admirers. During this, a user asked, "What's one thing fans don't know about you?", to which she responded, "I hate taking pictures at temples, early in the morning after a flight, in restrooms, and during security checks! Asking me for a photo is the best way to get one, unless you are in one of the situations listed above. Taking photos of my children would bring out my Kali avatar; otherwise, I am a joyful person. Do not start making videos without my consent; it is really very annoying. Just ask me gently, and please leave my kids

Preity got married to Gene Goodenough in 2016 and welcomed their twins, a baby boy named Jai and a baby girl named Gia, via

surrogacy in November 2021. On the work front, Preity will be making her acting comeback with the upcoming period drama film, Lahore 1947, opposite Sunny Deol. Directed by Rajkumar Santoshi and produced by Aamir Khan, the official release date of the film is yet to be announced. Set against the backdrop of the partition of India in 1947, the film also stars Ali Fazal and Shabana Azmi.



uvika Chaudhary has revealed that Prince Narula was not absent during her delivery last year. In a recent interview, the actress dismissed reports that Prince was not in the city when she delivered her baby girl. She urged everyone not to believe in rumours and shared that Prince stood by her in the hospital. Recently, Yuvika appeared on Paras Chhabra's podcast when she was asked if she missed Prince during her delivery. The actress mentioned that there was no chance of missing her husband since he was present with her. She also shared that it was Prince who had cut the umbilical cord.

Why would I miss him? He was there. Yes, Prince was there during my delivery of course. Don't trust the rumours, he was there making the video of our child's birth. I always wanted him to be present in the delivery room when I'm giving birth to our baby. I wanted him to know what all women go through when they give birth to child. Main chahti thi ke woh dekhe ke ek zindagi bahar kaise aati hai aur woh cord apne haanth se kaate," Yuvika said.

The Main Hoon actress further shared that even though Prince was shivering while cutting the umbilical cord, she told him to do it.

"He cut the umbilical cord and making the video, he was shivering. He was like baby mujhse nahi ho paayega. I told him you have to do it. He is very strong, he saw the entire C-section process. But he was nervous due to the happy emotions. He was becoming a father suddenly, from a boy to a father, so there is a change from inside. The change is very beautiful, because your body responds to the change and sometimes you cry, you shiver, you laugh. So that was his reaction," she added.

Yuvika and Prince fell in love with each other in Bigg Boss 9 and have been together ever since. The couple got married in 2018 and welcomed their first child, a baby girl, in October 2024.

laapsee Pannu

Buys Rs 4.33-Crore Premium Apartment In Mumbai's Goregaon



aapsee Pannu is now the proud owner of a swanky new apartment in Mumbai. Along with her sister Shagun, the actress bought a stylish home in Goregaon West's posh Imperial Heights. She paid a whopping Rs 4.33 crore to buy the apartment. This gorgeous spot spreads out over about 1,390 sq. ft. of carpet area, with a total built-up space of around 1,669 sq. ft. Plus, they got two dedicated parking spots. The deal was wrapped up and officially stamped in May 2025. Taapsee and Shagun shelled out Rs 21.65 lakh in stamp duty and another Rs 30,000 in registration fees to make this dreamy address theirs.

On the work front, Taapsee was last seen lighting up the

screens in Khel Khel Mein.

Up next, she's gearing up for some exciting releases including Gandhari and Woh Ladki Hai Kahaan?. Taapsee had earlier revealed her fitness regime for the upcoming movie Gandhari. She said, "Now Gandhari Prep is going on apart from Squash, aerial yoga and gym training I'm also doing some boxing so my stamina is ready for the long fight so there isn't a lot of time I waste on set for recovery.

The film revolves around the story of a mother who takes on a fierce fight to save her child who is abducted. Billed as an action-thriller, the film promises yet another powerful performance from the